हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

23 जुलाई, 1998

खण्ड 2, अंक 3

अधिकृत विवरण

Haryana Vidhan Sabha Secretariat * Chandigarh * LIBRARY

(विषय सूची)

वीरवार, 23 जुलाई, 1998

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3)1
वाक आऊट	(3)6
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(3)6
वाक आऊट	(3)8
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(3)8
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(3)14
विभिन्न मामले उठाना/स्थगन प्रस्तावों की सूचनायें इत्यादि	(3)18
वैयक्तिक स्पष्टीकरण-	(3)21
श्री सतपाल सांगवान द्वारा	(3)24
वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा	(3) 24
वाक आऊट	
वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)25
बैठक का समय बढ़ाना।	(3)51
वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)51
वाक आऊट	(3)60
वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)60

मूल्य : 140

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 23 जुलाई, 1998

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छत्तर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Cases of Rape/Murder etc. Registered in the State

***610. @Capt. Ajay Singh / Shri Sampat Singh** : Will the Minister for Home be pleased to state—

(a) the number of cases of rape, kidnapping, riots, burning of houses, dacoity, car snatching, abduction and murder registered in the State during the period from 31st July, 1997 to-date;

(b) the number of cases of those as referred to in part (a) above relating to scheduled castes;

(c) the number of cases out of which those as referred to in part (a) above in which the accused have been arrested/convicted and acquitted separately during the said period; and

(d) the number of cases as referred to above which are declared untraced togetherwith number of cases which are under trial in the various courts during the above said period category-wise, separately ?

Home Minister (Shri Mani Ram Godara) : A statement is laid on the table of the House.

Statement

(a)	Cases registered from 31-7-97 to 15-5-98.
Head of Crime	
Rape	277
Kidnapping	249

@ Put by Capt. Ajay Singh

[Shri Mani Ram Godara]

Riots burning of houses	423
Dacoity	30
Car snatching	52
Abduction	86
Murder	483

(b) Number of cases of those referred to in part (a) above relating to scheduled castes.

Rape	41
Kidnapping	19
Riots burning of houses	10
Dacoity	-
Car snatching	-
Abduction	4
Murder	34

(c) Number of cases out of which those as referred to in part (a) above in which the accused have been arrested, convicted and acquitted.

	Cases in which accused arrested	Cases in which accused convicted	Cases in which accused acquitted
Rape	262	-	4
Kidnapping	209	-	2
Riots burning of houses	406	-	3
Dacoity	27	-	-
Car Snatching	43	-	-
Abduction	62	-	-
Murder	443	2	4

(d) Number of cases declared as untraced and under trial in the various courts.

	untraced	under trial
Rape	1	189
Kidnapping	3	83
Riots Burning of houses	9	199
Dacoity	3	11
Car snatching	8	14
Abduction	9	19
Murder	29	219

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से गृहमंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि यह जो बलात्कार, किडनैपिंग, डकैती व राएट्स के क्राइम हैं, अगर आप ध्यान से देखें तो मालूम होगा कि पिछले दो सालों में इनकी दर में वृद्धि हुई है। जो आपने हमें आंकड़े दिए हैं, उन से ज्ञात होता है कि बलात्कार के केसिज़ में 4, किडनैपिंग के केसिज़ में 2,राएट्स-बर्निंग आफ हाऊसिज़ के केसिज़ में 3 और मर्डर के केसिज़ में 4 व्यक्तियों को एक्विट किया गया है। इसका क्या कारण है कि एक्विटल हो गया लेकिन कंविक्शन नहीं हुई ? कहीं यह कारण तो नहीं है कि जो चालान पेश होना चाहिए था वह पेश नहीं किया गया ?

Mr. Speaker : Captain Sahib, please address the Chair. (Interruptions).

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं पूछ रहा हूं कि इन केसिज़ में कंविक्शन क्यों नहीं हो पाई है ? (शोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker : Captain Sahib, please address the Chair. I have requested you so many times to address the Chair and ask direct questions, and not to indulge in cross talks. (Interruptions)..

Capt. Ajay Singh Yadav : Sir, I have asked question through you. मैं यह जानना चाहता हूं कि इन केसिज़ में जो एक्विटल हुई है उसके क्या कारण हैं ? क्या सारे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए हैं ?

श्री मनी राम गोदारा : स्पीकर सर, माननीय साथी को आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि केसिज़ जब रजिस्टर्ड हो जाते हैं तो उसके बाद उनकी तफसीस होती है, फिर चालान पेश किया जाता है और गवाह पेश किए जाते हैं। कहीं पर गवाह जल्दी पेश हो जाते हैं और कहीं पर जल्दी पेश नहीं होते हैं। कुछ ऐसे केसिज़ में जैसे कि आज कल हर रोज सुन रहे हैं कि अदालतों में केसिज़ बहुत होने की वजह से काम बहुत बढ़ गया है, इस बिनाह पर ऐसा होता होगा। वरना हमारी मंशा ऐसी नहीं है कि ऐसे केसिज़ में कंविक्शन न हो। जो केसिज़ रजिस्टर्ड होते हैं, उन केसिज़ में सरकारी अधिकारियों की यह निजी डियूटी बनती है कि वे इन में कंविक्शन करवाने पर जोर दें। ऐसे मामलों में हमारा भी इंट्रस्ट ज्यादा से ज्यादा यही होता है कि कंविक्शन हो।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, जो आंकड़े सदन के पटल पर रखे गए हैं, उन से स्पष्ट है कि पिछले 10 महीनों में अपहरण, कत्ल, बलात्कार आदि अपराधों की औसतन संख्या प्रतिदिन लगभग 2 आ रही है। इसकी वजह से जनता में सैंस आफ इनसिक्योरिटी पैदा हो गई है। इसके क्या कारण हैं कि दिनों-दिन हीनस क्राइम बढ़ते ही चले जा रहे हैं ? एक तरफ तो लोग इस तरह के क्राइम करते हैं लेकिन दूसरी तरफ एक क्राइम यह भी है कि यह जो गृहमंत्री महोदय ने क्राइम की लिस्ट दी है, इस में चौंकाने वाली बात तो यह है कि अपराधियों को प्रोत्साहन देने के लिए पहले तो उनके विरुद्ध दर्ज मामले वापिस लिए जाते हैं और फिर वही लोग उत्साहित होकर कत्ल तथा अपहरण जैसे संगीन अपराध करते हैं। क्राइम केसिज़ को वापिस लेना it is all politics. हर सरकार में पोलीटिकल बेस पर बने केस वापिस हो जाते हैं लेकिन जो सही अर्थों में अपराधी होते हैं उनके केस वापिस नहीं होने चाहिए। ऐसे मेरे पास दो उदाहरण हैं : अध्यक्ष महोदय पहला केस है एफ०आई०आर० नं० 330 जो 27-5-94 को पुलिस स्टेशन सिविल लाइन, हिसार में रजिस्टर्ड हुआ। इसमें महावीर सिंह इन्वाल्वड है। यह केस 31-3-97 को विदड्रा

[श्री सम्पत सिंह]

हो गया। लेकिन लगभग 5 महीने के बाद 14-8-97 को अशोक ठाकुर जो कि हरियाणा क्रेडिट लीजिंग कम्पनी हिसार का मालिक है, की किडनैपिंग में फिर महावीर सिंह इन्वाल्वड होता है। उसकी गिरफ्तारी हरियाणा पुलिस नहीं कर पाई। उसने यू०पी० व दिल्ली में अपराध किये। पिछले दिनों वह दिल्ली में पकड़ा गया। हरियाणा पुलिस उसको दिल्ली से लेकर आई। क्या सरकार ऐसे केसिज विदड्रा करके क्रिमिनल्ज को इन्क्रेजमैंट नहीं दे रही है। दूसरा केस एफ०आई०आर० नं० 258 जो जुगलान के रहने वाले उमेद सिंह के अगेनस्ट 20-5-91 को रजिस्टर्ड किया गया। यह केस 21-7-97 को विदड्रा किया गया। अध्यक्ष महोदय, लास्ट 2 वीकस के अन्दर यह जिला हिसार के गांव जुगलान में पुलिस की वर्दी में 5 साथियों के साथ गया और एक आदमी से कहा आपको एस०पी० साहब बुला रहे हैं वरना गांव वाले उसको पहचानते थे और बाहर बुलाकर उसका कत्ल कर दिया।

श्री मनीराम गोदारा : अभी सम्पत सिंह जी ने इन्क्रीज इन क्राइम रेट और विदड्रावल ओफ केसिज के बारे में सप्लीमेंटरी प्रश्न पूछे हैं सारे देश के अन्दर नए सिस्टम के हिसाब से हमारे जितने मनोवैज्ञानिक हैं वे भी अपनी यही रिपोर्ट देते हैं, आज के समाज के सरकमस्टान्सिज जो इतनी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। टेलिविजन के हिसाब से, हमारी आजादी के हिसाब से इस मामले के अन्दर आबादी बढ़ने के हिसाब से इतनी तेजी होने के बाद भी हमारे मनोवैज्ञानिकों ने यही कहा है कि इसका कारण ला एण्ड आडर नहीं है, प्रशासन नहीं है, पुलिस की कमजोरी नहीं है, इसका कारण सामाजिक सिस्टम है। इस मामले के अन्दर मनोवैज्ञानिक तौर पर समाज को सुधारने के साथ-साथ इन समस्याओं को खत्म करना होगा। मैं यह दावे के साथ कहता हूं कि अगर किसी बलात्कारी के साथ किसी तरह की सरकार की तरफ से, पुलिस की तरफ से कोई भी कौताही की गई है तो इस मामले में मैं अपने आपको दोषी मानकर माफी चाहता हूं। जिन केसिज को विदड्रा की बात कही गई है यह ठीक है। जितने आदमी क्रिमिनल हैं ये सब दोषी हैं, मैं इस बात को जानता हूं और मेरे से ज्यादा तो ये जानते हैं कि ये सब क्रिमिनल दोषी हैं क्योंकि मैंने जितने केसिज हिसार जिले के विदड्रा किए हैं उस मामले में मैंने यह समझ कर उन केसिज को विदड्रा किया है कि वे केसिज पोलिटिकल बिना पर बनाए गए थे। पोलिटिकल बेस पर उन केसिज को बनाने का पहले की सरकार का क्या इंट्रस्ट था और वे केस किस किस के खिलाफ बने वह मैं आपको बताता हूं ज्यादातर केस आपके ही आदमियों के खिलाफ हैं और उन्हीं केसिज में ये केस भी शामिल होंगे।

श्री सम्पत सिंह : जब आप यह मानते हैं कि वह क्रिमिनल आदमी है तो फिर आपने उसका केस विदड्रा क्यों किया ? (शोर)

श्री मनी राम गोदारा : हिसार जिले के लगभग 70 या 75 आदमी और होंगे जिनके खिलाफ उस समय की सरकार ने केस बनाए और उन आदमियों के खिलाफ उस समय की सरकार ने टाडा के सारे झूठे केस बनाए थे और उन्हीं केसिज में यह भी शामिल होगा। जब और केस विदड्रा किए उस समय यह केस भी विदड्रा हो गया होगा।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, बड़े अफसोस की बात है कि जिस आदमी ने एक हीनियस क्राइम किया हो जिसके अगेंस्ट किडनैपिंग का केस दर्ज हो, जिसने मर्डर किया हो उसका केस विदड्रा किया जाए। ऐसा करके यह सरकार क्रिमिनल लोगों को संरक्षण दे रही है, कवरअप दे रही है। सरकार का यह फर्ज नहीं बनता कि ऐसे लोगों को प्रोत्साहन दिया जाए। गृह मंत्री जी कह रहे हैं कि पहले की सरकार के टाईम में यह केसिज बने थे इसलिए इन्होंने उन केसिज को पोलिटिकल बेस पर बनाए गए केस

मान कर विदड़ा कर लिया। गृह मंत्री जी ने यह भी कहा है कि आई तो यह आदमी क्रिमिनल है और हारडन्ड क्रिमिनल है जिसका नाम महावीर है उसका केस इन्होंने विदड़ा किया है। इस आदमी ने दिल्ली में डकैतियां डाली हैं मथुरा में डकैतियां डाली हैं और हरियाणा में डकैतियां डाली हैं उसका केस इन्होंने वापिस लिया है इससे ज्यादा शेमफुल बात और क्या हो सकती है। गृह मंत्री जी अपनी ड्यूटी कतई नहीं निभा पा रहे हैं। गवर्नर ही गुड क्यूइट, स्पीकर सर।

Mr. Speaker : Sampat Singh Ji, please sit down.

Shri Sampat Singh : * * * * * * *

Mr. Speaker : Whatever Sampat Singh is speaking that should not be recorded. (Interruptions).

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैंने ऐसी कौन सी बात कही है जो रिकार्ड नहीं होगी।

श्री अध्यक्ष : आप पहले गोदारा साहब का जवाब सुन लें उसके बाद पूछें। (शोर)

श्री मनी राम गोदारा : मैंने अभी आपकी बात का पूरा जवाब नहीं दिया है।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, * * * * * * * (शोर)

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded.

Shri Sampat Singh : Sir, it is very unpleasant for the Government. (Interruptions).

Mr. Speaker : Sampat Singh Ji, please sit down.

Shri Sampat Singh : Sir, I repeat my supplementary.

Mr. Speaker : Sampat Singh Ji, let him give his reply.

Shri Sampat Singh : The Government has already answered. (Interruptions).

श्री मनी राम गोदारा : आप में जवाब सुनने की हिम्मत होनी चाहिए। इस महावीर के बारे में मुझे बाद में पता लगा और उमेद सिंह वह आदमी था जो चौधरी देवी लाल जी के समय में जमीन का जबरदस्ती कब्जा करने के लिए गया हमें तो उसका अब पता लगा है कि वह क्रिमिनल आदमी है पहले हमें नहीं पता था।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, यह कितनी शेमफुल बात है कि इनको पहले उसका पता नहीं था कि वह क्रिमिनल आदमी है इनको अब पता लगा है कि वह क्रिमनल है। (शोर)

Mr. Speaker : Please take your seat. (Noise & Interruptions).I would request all the members to take their seat (Noise & Interruptions).

Shri Sampat Singh : Sir...

Mr. Speaker : I warn you.

Shri Sampat Singh : For what, Sir ? (Noise).

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

Mr. Speaker : You please sit down, otherwise I will have to name you. (Noise & Interruptions). You please take your seat. (Noise).

Shri Sampat Singh : For what you are naming me, Sir ? Why don't you name the Home Minister ?

Mr. Speaker : You do not behave properly. (Noise). Why and what I warn you, I warn you for misbehaviour. Please sit down. This is a question hour. No debate can be allowed during the question hour. Please don't make any statement. Please ask the question.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हम सबमीशन तो कर सकते हैं ?

Mr. Speaker : Whatever you are speaking without the permission of the Chair, will not be recorded.

Shri Sampat Singh : Sir, you are our custodian. We can make our humble submission to you. * * *

Mr. Speaker : Nothing is to be recorded.

Shri Sampat Singh : Sir . . .

Mr. Speaker : Please ask one question directly. (Noise) This is the question hour. (Noise & Interruptions). Mr. Sampat Singh, please ask question.

वाक आउट

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय मेरा डायरैक्ट सवाल था, पहले होम मिनिस्टर साहब ने कह दिया कि अच्छी तरह से जानता हूं और बाद में कह दिया कि मुझे बाद में पता लगा (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछें (विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : मैं सवाल ही पूछ रहा हूं *** *** *** ***

Mr. Speaker : Whatever Sampat Singh is Speaking, nothing is to be recorded.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम इसके विरोध में सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय हरियाणा लोक दल (राष्ट्रीय) पार्टी के सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्य सदन से उठ कर चले गए)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, होम मिनिस्टर साहब ने यह कहा था कि वे अब जानते हैं जब केस बिगड़ा हुआ है उससे पहले वे कब जानते थे।

* Not recorded as ordered by the Chair.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने कल हाउस में कहा था 302 और 307 के मुकदमे विदड्रा हुए हैं (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, आपने इनके बारे में लिस्ट मांगी थी और मैं वह लिस्ट आज ले कर आया हूं (विघ्न एवं शोर)

Mr. Speaker : Capt. Sahib, please ask supplementary (Interruptions.) No statement please. Capt. Sahib, this question has taken 20 minutes. No more supplementary please. Take your seat. Next question Shri Ram Pal Majra. (Interruptions.) Next question. Shri Dev Raj Dewan.

श्री राम पाल माजरा : मैंने अपने क्वैश्चन का नम्बर बोल दिया था लेकिन उसका जवाब नहीं आया है (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपका क्वैश्चन जब आया तो मैंने आपका नाम एक बार नहीं बल्कि तीन बार पुकारा लेकिन आप अपनी सीट पर बैठे रहे। मैंने आपकी तरफ दो बार देखा।

Shri Sampat Singh : Speaker Sir, he was very much standing in his seat, perhaps you have not noticed him. (Interruptions). He has called his question No. (Interruptions).

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, अगर यह जानबूझ कर न सुनें तो यह मेरा दोष नहीं है (विघ्न एवं शोर) यह रिकार्ड की बात है (विघ्न एवं शोर) राम पाल माजरा जी खड़े होकर कह दें कि मैंने इनका नाम नहीं पुकारा तो मैं इनको दोबारा काल करूंगा (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ... (शोर)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब आप बैठ जाएं। माजरा साहब खड़े होकर यह कह दें कि मैंने उन्हें पुकारा नहीं। (शोर एवं व्यवधान) माजरा साहब, मैंने आपकी तरफ देखा और आपका नाम पुकारा लेकिन आप नहीं खड़े हुए। (शोर एवं व्यवधान) आप चाहें तो रिकार्ड देख लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप ही रिकार्ड देखकर हमें बता दें।

श्री अध्यक्ष : माजरा साहब आप ही बता दें। (शोर एवं व्यवधान)

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, ये यह सब कुछ जान बूझकर कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * *

श्री अध्यक्ष : यह जो ओम प्रकाश चौटाला जी ने बात कही है यह कार्यवाही से निकाल दी जाए। (शोर एवं व्यवधान) अच्छा चलो ठीक है राम पाल माजरा जी, आप अपना प्रश्न पूछें।

श्री राम पाल माजरा : मेरा तारांकित प्रश्न संख्या 666 है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

PRESENTATION OF GIFTS

*** 666. Shri Ram Pal Majra :** will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) whether any gifts have been presented to the V.I.Ps. during the last ten years by the Cooperative Institutions; if so, the names of the such institutions together with the yearwise details of the amount spent thereon; and

(b) the names and addresses of the persons to whom the aforesaid gifts have been presented ?

सहकारिता मंत्री (श्री नरवीर सिंह) : समूचे हरियाणा राज्य में 17 हज़ार से अधिक सहकारी संस्थाएं हैं। इन सभी संस्थाओं से पिछले 10 वर्षों से सम्बन्धित वांछित सूचना एकत्रित एवं संकलित की जाती है, जो कि एक अत्यन्त कठिन कार्य है। इसमें काफी समय लगने की भी सम्भावना है। इसके अलावा यह सूचना बड़ी ही विस्तृत हो जाएगी। अतः वांछित सूचना एकत्रित एवं संकलित करने में जो समय और श्रम लगेगा, उसकी तुलना में इस मामले से प्राप्त होने वाला लाभ पर्याप्त नहीं होगा।

10.00 बजे **श्री विरेन्द्र सिंह :** स्पीकर सर, मुझे कुछ कहना है।

श्री अध्यक्ष : नहीं नहीं, आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक सबमिशन है। क्या रूल्ज के हिसाब से क्वैश्चन आवर में एक सप्लीमैंट्री पूछना एलाऊ है या नहीं ?

श्री अध्यक्ष : नहीं नहीं यह कोई सप्लीमैंट्री नहीं है। अब आप बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, मुझे अपनी एक सप्लीमैंट्री तो पूछने दें।

श्री अध्यक्ष : आप बैठें।

वाक आउट

Shri Birender Singh : Why the Ministers are being protected ? This is entirely a wrong practice. We protest against this practice and we are staging a walk out.

(इस समय सदन में उपस्थित कांग्रेस पार्टी के तथा हरियाणा लोकदल (राष्ट्रीय) के सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।) (शोर एवं व्यवधान)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

Laying of Sewerage of Sonipat City

***624. Shri Dev Raj Dewan :** Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to lay the Sewerage System in Sonipat City; and

(b) if so, the time by which the aforesaid work is likely to be started/ completed ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) :

(क) जी हां।

(ख) कार्य शुरु कर दिया गया है और विचारणीय चालू 30 किलोमीटर सीवर योजना में से 20 किलोमीटर सीवर लगाई जा चुकी है। बकाया सीवर के लिए इस समय यह बताया नहीं जा सकता; यह धनराशी की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

श्री देवराज दिवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि ये कौन सी सीवर की बात कर रहे हैं यमुना ऐक्शन प्लान के सीवर की या शहर के सीवर की। इसके अलावा ये जो धन की उपलब्धता की बात कर रहे हैं, इसका क्या मतलब है यह बजट सैशन है और धन का इंतजाम सरकार को करना चाहिए। अगर धन नहीं है तो उसका इंतजाम करें। यह न-न हम कब तक सुनते रहेंगे ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अन्दर इस काम के लिए साढ़े चार करोड़ रुपये का सारा प्रावधान है इसलिए एक ही जगह पर यह सारे का सारा पैसा कैसे लगाया जा सकता है। पांच और नगरों को मिलाकर 93.37 लाख रुपया इस काम पर लगाया जा रहा है। यह काम धीरे-धीरे पूरा किया जाएगा। एक दिन में यह काम पूरा नहीं हो सकता।

श्री देवराज दिवान : अध्यक्ष महोदय, ये कौन सी सीवर की बात कर रहे हैं ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, शहर के वार्डों में सीवरेज पर 59 लाख रुपये लगे, आदर्श नगर में 17 लाख, शास्त्री नगर में पांच लाख, अग्रसैन नगर में चार लाख और एटलस क्षेत्र के एरिया में 7.12 लाख रुपये लगे हैं। इस प्रकार से अलग अलग नगरों और वार्डों में पैसा खर्च किया जा रहा है और यह काम किया जा रहा है।

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ये जो सीवरेज बिछाने की नीति है इसका क्या क्राइटेरिया है ? क्या यह शहर की बजाय जो बड़े-बड़े गांव हैं जिनकी आबादी ज्यादा है उनमें भी सीवरेज प्रणाली को लागू करने का कोई प्रावधान है ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं पहले भी कह चुका हूं कि 44 शहरों में सीवरेज का काम चल रहा है यह अलग बात है कि कहीं ज्यादा चल रहा है तो कहीं कम चल रहा है कुछ गांव में भी काम चल रहा है। कुछ गांव तो जैसे मोखरा, मदीना मान्डोठी ये शहर के समान बड़े गांव हैं लेकिन हमारे पास इतना पैसा नहीं है कि हम सारा काम एक साथ शुरु कर दें इसलिए धीरे-धीरे सारा काम होता जा रहा है और होता जाएगा।

Canal Based Water Supply Scheme for Narnaul City

*648. **Shri Kailash Chander Sharma :** Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) whether the sanction for the construction of canal based water supply scheme for Narnaul City has been accorded; and

[Shri Kailash Chander Sharma]

(b) if so, the time by which the work of the aforesaid scheme is likely to be started ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्री जगन नाथ) :

(क) जी हां।

(ख) कार्य अगस्त, 1996 से चालू कर दिया गया है।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : स्पीकर सर, जहां तक सवाल के पार्ट ''क'' का संबंध है इसका जवाब ठीक दिया है योजना मंजूर हो चुकी है लेकिन इससे आगे ''ख'' में जो सूचना दी है वह ठीक नहीं है आप मौके पर जाकर देखें कि काम शुरु हुआ है या नहीं।

श्री जगन नाथ : सर, इस काम के लिए 2 करोड़ 50 लाख रुपये की स्कीम है। जिसमें से 40 लाख रुपये का प्रावधान कर दिया गया है।

Amount Spent on the Lining of Water Courses

***630. Shri Sampat Singh :** Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) the yearwise total amount spent by Haryana State Minor Irrigation Tubewells Corporation on its (HSMITC) office expenses including salary, T.A., D.A., H.R.A. etc. during the year 1996-97, 1997-98 and 1998-99 todate; and

(b) the yearwise total amount spent on the lining of water courses or any other works carried out by H.S.M.I.T.C. during the period as referred to in part (a) above

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) :

(क) हरियाणा राज्य लघु सिंचाई एवं नलकूप निगम द्वारा वर्ष 1996-97, 1997-98 तथा 1998-99 (1-4-98 से 30-6-98) के दौरान अपने कार्यालय के खर्चों सहित वेतन, यात्रा भत्ता, महंगाई भत्ता, आवास भत्ता इत्यादि पर क्रमशः 2437.48 लाख, 2478.04 और 499.80 लाख रुपये की कुल राशि खर्च की गई। इस खर्चे में वर्क चार्जड स्टाफ का पारिश्रमिक भी सम्मिलित है।

(ख) हरियाणा राज्य लघु सिंचाई नलकूप निगम द्वारा वर्ष 1996-97, 1997-98 और 1998-99 (30-6-98 तक) के दौरान जलमार्गों को पक्का करने और निगम द्वारा अन्य किये गये कार्यों पर क्रमशः 2855.77 लाख, 1152.57 लाख और 195.54 लाख रुपये की राशि खर्च की गई।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, जैसा कि मन्त्री महोदय ने बताया कि इस महकमे को 1994 में 200 करोड़ रुपया नेशनल वाटर मैनेजमेंट प्रोजैक्ट के अधीन मिला था तथा इसके मुताबिक यह खर्चा किया गया। उसमें आंकड़े ज्यादा लगते हैं। मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि शुरु के साल में 24

करोड़ 37 लाख और कुछ हजार रुपये एस्टैब्लिशमेंट पर खर्च किये गये और 28 करोड़ रुपये डवैलपमेंट पर जोकि लगभग बराबर हैं। दूसरे साल में 24 करोड़ 78 लाख रुपये एस्टैब्लिशमेंट पर खर्च किये गये और 11 करोड़ 52 लाख रुपये डवैल्पमेंट पर खर्च किए गये जोकि एस्टैब्लिशमेंट पर जस्ट डबल खर्च किया गया है और इसी तरह से बाद में करण्ट ईयर में भी ऐसा किया जा रहा है। क्या यह जो ओवर स्टाफिंग और ओवर एस्टैब्लिशमेंट पर खर्चा हो रहा है यह पब्लिक वर्क्स पर खर्च नहीं हो रहा है। दूसरा मेरा सप्लीमेंटरी है जो मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं। (विघ्न) क्या जो एम०आई०टी०सी० में ओवर स्टाफ है इसको दूसरे महकमों में एडजस्ट करेंगे क्योंकि इसमें भी तकनीकी कर्मचारी हैं ताकि वर्क्स पर ज्यादा खर्चा हो सके। कहीं सरकार एम०आई०टी०सी० को बन्द तो नहीं करने जा रही है।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, एम०आई०टी०सी० कारपोरेशन 1970 में किसानों की भलाई के लिए शुरु की गई थी ताकि किसानों के लिए ट्यूबवैल्ज की सुविधा प्रदान की जा सके। जहां नहर का पानी नहीं था या जिन नहरों में पानी कम आता था उन नहरों में ट्यूबवैल्ज के पानी से नहरों का पानी बढ़ाने के लिए इस कारपोरेशन की शुरूआत की गई थी और इस पर जो खर्चा आता था उस खर्चे को किसानों को कर्ज के रूप में देना पड़ता था। लेकिन 1970 से 1985-86 तक कुछ ऐसे सियासी लोग सरकार में शामिल हुए कि उन्होंने इस कारपोरेशन को अपनी निजी जायदाद के रूप में इस्तेमाल किया। इसमें अनाप-शनाप भर्ती की और अनाप-शनाप खर्चे किये गये और उन खर्चों का बोझ किसानों पर सीधा पड़ता था। परन्तु 1986 में जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री बनकर आये तो इन्होंने जब इस कारपोरेशन का हिसाब देखा तो पाया कि किसानों पर बेवजह कर्जे बढ़ रहे हैं वह भी किसी के निजी स्वार्थों के कारण। किसानों के खर्चों को देखते हुए उनके कर्जे पूरी तरह से माफ कर दिए और कार्पोरेशन का खर्च सीधे तौर से सरकार वहन करने लग गई। अध्यक्ष महोदय, जहां तक एच०एस०एम०आई०टी०सी० में ओवर-स्टाफिंग की बात है, मैं भी मानता हूं कि इसमें ओवरस्टाफिंग है लेकिन इन पिछले दो सालों के दौरान जब से हमारी सरकार आई है, इस कार्पोरेशन में कोई नई भर्ती नहीं की है तथा इसमें से 500 कर्मचारी दूसरे अन्य महकमों में अडजस्ट किए गए हैं। मैं मानता हूं वास्तव में ही इस में ओवरस्टाफिंग है। जो ओवरस्टाफिंग है, हमारी सरकार दूसरे महकमों में इस फालतू स्टाफ को अडजस्ट करेगी और हम इसका नए सिरे से पुनर्गठन करेंगे। (विघ्न) मैंने माननीय सदस्य के प्रश्न का उत्तर दे दिया है। अगर इनको ज्यादा तकनीकी जानकारी चाहिए तो ये अलग से लिखकर के दे दें।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं सप्लीमेंटरी पूछना चाहता हूं। जैसे कि मंत्री महोदय ने बताया कि आपकी सरकार के समय में इतना खर्च हुआ है। दूसरे वर्ष में आपकी सरकार के समय में 24 करोड़ 78 लाख रुपए एस्टैब्लिशमेंट पर खर्च आया है। वर्क्स पर जो पहले 28 करोड़ रुपए का खर्च था, वह आज घटकर 11 करोड़ रुपए रह गया है जबकि इस प्रोजेक्ट के अन्दर वर्ल्ड बैंक का पैसा भी आपके पास है। मैं पूछना चाहता हूं कि ऐसा क्यों हुआ है ? (विघ्न) दूसरा मेरा प्रश्न यह है कि जो टोटल खर्च हुआ है, उसमें से रिपेयर पर कितना खर्च हुआ है। क्या रिपेयर बंद तो नहीं कर दी गई है ?

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी को जिस चीज की भी डिटेल चाहिए, उस बारे में वे लिखकर दे दें, उसका जवाब सदन के पटल पर रख दिया जाएगा। (शोर)

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मंत्री महोदय से मेरा सवाल है कि एच०एस०एम० आई०टी०सी० एक तरीके से सेमी-कमर्शियल एस्टैब्लिशमेंट है, इसमें कोई दो राय नहीं हैं। जैसे कि श्री संपत सिंह जी ने भी कहा है कि वाटर मैनेजमेंट के लिए हमें पैसा मिला है, उसका बहुत सा हिस्सा एच०एस०एम०आई०टी०सी० को सबसिडाइज करने के लिए डाएवर्ट किया जा चुका है। वाटर

[श्री वीरेन्द्र सिंह]
मैनेजमैंट का पैसा जो मिला है, वह तो हरियाणा सरकार का पैसा है, वह एच०एस०एम०आई०टी०सी० का पैसा नहीं है। मेरा मंत्री महोदय से आपके माध्यम से अनुरोध है कि क्या आपने आज तक दूसरी वित्तीय संस्थाओं से कोई सम्पर्क किया है या कोई टाइ-अप किया है जिससे कि किसानों के टूटे हुए खालों की दीवारा मरम्मत कर सकें और जहां खालें नहीं बनें वहां उन खालों को बनाने का काम जारी रखें।

श्री हर्ष कुमार : जहां तक टूटे हुए खालों की दीवारा मुरम्मत करने का सवाल है, यह सैन्ट्रल गवर्नमैंट की स्कीम है। इस वाटर यूजर एसोसिएशन्ज स्कीम में कुछ शेयर सैन्टर गवर्नमैंट का होता है, कुछ स्टेट गवर्नमैंट का होता है और थोड़ा सा किसान का शेयर होता है। वह पैसा इकट्ठा करके बैंक में जमा हो जाता है और तीन सदस्यों की एक कमेटी बन जाती है। जिसमें वाटर यूजर एसोसिएशन का एक सदस्य होता है और एक सरकार की तरफ से होता है। जहां मुरम्मत की जरूरत हो तो उस बैंक में जमा पैसे के व्याज से उन जलमार्गों की मुरम्मत होती है। हमारी कोशिश ज्यादा से ज्यादा वाटर यूजर एसोसिएशन बनाने की है। कुछ जगह हमारी ये एसोसिएशन बन गई है और कुछ जगह बनाने की हमारी कोशिश है। जहां पर ये एसोसिएशन बन गई हैं वहां इनकी मुरम्मत का काम चालू है। इस तरह से जहां भी यह एसोसिएशन बन जाएंगी वहां ये काम शुरू हो जाएगा।

Link Roads of District Bhiwani

***751. Shri Satpal Sangwan :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether it is a fact that the link roads of district Bhiwani are badly damaged due to the un-precedented floods during the year 1995; if so, the time by which these link roads are likely to be repaired ?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav) : Yes, Sir. These roads were made motorable by 30-9-1996.

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, आपको पता है मैंने पिछले सैशन में भी कहा था कि मेरा गांव झीझर है और झीझर-छूछकवास रोड की हालत ठीक नहीं है। मंत्री जी ने कहा कि सभी सड़कें ऐसी कर दी हैं जहां मोटरें चल सकती हैं । लेकिन मेरे गांव में आज तक सड़क मोटर चलने लायक नहीं है।

श्री धर्मवीर यादव : रिकार्ड के मुताबिक ये सड़कें रिपेयर करवा दी गई हैं। 1995-96 में फ्लड की वजह से भिवानी में जो सड़कें डैमेज हो गई थी उन सड़कों पर लगभग 8 करोड़ रुपए खर्च किए गए। पिछली सरकार ने इन सड़कों पर 7 करोड़ रुपए खर्च किए। मौजूदा सरकार ने लगभग डेढ़ करोड़ रुपए खर्च किए हैं। जिस सड़क की बात सांगवान साहब कर रहे हैं इसके ऊपर काम शुरु कर दिया गया है और लगभग 30 ट्रक पत्थर आ चुके हैं।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी आपने बताया कि भिवानी की सड़कों पर पिछली सरकार ने 7 करोड़ रुपए खर्च किए। (शोर) 1995 में भिवानी में जो बाढ़ आई उस समय जो सड़कें टूटी थी वे आज भी टूटी पड़ी हैं। क्या 7 करोड़ या एक करोड़ रुपया भी इन सड़कों पर खर्च हुआ है ? (शोर) मंत्री जी कृपा आप बताएं कि यह पैसा कौन-कौन सी सड़कों पर खर्च हुआ ? विधायक के नाते हम भी देखते हैं कि कहां क्या हुआ।

श्री धर्मवीर यादव : 116 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं, मेरे पास रोडज की सूची है इस सूची में से कुछ रोडस के नाम मैं बताता हूं।

Bus Stand to City Railway Station, Vaish College to BTM Road, Circular Road, Part-I, Bhiwani, HBB Road to BTM Mill Road, Dinod Gate to Hanuman Gate, International Road in P.W.D. (B&R) Colony, Bhiwani, International Road of 96 Nos. residential quarters in General Hospital at Bhiwani, Circular Road, Part-II, Bhiwani Ghanta Ghar to City Railway Station, Bhiwani, Bhiwani Kaunt Sangarwas Road, Kaluwas to Nithathal Road. पिछली सरकार के समय जो 7 करोड़ रुपए खर्च हुए वे भिवानी जिले की सड़कों की मरम्मत पर खर्च हुए। अध्यक्ष महोदय, आपको अच्छी तरह से मालूम है कि मैं जिस हल्के से हूं सांगवान साहब भी उसी हल्के से लगते क्षेत्र के हैं। सारा सदन और पूरे प्रदेश की जनता अच्छी तरह से जानती है कि पिछली सरकार ने किस तरह से काम किए। मौजूदा चौधरी बंसी लाल जी की सरकार का यह प्रोग्राम है कि जिस सड़क की स्ट्रैंथनिंग करनी है उसको स्ट्रैंथन किया जाएगा जिस सड़क के ब्रम टूट गए हैं उनको बनाया जाएगा जिस सड़क की रेजिंग करनी है उसकी रेजिंग की जाएगी जिस सड़क का पैच वर्क करना है वह किया जाएगा। जैसे नेशनल हाई वे और स्टेट हाई वे हैं वैसा ही गांवों की सड़कों को बनाया जाएगा।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, 1995 में बाढ़ केवल भिवानी जिले में ही नहीं आई पूरे प्रदेश में बाढ़ आई थी। उस बाढ़ के कारण भिवानी, जींद, कैथल और आगे तक की सड़कें पूरे हरियाणा प्रदेश में टूटी हुई हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उन सड़कों की मुरम्मत के लिए सरकार ने क्या प्रोपोजल बनाई है, उन सड़कों की मुरम्मत के लिए कितना पैसा तय किया गया है और मुरम्मत करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य के हल्के में सड़कों की मुरम्मत का बहुत ज्यादा काम किया गया है जिसके तथ्य कल मैं सदन के सामने पेश कर दूंगा। यह सरकार पूरे प्रदेश को अपना समझती है, यह सरकार मुंह देख कर टीका नहीं निकालती। पूरे प्रदेश के अन्दर सड़कों की मुरम्मत का काम शुरु हो चुका है।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा है कि रिकार्ड में इतनी सड़कों की मुरम्मत हो चुकी है और मौके पर नहीं। मैं जानना चाहूंगा कि क्या सरकार उन अधिकारियों के खिलाफ जांच कराएगी जिस समय उन सड़कों की मुरम्मत पर मंत्री जी ने जितना पैसा खर्च किया गया बताया है उसमें हेराफेरी हुई है।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने ऐसा कोई जवाब नहीं दिया कि रिकार्ड में सड़कों की मुरम्मत हुई है और मौके पर नहीं हुई है। मैंने यह भी जवाब नहीं दिया कि रिकार्ड में उन सड़कों की मुरम्मत पर इतना पैसा खर्च हुआ है और मौके पर नहीं। मैंने ऐसा कोई जवाब नहीं दिया। अगर माननीय सदस्य किसी पर्टिकुलर सड़क के बारे में जानना चाहते हैं तो उसके बारे में वे लिखित रूप में शिकायत करें हम उसकी जांच करा करके बता देंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जवाब दिया है कि मौजूदा सरकार बनने के बाद भिवानी जिले में सड़कों की मुरम्मत पर डेढ़ करोड़ रुपया खर्च किया गया है। स्पीकर साहब, जिस सड़क की स्ट्रैंथनिंग की जरूरत होती है यदि उस सड़क की ड्रैसिंग करेंगे तो क्या यह हरियाणा की जनता के पैसे का नाजायज इस्तेमाल नहीं है। सड़क की ड्रैसिंग करना इसका मतलब पैसे की हेराफेरी करना है, चोरी करना है। तीसरे दिन बरसात आएगी और फिर वह सड़क उसी हालत में हो जाएगी। जिन सड़कों के बारे में विभाग के इंजीनियर्ज ने यह नहीं कहा कि इनकी स्ट्रैंथनिंग करनी चाहिए उनकी ड्रैसिंग क्यों की गई। अगर ऐसा कराया गया तो इस बात का जवाबदेह कौन है।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं समझ नहीं पाया कि माननीय सदस्य किस सड़क की बात कर रहे हैं। इस तरह से हवा में तीर मारने से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं यह पहले ही बता चुका हूं कि मौजूदा चौधरी बंसी लाल जी की सरकार का यह प्रोग्राम है कि जिस सड़क की स्ट्रैंथनिंग करनी है उसको स्ट्रैंथन किया जाएगा, जिस सड़क की रेजिंग करनी है उसकी रेजिंग की जाएगी, जिस सड़क के ब्रम टूटे हुए हैं उनको ठीक किया जाएगा और जिस सड़क को चौड़ा करना है उसको चौड़ा किया जाएगा। माननीय सदस्य बीरेन्द्र सिंह जी ऐसे काम आपके समय में होते होंगे हमारे समय में ऐसे काम नहीं होते कि किसी सड़क की स्ट्रैंथनिंग की बजाय उसकी ड्रैसिंग कर दी जाए।

श्री अध्यक्ष : अब क्वेश्चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Vacant Post of J.B.T. Teachers

***692. Sh. Bhagi Ram** : Will the Minister for Education be pleased to state the districtwise number of posts of J.B.T. Teachers lying vacant in the State at present ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : सूचना सदन के पटल पर रखी है।

जे०बी०टी० अध्यापकों के रिक्त पदों का जिलावार विवरण :-

जिला	रिक्त पदों की संख्या
अम्बाला	085
भिवानी	156
फरीदाबाद	188
फतेहाबाद	163
गुड़गांव	071
हिसार	034
जीन्द	220
झज्जर	214
करनाल	338
कैथल	217
कुरुक्षेत्र	320
महेन्द्रगढ़	135
पानीपत	050
पंचकुला	018
रिवाड़ी	098

रोहतक	085
सिरसा	258
सोनीपत	149
यमुनानगर	228
कुल	3036

Construction of Buildings of Police Station Safidon and Pillukhera

***712. Sh. Ram Phal Kundu, M.L.A. :** Will the Minister for Home be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the new buildings for City Police Station, Safidon and Police Station, Phillukhera, District Jind ?

गृह मन्त्री (श्री मनी राम गोदारा) : जी हां।

Opening of P.H.C. of Village Nilokheri

***705. Shri Nafe Singh Rathee :** Will the Minister for Health be pleased to State—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Primary Health Centre at village Nilouthi, District Jhajjar; and

(b) if so, the time by which it is likely to be opened ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) :

(क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता।

Upgradation of Govt. Primary School, Kanheli

***680. Shri Balwant Singh Maina :** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Govt. Primary School, Kanheli to Middle School in Distt. Rohtak ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : जी नहीं।

Ratio of Teachers and Students

***743. Sh. Jai Singh Rana :** Will the Minister for Education be pleased to state the ratio of teachers and students in Primary, Middle, High and Senior Secondary Schools in the urban and rural areas separately during the year 1997-98 ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : वर्ष 1997-98 में प्राथमिक, मिडल, हाई तथा सीनियर सैकण्डरी स्कूलों में प्रति अध्यापक छात्रों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में क्रमशः 50, 27, 30 व 23 तथा शहरी क्षेत्रों में क्रमशः 42, 29, 24 व 31 थी।

Link Road for Takoran Village

***732. Shri Jaswinder Singh :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to link the village Takoran in Pehowa Constituency with metalled road ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) : नहीं श्रीमान् जी।

Levy on Bottle of Liquor

***738. Shri Mani Ram :** Will the Minister for Prohibition, Excise and Taxation be pleased to state whether it is a fact that there was a policy of the previous Government to levy one rupee on per bottle of liquor to enhance the income of village Panchayats and Municipal Committees; if so, the said policy is still in existence or not ?

निषेध, आबकारी व कराधान मंत्री (सेठ श्री किशन दास) : इस सम्बन्ध में कथन सदन के पटल पर रखा जाता है।

कथन

पूर्व सरकार ने वर्ष 1996-97 की आबकारी नीति मार्च, 1996 में घोषित की थी। इस नीति अनुसार देसी शराब की बोतल पर 1.50 रुपये, अंग्रेजी शराब पर 2 रुपये प्रति बोतल और बीयर पर 0.50 पैसे प्रति बोतल की दर से केवल शहरी स्थानीय निकायों को दिए जाने का प्रावधान था। मद्य निषेध दिनांक 1-7-96 से लागू किया गया और यह दिनांक 31-3-1998 तक लागू रहा। मद्य निषेध नीति दिनांक 1-7-96 से लागू होने के कारण इसे इस सम्बन्ध में पूर्व सरकार द्वारा घोषित की गई नीति को बंद कर दिया गया था। वर्ष 1998-99 की नीति में यह प्रावधान किया गया कि देसी शराब पर एक रुपया प्रति बोतल, अंग्रेजी शराब पर 2 रुपये प्रति बोतल और बीयर पर 25 पैसे प्रति बोतल केवल शहरी स्थानीय निकायों को दिया जाना है।

Street of Village Kulchanda

***769. Shri Ram Ji Lal :** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the construction work of the streets of village Kulchanda district Yamunanagar lying incomplete; and

(b) if so, the time by which the aforesaid work is likely to be completed ?

विकास तथा पंचायत मंत्री (श्री कंवल सिंह) :

(क) जी हां, श्रीमान जी। एक गली का एक भाग झगड़े के कारण अधूरा है।

(ख) झगड़े का समाधान होने के पश्चात् कार्य पूरा किया जायेगा।

Providing of Compensation

Shri Ramesh Kumar Khatak : Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state whether any compensation has been given to the farmers of district Sonipat whose land has been affected by water-logging; if so, the amount thereof ?

राजस्व मंत्री (श्री सूरजपाल सिंह): राज्य सरकार द्वारा सेम की समस्या को कम करने के लिए डिच ड्रेन्ज (नाले) बनाना प्रस्तावित है। सेम से प्रभावित भूमि का मुआवज़ा देने के बारे कोई नीति नहीं है।

Power Tariff

***663. Shri Ashok Kumar :** Will the Chief Minister be pleased to state number of times the power tariff has been increased in each sector by H.S.E.B. during the period from 1st April 1996 to-date, together with the details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : दिनांक 1-4-96 से लेकर आज तक की अवधि के दौरान उपभोक्ताओं की विभिन्न श्रेणियों की टैरिफ /दर अनुसूचि को दो बार संशोधित किया गया है। परन्तु कृषि पम्पिंग बिजली आपूर्ति से सम्बन्धित उपभोक्ताओं के टैरिफ/दर में कोई वृद्धि नहीं की गई है। पहला संशोधन दिनांक 1-7-96 को लगभग 20 प्रतिशत की दर से किया गया था तथा दूसरा लगभग 15 प्रतिशत का संशोधन दिनांक 15-6-98 से किया गया था।

Releasing of Electricity Connections to Tubewells

***625. Shri Sampat Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total number of applications for providing electricity connections to tubewells lying pending with HSEB at present; and

(b) the total number of electricity connections to tubewells released during the period from April 1997 to March 1998 and April 1998 to-date ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) :

(क) दिनांक 31-5-98 के अंत तक नलकूपों को बिजली के कनैक्शन देने के लिए 75,556 आवेदन पत्र लंबित थे।

(ख) नलकूपों को दिए गए कनैक्शनों की संख्या निम्न प्रकार है :-

अप्रैल 1997 से मार्च 1998 तक-	960
अप्रैल 1998 से मई 1998 तक -	162

Construction of the Buildings of Government Hospital, Ellenabad

***693. Shri Bhagi Ram :** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct new building of the C.H.C. at Ellenabad; and

(b) if so, the time by which the construction work of the above said building is likely to be started/completed ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) :

(क) जी हां।

(ख) भवन का निर्माण शीघ्र राशि उपलब्ध होने पर किया जाएगा।

Pucca Passage

***717. Sh. Ram Phal Kundu :** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to make pucca passage upto Primary Health Centre of Village Muwana, District Jind ?

विकास तथा पंचायत मंत्री (श्री कंवल सिंह) : जी हां, श्रीमान जी।

Construction of a Distributary

***702. Shri Nafe Singh Rathee :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a distributary from village Tandaheri to village Lawa Khurd, Nuna Majra in District Jhajjar ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : हां श्रीमान जी।

विभिन्न मामले उठाना/स्थगन प्रस्तावों की सूचनाएं इत्यादि

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी एड्जर्नमेंट मोशन है। कृपया आप आज मेहरबानी करके डबल रूलिंग न दें।

श्री अध्यक्ष : किस बारे में हैं ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : सरकारी कर्मचारी हड़ताल पर बैठे हैं। हजारों की संख्या में वे कल चण्डीगढ़ आए थे और हजारों की संख्या में आज भी आए हैं।

Mr. Speaker : No please, Take your seat. (Noise & Interruptions). Chautala Sahib, that has been disallowed.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह एक ज्वलन्त प्रश्न है। यह एक अहम् मुद्दा है। सरकारी कर्मचारी लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। अस्पतालों का काम भी ठप्प हो गया है। दफ्तरों में काम भी नहीं हो रहा है। आज प्रशासन पंगु हो जाएगा तो फिर काम कैसे चलेगा। एडजर्नमेंट मोशन का एक अहम् मुद्दा है। ऐसे मुद्दों पर तो चर्चा हो जानी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब आप बैठिये। (Noise & Interruptions) I request all the members to take their seats. (Noise & Interruptions) No, no Chautala Sahib, that has been disallowed. No more discussion on it.

श्री बीरेन्द्र सिंह : मैं एक सबमिशन करना चाहता हूं कि सड़कों के मामले में हेरा-फेरी चल रही है। मेरा निवेदन है कि इस पर आप आधे घंटे की चर्चा की अनुमति दे दें। हम इनकी तसल्ली करा देंगे कि कहां-कहां पर गड़बड़ हो रही है और ये हमारी करा देंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, सड़कों पर कहीं पर भी काम नहीं हो रहा है।

श्री अध्यक्ष : पिछले अढ़ाई साल से पहले का समय देखें। अब सरकार के काम में काफी चेंज आ गई है। आपको पता है कि धारूहेड़ा के पास जो सड़क 8 साल से टूटी हुई थी वह इस सरकार ने ही रिपेयर करवायी है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब * * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन अजय सिंह बगैर परमिशन के जो कुछ बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि आप हाउस के कस्टोडियन हैं और सभी सदस्यों के बारे में आपको जानकारी है। यह सत्र तीन दिन से चल रहा है। इस विधान सभा के दो माननीय सदस्य श्री चन्द्र भाटिया व आनन्द शर्मा सदन में नहीं आ रहे। यह बड़ी चिन्ता का विषय है। मैं आपसे जानना चाहूंगा कि आप इस बारे में सदन को जानकारी दें कि वे कहां पर हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : दिलू राम जी और सतपाल सांगवान जी, आप दोनों अपनी-अपनी सीटों पर बैठें (शोर एवं व्यवधान) आप सभी लोगों से मेरी प्रार्थना है कि हाउस की कार्यवाही को ठीक प्रकार से चलने दें और जिनको भी कुछ बोलना है या अपनी बात कहनी है वह चेयर से पूछ कर ही बोलें। चेयर की परमिशन के बिना जो कुछ भी बोला जाएगा उसे रिकार्ड नहीं किया जाएगा। (शोर एवं व्यवधान) दिलू राम जी, I warn you.

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, पिछले 4-6 महीनों में देश भर में और विशेष कर राजनीति में एक बहुत बड़ा हंगामा हुआ है। 11 मई को इस सरकार का स्थापना दिवस था और 11 मई को ही अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने पोखरण में एक जबरदस्त धमाका किया और हमारा भारतवर्ष जोकि दुनिया में 138वें नम्बर पर हुआ करता था आज के दिन दुनिया की तीसरी महाशक्ति हिन्दुस्तान कहलाता है (विघ्न एवं शोर) (इस समय कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलने लगे) अध्यक्ष महोदय, इन भाईयों को क्या हुआ है। अध्यक्ष महोदय, इनकी तो यह बात है "रंज बुतां ने दिया तो खुदा याद आया" हमने अभी कांग्रेस पार्टी के बारे में कुछ नहीं कहा, रणदीप सिंह जी, आप तो अपनी सीट पर बैठें (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, यह तो कमाल की बात है कि इन्होंने अपनी बात तो कह ली जब हम अपनी बात कह रहे हैं तो इनको सुनने में मुश्किल हो रही है। (विघ्न एवं शोर)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन अजय सिंह, मैं आपको वार्न करता हूं। I request the leader of the Congress party to take care of his members.

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पूछा है और हम बता रहे हैं। अब ये हमें सुनने की हिम्मत नहीं रखते हैं। अध्यक्ष महोदय, जब इनका कोई भी मैम्बर बोलने के लिए खड़ा होता है तो क्या हम इनको बीच में टोकने के लिए खड़े होते हैं। अब मैं बोल रहा हूं और ये बीच में बोले जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जब ये कोई प्रश्न करते हैं तो इनको उसका जवाब भी सुनना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन है कि जब भाई राम बिलास शर्मा जी बोलने के लिए खड़े होते हैं तो ये सारे मैम्बर्ज बीच में बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि यहां पर भी जैसे पोखरन का बम फट गया हो।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, 84 देशों से बधाई के संदेश आए हैं। यह कोई राजनीतिक बात नहीं है, यह कोई कांग्रेस और बी०जे०पी० की बात नहीं है यह मात्र हिन्दुस्तान का सम्मान बढ़ाने की बात है। यह 100 करोड़ भारतियों का सम्मान बढ़ाने की बात है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति आर() वेंकटरमन जी ने भी बाजपेयी जी को बधाई दी। अध्यक्ष महोदय, जब इन्दिरा गांधी जी बंगला देश की लड़ाई लड़ रही थीं और उसको जीती थीं तो बाजपेयी जी ने उनको बधाई दी थी यहां तक कि उनको दुर्गा भी कह दिया था। आज बाजपेयी जी ने पोखरन में विस्फोट किया तो इनको तकलीफ हो रही है इतनी छोटी राजनीति हमने नहीं देखी थी। (शोर एवं व्यवधान) आज ये इतना शोर मचा रहे हैं इनको बाजपेयी जी की पोखरन की प्रशंसा तो सुननी ही पड़ेगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सब कृपा करके बैठ जाएं। राव साहब, आप तो मंत्री रह चुके हैं। जब लीडर आफ दि हाउस बोलने के लिए खड़े हो जाएं तो बाकी मैम्बर्ज को बैठ जाना चाहिए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सदन को बताना चाहूंगा कि जब ऐसी कोई घटना होती है तो देश का हर नागरिक उससे खुश होता है। जब बंगला देश की लड़ाई इन्दिरा गांधी जी ने जीती थी तो उस वक्त बाजपेयी जी ने इन्दिरा गांधी जी को बधाई दी थी और उनको दुर्गा का नाम दिया था, जबकि वे इसके विरोध में थे। 1974 में जब इन्दिरा जी ने विस्फोट किया था तब भी बाजपेयी जी ने उनकी प्रशंसा की थी। आज बाजपेयी जी ने परमाणु और दूसरे बम का विस्फोट कर दिया। बाजपेयी जी को पुराने राष्ट्रपति जी ने बधाई दी है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, उस वक्त मैं भी इनके साथ था। अध्यक्ष महोदय, मैंने पोखरन की जगह खुद जाकर देखी है इन्होंने पता नहीं देखी है कि नहीं देखी है। आज बाजपेयी जी ने इतना बड़ा काम कर दिया कि सारे संसार में हलचल मच गयी। इसलिए आज बाजपेयी जी बधाई के पात्र हैं। (थम्पिंग) अगर यह सदन बाजपेयी जी की प्रशंसा में और भारत सरकार की प्रशंसा में एक प्रस्ताव पास करें तो और भी अच्छा होगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरी भी आपसे एक सबमिशन है। अध्यक्ष महोदय, परमाणु विस्फोट के मामले को लेकर सारे देश के लोगों ने इसकी सराहना की है। ईवन कांग्रेस के लोगों ने भी इसकी सराहना की है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पूर्ण रूप से भारतीय वैज्ञानिकों की और श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की सराहना हुई है लेकिन सवाल यह है कि यह विषय हाऊस का समय बर्बाद करने के लिए बीच में अचानक कैसे आ गया। अध्यक्ष महोदय, इससे भी ज्यादा हैरानी यह है कि परमाणु

विस्फोट के बारे में सतपाल सांगवान जैसे व्यक्ति को जिसको कि इस बारे में बिल्कुल भी ज्ञान नहीं है वह भी उबल रहा है। यह तो ऐसे ही है जैसे बासी कढ़ी में उबाल आ जाता है।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन है। सर, ये परमाणु विस्फोट की बात कर रहे हैं और एटोमिक एनर्जी की बात कर रहे हैं।

He should tell me what is the atomic energy ?

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप अपनी बात जल्दी पूरी करें। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अधक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने बड़े ही लचीले ढंग से कहा कि सतपाल सांगवान परमाणु विस्फोट के बारे में कुछ नहीं जानता। सर, ओम प्रकाश चौटाला जी हमें बता दें कि हाइड्रोजन बम या एटम बम में कौन कौन से कैमीकल यूज होते हैं या ये बम होते क्या हैं ? अगर ये नहीं बता पाएंगे तो फिर मैं इनको बताऊंगा कि इनमें क्या कैमीकल यूज होते हैं तब इनको पता लगेगा कि कौन इस बारे में जानता है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आप इनसे इस बारे में पूछें तो सही। (शोर एवं व्यवधान) Let me speak. He has no right to comment on me. (Noise & Interruptions). Let me speak. (Noise & Interruptions).

Mr. Speaker : Please take your seat. (Noise & Interruptions).

Shri Satpal Sangwan : Sir, ...

Mr. Speaker : Sangwan Sahib, please take your seat. (Interruptions).

Sangwan Sahib, please take your seat, otherwise, I will have to name you. (Interruptions), Sangwan Sahib I warn you.

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी श्री जय सिंह राणा ने भाजपा के दो विधायकों की अनुपस्थिति की चर्चा की और चिंता की। उन की बड़ी मेहरबानी। मैं उस बात के बारे में इस महान सदन को बता ही रहा था और अभी सदन के नेता चौधरी बंसी लाल ने बहुत अच्छा प्रस्ताव भी रखा और सदन में विपक्ष के नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने भी उसका समर्थन किया। मैं चौधरी जयसिंह राणा जी की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि चन्द्र भाटिया जी के परिवार में किसी का आपरेशन था कल ही इस बारे में मेरी आनन्द शर्मा जी से टैलीफोन पर बात हुई है और वे आज यहां आ रहे हैं कल आप के सामने उपस्थित होंगे। उनकी चिंता करने के लिए मैं जय सिंह राणा का धन्यवादी और आभारी हूं। मुझे खुशी है कि जय सिंह राणा जी भी अब बी०जे०पी० की चिंता करने लगे हैं। इसके साथ ही चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने जो केन्द्र में बाजपेयी जी की सरकार को समर्थन दिया है उसके लिए हम इनके आभारी हैं। मैं तो यह कह रहा था कि जब से पोखरन में विस्फोट हुए हैं कांग्रेस एक अच्छी बात को भी अच्छा नहीं कह रही है। वे तो दूरबीन से बैडरूम में झांक रहे हैं। (विघ्न)

Mr. Speaker : Hon'ble members, please listen to me. (Interruptions).

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, आपने कहा था कि राम बिलास जी के बाद संपत सिंह बोलेंगे।

श्री अध्यक्ष : आप दो मिनट के लिए बोलिए। सुर्जेवाला जी, आप बैठ जाएं। यह हाई कोर्ट नहीं है, यहां आप वकालत न करें।

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : स्पीकर साहब, यदि आपको हाईकोर्ट में जाने का मौका नहीं मिला तो आप हाईकोर्ट को इतना कमजोर न समझें।

श्री संपत सिंह : स्पीकर सर, अभी श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने जो स्थगन प्रस्ताव रखा था उस पर सरकार का स्पष्ट व्यू था। चुनाव से पहले इन्होंने कहा था कि कर्मचारियों की मांगों का निपटारा करने के लिए इंग्लैंड की व्हिटले काउंसिल की तर्ज पर कमेटी बना दी जाएगी और सरकार इस कमेटी की रिपोर्ट मानने के लिए बाध्य होगी। स्पीकर सर, आज यह कभी अनामली कमेटी बनाते हैं और कभी सब कमेटी बनाते हैं वह क्यों बना रहे हैं ? व्हिटले काउंसिल के पैटर्न पर कमेटी क्यों नहीं बनाते ताकि कर्मचारियों की समस्याओं का निपटारा हो सके उन्हें लाठियां न खानी पड़ें और वे दफ्तरों में काम कर सकें । जिस तरह से आज 200 से ज्यादा नर्सें बुड़ैल जेल में बन्द पड़ी हैं औरतों को तंग करना सरकार की पुरानी आदत हो गई है। 1975 में जब टीचर्ज ने आन्दोलन किया था तो टीचर्ज औरतों को जेलों में बन्द करवाया फिर सफाई कर्मचारियों का आन्दोलन हुआ तो सफाई कर्मचारियों में जो औरतें थीं उनको जेलों में बन्द किया गया और उनको यातनायें दी गईं। अगर सरकार विहट्ले काउंसिल के पैटर्न पर कर्मचारियों को वेतन दे दे तो न तो आन्दोलन शुरु होंगे क्योंकि सरकार उस कमेटी की रिपोर्ट पर बाउंड होगी। न कर्मचारियों को ग्रेड दिये हैं और न ही उनके प्रोविडैंट फण्ड में पैसा जमा किया गया है और सरकार ने यह कहा है कि हमने कर्मचारियों के प्रोविडैंट फण्ड में पैसा जमा कर दिया है कर्मचारियों का ब्याज मारा जा रहा है और आज हर कर्मचारी की लायब्लिटी बढ़ रही है। सरकार को विहट्ले काउंसिल के पैटर्न पर ही वेतनमान कर्मचारियों को देना चाहिए जिसके अन्दर सरकार और कर्मचारियों के प्रतिनिधि होते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप एक मिनट के लिए मेरी बात सुनिये You have repeated this matter so many times.

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी कभी कर्मचारियों की हड़ताल का जिक्र करते हैं और कर्मचारियों के साथ यातनाओं का जिक्र करते हैं। हरियाणा प्रदेश की जनता और कर्मचारियों की हितैषी अगर कोई सरकार रही है तो वह चौधरी बंसीलाल जी की सरकार रही है। चौथे वेतन आयोग की रिपोर्ट भी चौधरी बंसीलाल जी ने ही लागू की थी और अब पांचवें वेतन आयोग की रिपोर्ट भी चौधरी बंसीलाल जी ने ही लागू की है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी और इनकी पार्टी के लोगों को बस एक ही काम रह गया है कि कर्मचारियों को किस तरह से भड़काया जाये। स्पीकर सर, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि श्री ओम प्रकाश चौटाला जी किस तरह से शूगर मिल के कर्मचारियों से हड़ताल करवाते रहे हैं और आज हरियाणा प्रदेश के कर्मचारियों को हड़ताल करने के लिए भड़का रहे हैं। श्री ओमप्रकाश चौटाला और इनकी पार्टी के लोग कर्मचारियों के हितैषी कब से हो गये ? कर्मचारियों की हितैषी तो मौजूदा सरकार ही है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बहन करतार देवी, आप बोलिये (विघ्न) एक मिनट आप मेरी बात सुनिये।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, ... (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरा सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि नए रूल्ज की कापी आप सभी को दे दी गयी है कल से आप उसको पढ़कर आयें और स्ट्रीक्टली उसका पालन करें। From tomorrow, I will act strictly according to these new rules.

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, बड़े अफ़सोस की बात है। लोग क्या कहेंगे कि आज तक कोई रूल चलता ही नहीं था क्या ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : लोग आपसे भी कहेंगे कि क्या आपने ही लोगों का ठेका ले रखा है।

श्री सम्पत सिंह : क्या विधानसभा में आज तक कोई रूल नहीं था ? यह बड़े अफ़सोस की बात है।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी की तरफ से प्रदेश में मजदूरों और किसानों की बिगड़ती हुई आर्थिक स्थिति को देखते हुए और फसल न होने के कारण आत्म हत्यायें करने पर मजबूर होने के लिए तथा जबरदस्ती नकली दवाईयों को खरीदने पर मजबूर होने के लिए उन्हें आत्म हत्या करनी पड़ रही है, इसके लिए स्थगन प्रस्ताव दिया था उसका क्या हुआ ?

श्री अध्यक्ष : वह पहले ही नामंजूर हो चुका है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : आपने हमारे से लिस्ट मांगी थी (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह ने व्हिटले कांउसिल के बारे में जो बात कही है, इसके बारे में मैं बताना चाहता हूं कि विहटले कांउसिल पैटर्न को हमारी कैबिनेट ने अप्रूव कर दिया है परन्तु इम्प्लाईज की अनेक यूनियनें होने के कारण उसमें थोड़ा सा कंसीडिरेशन करना मुश्किल हो रहा है कि किस ढंग की रिप्रजेंटेशन दी जाये क्योंकि कई महकमें हैं इम्पलाईज की रिप्रजंटेशन पर विचार होने के बाद ही इस पर फैसला हो पायेगा।

श्री सम्पत सिंह : वह कब तक कर देंगे ?

श्री बंसी लाल : इम्पलाईज आपस में फैसला कर लें और रिप्रजेंटेशन दे दें तो एक हफ़्ते के

11.00 बजे अन्दर कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, कल गाबा साहब का एक प्रश्न था कि उनके पास भारत सरकार की चिट्ठी की कापी है। उसमें (ओबसीन) फोटो छापने की बात कही गई है। कल वह चिट्ठी मैंने मंगवाई थी। उसको मैंने पढ़ने की कोशिश की लेकिन वह पढ़ी नहीं जा सकी क्योंकि वह एक फोटो स्टेट कापी थी। इसको मैंने फिर साफ-साफ टाईप करवाया। मैंने इसको देख लिया है। अध्यक्ष महोदय, यह जो पत्र था इसमें भारत सरकार की कोई इंस्ट्रक्शंज नहीं थीं, कोई आदेश नहीं थे। यह पत्र भारत सरकार द्वारा करनाल निवासी एक विजय कुमार अरोड़ा की शिकायत पर लिखा गया कि कुछ अखबार (ओबसीन) फोटो छापते हैं, उनके खिलाफ एक्शन लिया जाए। इस पर भारत सरकार ने पंजाब व हरियाणा के दोनों मुख्य सचिवों को एक चिट्ठी लिखी जिसको मैं पढ़कर सुना देता हूं। In this letter, it is mentioned—

> "I am directed to send herewith a letter dated 13-3-98 of Shri Vijay Kumar Arora, Advocate addressed to the Prime Minister and H.R.M. regarding depiction of women in a derogatory manner in advertisements appearing in Hindi daily-Punjab Kesri published from Jalandhar and Ambala. You are requested to take appropriate action in the matter under the indecent representation act under intimation to this department to enable us to apprise the position to Minister of Human resources Development."

अध्यक्ष महोदय, यह तो सिर्फ अखबार की शिकायत थी। कोई जनरल इंस्ट्रक्शंज केन्द्र सरकार की नहीं थीं।

श्री धर्मवीर : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन यह है कि हरियाणा व पंजाब के मुख्य सचिवों को यह पत्र लिखा गया था तथा केंद्र सरकार की इस पत्र में इंस्ट्रक्शंज थीं। What action you have taken against this ? This should also be informed to the Government of India that what action you have taken in this matter. This is very clear from this letter.

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, जो अखबार वाले छाप रहे हैं कानून के तहत उन के खिलाफ कोई एक्शन तो हो नहीं सकता है। हम क्या करें ? मैं इस बात को भी मानता हूं कि कोई (ओबसीन)फोटो इस तरह की छपनी नहीं चाहिए। यह बहुत ही खराब बात है। मैं तो खुद इसको पसंद नहीं करता हूं। लेकिन कोई कानून ऐसा नहीं है जिसके तहत उन को सजा दी जा सके।

Shri Dharambir : This is a letter which is addressed to the Chief Secretary to Government, Haryana. लेकिन मंत्रीजी ने तो खुद कह दिया कि पत्र इशू ही नहीं हुआ है।

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा

Mr. Speaker : Now, the general discussion on the Budget for the year 1998-99 will resume. मेरी हर माननीय सदस्य से प्रार्थना है कि हम ने बजट पर डिसकशन के लिए 10 घंटे का समय रखा है जिस में से हर सदस्य को 6 मिनट आते हैं। कल श्री ओम प्रकाश चौटाला 95 मिनट, श्री रमेश कुमार 13 मिनट, श्री रामपाल माजरा 18 मिनट, जो कि कुल 126 मिनट बनते हैं, बोल चुके हैं। कांग्रेस पार्टी से श्रीमती करतार देवी 29 मिनट, श्री धर्मवीर गाबा 19 मिनट, कैप्टन अजय सिंह 29 मिनट और श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला 12 मिनट बोल चुके हैं। कांग्रेस का कुल समय 72 मिनट बनता है और वे बोल चुके हैं 89 मिनट। हरियाणा लोकदल का समय बनता है 132 मिनट और अब तक वे 126 मिनट बोल चुके हैं। इसलिए मेरी आप सभी से प्रार्थना है कि अगर आप चाहते है कि कोई नया आदमी भी कुछ बोले तो आप थोड़ा सा संयम बरतें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे तो कह दिया कि मैं एक घंटा 35 मिनट बोल चुका हूं लेकिन क्या आपने वह समय भी मेरे खाते में जमा कर दिया है, जो इंट्रप्ट करने में वेस्ट हो गया था ? कम से कम आप थोड़ा लिबरल तो हो जाएं। हम भी आप की बात मान रहे हैं। (शोर) * * * * * *। इस में दिक्कत की कोई बात नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : अध्यक्ष महोदय, कल मैं अपनी बात पूरी नहीं कर सका था इसलिए कृपया आज मुझे बोलने का समय दीजिए।

वाक-आउट

श्री अध्यक्ष : मैंने कल बड़े स्पष्ट शब्दों में निवेदन किया था कि सुरजेवाला जी का टाईम अब खत्म हो गया है and his speech will be taken as concluded.

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir, I want to get some more time. (Noise & Interruptions).

---

*Expunged as ordered by the Chair

Haryana Vidhan Sabha Secretariat Chandigarh LIBRARY

Mr. Speaker : I request you to please take your seat. I am sorry you cannot get more time today.

Shri Randeep Singh Surjewala : Sir..

Mr. Speaker : I warn you. You please take your seat. (Noise & Interruptions) Please sit down, otherwise I will have to name you. (Noise)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, एज ए प्रोटस्ट मैं वाक आऊट करता हूं।

(इस समय श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला सदन से वाक आउट कर गए।)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे रिक्वेस्ट करूंगा कि कांग्रेस पार्टी वालों को कहें कि वे अपना नेता चुनें, जिसके जी में जो आ रहा है वह बोल रहा है।

श्रीमती करतार देवी : आपके सारे मंत्री क्यों खड़े हो जाते हैं जबकि आपके लीडर का चुनाव हो चुका है।

श्री अध्यक्ष : बहन जी, यह आपका मामला है, - we have no concern about it. (Noise & Interruptions).

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री धीरपाल (बादली) : चरण दास जी ने लिखा हुआ स्पीच हाउस के सामने पढ़ा। इस स्पीच को कई बार पढ़ने के बाद जो आंकड़े दर्शाए हैं उनमें व्यवहारिकता में काफी अन्तर पाया गया।

श्री अध्यक्ष : आपको बोलने के लिए 10 मिनट का समय दिया जाता है।

श्री धीरपाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करता हूं और मैं नहीं बोलता (शोर)

श्री अध्यक्षः आप बोलने के लिए कितना समय लेंगे।

श्री धीरपाल : मुझे 20 मिनट का समय दिया जाए।

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी, आपको 15 मिनट का समय दिया जाता है। (शोर)

श्री धीरपालः चरणदास जी, ने जो बजट स्पीच दिया है उसमें और व्यवहारिकता में काफी अन्तर पाया गया। उनकी मजबूरी रही होगी। जो सरकार का लेखा-जोखा है वह उन्होंने पढ़ा। अध्यक्ष महोदय, जब से वर्तमान सरकार बनी है, गोदारा साहब यहां बैठे हैं इन्होंने कल भी अपनी व्याख्या शब्दों द्वारा जाहिर की कि जो अपराध हो रहे हैं, सरकार की जिम्मेवारी नहीं है।हमारे बस की बात नहीं क्योंकि भाई की हत्या भाई कर देता है। मैं पूछना चाहता हूं कि सरकार की क्या जिम्मेदारी है ? सरकार अपनी किसी जिम्मेदारी को मान ही नहीं रही है। अपराध हो रहे हैं, चोरियां हो रही हैं, डकैतियां हो रही हैं और बलात्कार हो रहे हैं।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा) : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य इस तरह की बात कह कर हाउस को मिस गाइड कर रहे हैं। मैंने यह नहीं कहा था कि हमारी जिम्मेवारी नहीं है। मैंने यह कहा था कि ह्यूमन साइक्लोजिकल क्राइम हो रहे हैं।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब आप भी विरोधी पक्ष में बैठते थे और मैं भी विरोधी पक्ष में बैठता था। स्पीकर साहब, कल बहन करतार देवी ने बड़े निर्मम शब्दों में वर्तमान हालात के बारे में चर्चा की थी। पूर्व मुख्य मंत्री आज सदन में नहीं हैं आज मैं वर्तमान मुख्य मंत्री जी के सामने वह बात दोहराना चाहता हूं जो बात मैंने पिछले सैशन में कही थी। उस समय मैंने शंका जाहिर की थी कि मुख्य मंत्री जी, रोहतक जिले के साथ भेदभाव किया जा रहा है, उस जिले के साथ अनदेखी की जा रही है जिसके बहुत गम्भीर परिणाम होंगे। रोहतक जिले में अपराधिक प्रवृति बढ़ रही है शायद उसका कारण यही है कि वहां पर डी0सी० और एस०पी० या दूसरे अधिकारी जो कमजोर और दब्बू किस्म के थे उनको रोहतक में लगाया गया था वही हालत आज है उसी किस्म के अधिकारी आज वहां पर हैं। अध्यक्ष महोदय, इनकी अपनी पार्टी के रोहतक के एक नौजवान की यूनिवर्सिटी में हत्या हुई उसका नाम मैं यहां पर नहीं लेना चाहूंगा क्योंकि वे अपने आपको यहां डिफैंड नहीं कर सकते, क्योंकि वे इस संसार में नहीं हैं। उसके पीछे क्या राजनीति है, मैं उसकी चर्चा करना चाहता हूं। वहां पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष गए उनसे लोगों ने इन्साफ की गुहार की, उन्होंने लोगों को यह जवाब दिया कि आपने वोट बागड़ी को दिया और इन्साफ मेरे से मांग रहे हैं। जिन मां बाप का नौजवान बेटा संसार से गया हो उनको इस तरह का जवाब नहीं देना चाहिए। मरने वाले लोग हमारे हैं, किसी नेता का कोई बेटा नहीं मरता मरने वाले गरीब हैं। उसके बाद माननीय मंत्री सेठ सिरी किशन दास जी वहां पर गए, गुस्से में आए लोगों ने सेठ साहब से भी उसी इन्साफ की गुहार की, इन्होंने कहा कि देख लेंगे। इन्होंने डी०आई०जी० से जो एक छोटा सा टैलीफोन होता है उससे बात की लेकिन लोगों को कोई इन्साफ नहीं मिला। रोहतक और झज्जर जिलों का माहौल बहुत खराब बना हुआ है। बहादुरगढ़ में एक बाप बेटे ने फैक्ट्री लगानी चाही तो उन दोनों की हत्या कर दी गई, उसका परिणाम यह हुआ कि हमारे इलाके में लोग छोटी-छोटी फैक्ट्री भी नहीं लगा रहे हैं। इस तरह से हमारा इलाका उन सुविधाओं से महरूम हो गया है। स्पीकर साहब, मैं चाहे विधायक बनूं या न बनूं मुझे इस बात की चिन्ता नहीं है लेकिन मैं यह बात जरूर कहना चाहूंगा कि जो छोटे मोटे कारखानें बहादुरगढ़ में आ रहे थे या उसके आसपास आ रहे थे वह कारखाने आने वाले 10 साल तक नहीं लगेंगे। वहां का माहौल इतना खराब हो गया है। बहादुरगढ़ के इलाके का चारों तरफ से बहुत बुरा माहौल है इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। उस इलाके का जो बुरा माहौल बना हुआ है उसकी जिम्मेदारी वर्तमान सरकार की है। वहां पर वर्तमान में जो कुछ हुआ है उसकी जिम्मेदारी वर्तमान सरकार की है और उसका दायित्व वर्तमान सरकार पर है।

श्री मनी राम गोदारा : हम अपने दायित्व से इन्कार नहीं करते।

श्री धीरपाल सिंह : यदि वहां के लोगों को कोई इन्साफ नहीं मिला तो आप अपने दायित्व से इन्कार ही कर रहे हैं। बहादुरगढ़ में आपकी पार्टी के आदमी के बेटे का अपहरण हुआ उसके बाद उसकी हत्या हुई और उसकी जो पत्नी थी वह भी सुसाइड कर गई। मुंशी राम के बेटे की पत्नी की हत्या हुई। इस केस में क्या हुआ वह भी मैं बताता हूं। जो इस केस में जिम्मेवार थे बहादुरगढ़ के एस०एच०ओ० ने अपने पुलिस के ढंग से किसी तरह से उन बदमाशों को पकड़ लिया। इस पर डी०एस०पी० बहादुरगढ़ कहता है कि यह अच्छा काम नहीं किया। इनके हिसाब से तो अच्छा काम यह है कि हत्या होती रहे, बहू बेटियों का कत्ल होता रहे। उस एस०एच०ओ० को सस्पेंड किया गया कि मरडर करने वालों को क्यों गिरफ्तार किया गया। आप इस बारे में बेशक इन्कवारी करवा लो कि एस०एच०ओ० बहादुरगढ़ को क्यों सस्पेंड किया गया। इस एस०एच०ओ० की यही गलती थी कि उसने मुंशी राम के बेटे की पत्नी की हत्या के केस में जो दोषी थे उनको पकड़ लिया था। कल चौटाला साहब ने बोलते हुए बताया था

कि 65 लोगों की हत्याएं हुई हैं। मैं आपको बताना चाहूंगा कि बादली गांव के साथ इसापुर गांव है। वहां से गुड़गांव कैनाल गुजरती है। उसमें एक लड़की की लाश बरामद हुई। उसके गले में रस्सी बन्धी हुई थी। यह किसी को कुछ नहीं पता कि उसको किसने कैसे मारा। मेरा कहना यह है कि इस नहर में महीने में एक दो लावारिस लाश मिलती रहती हैं। इनकी कहीं रपट दर्ज होती है या नहीं, हत्या करने वाला कौन है, इसका कुछ नहीं पता। आज प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब हो चुकी है। कल बहन करतार देवी जी ने बोलते हुए सही कहा था कि आज हरियाणा के अन्दर कोई जिन्दा है तो वह भगवान की मेहरबानी से जिन्दा है, हरियाणा सरकार की लोगों पर कोई मेहरबानी नहीं है।

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, धीरपाल जी बहुत पुराने विधायक हैं। ये अच्छी तरह से जानते हैं कि सरकार की कार्यवाही कैसे हुआ करती है। (विघ्न एवं शोर)

श्री धीरपाल सिंह : हमारा नौजवान बिगड़ रहा है। आज झज्जर का एरिया अशांत है। आपका पलवल का एरिया शांत है। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी धीरपाल जी कानून व्यवस्था की बात कर रहे हैं। मैं बताना चाहूंगा कि इस बारे में हमारी सरकार चिन्तन में है। साथ ही मैं इनसे कहना चाहता हूं कि इनको एक बात याद रखनी चाहिए आज रोहतक जिले के साथ कोई भेदभाव नहीं हो रहा है क्योंकि ये रोहतक जिले के साथ भेदभाव करने का भी आरोप लगा रहे हैं। आज यह सरकार हरियाणा प्रदेश के किसी भी जिले के साथ कोई भेदभाव नहीं कर रही है। रोहतक की जितनी समस्याएं हैं उनको हम निपटाते हैं। मैं रोहतक ग्रिवेंसिज कमेटी में जाता हूं। मुझे वहां का पता है। पहले चौधरी धीरपाल जी भी जाते थे। अब तो इनका झज्जर जिला अलग हो गया है। मैं कहना चाहता हूं कि जब चौधरी देवी लाल जी इस प्रदेश के मुख्य मंत्री हुआ करते थे तो लोग यह कहते थे . . . -

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जो व्यक्ति इस सदन में अपने आपको डिफेन्ड नहीं कर सकता उसका ये कैसे नाम ले रहे हैं। मुझे हैरानी इस बात की है कि ये प्वायंट आफ आर्डर पर बोल रहे हैं या होम मिनिस्टर की तरफ से रिप्लाई दे रहे हैं। इन बातों का तो रिप्लाई होम मिनिस्टर की तरफ से आना है। आप इनको बैठाएं।

श्री मनी राम गोदारा : मैं आनरेबल मैम्बर्ज से प्रार्थना करूंगा कि इस ला एण्ड आर्डर की स्थिति को पोलिटीकलाईज न बनाएं।

श्री धीरपाल सिंह : आप मेरे बुजुर्गवार हैं। मैं इसको बिल्कुल पोलिटिकलाईज नहीं कर रहा, मैंने तो भजन लाल जी जब मुख्यमंत्री थे तब कहा था कि वहां पर ऐसा हो रहा है, रोकें। ये कहते हैं कि पहले यह होता रहा वह होता रहा। मैं यह मानकर चलता हूं कि वर्तमान समस्या की जिम्मेवारी वर्तमान सरकार की है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : ओम प्रकाश चौटाला जी आप मेरी परमिशन के बिना बोल रहे हैं। चेयर की परमिशन के बिना जो कुछ भी बोला गया है उसे रिकार्ड नहीं किया जाए। (विघ्न)

** चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री धीरपाल सिंह : गृह मन्त्री महोदय ने भावनाओं को दूसरे ढंग से पेश किया है। यह सब कुछ अब भी मेरे इलाके में हो रहा है। रोहतक में सोते हुए लोगों की हत्या हो जाती है। यह अपराध झज्जर में हुआ है। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मन्त्री महोदय के समधी के परिवार के लोगों के साथ गुड़गांव के रास्ते में डकैती हुई (विघ्न एवं शोर) मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार के वरिष्ठ लोगों के परिवारों के सदस्यों के साथ इस प्रकार के हादसे पेश आ रहे हैं तो फिर गरीब की क्या बिसात है और उसकी सुनवाई कहां होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय गृह मन्त्री जी से कहना चाहूंगा कि यह इनकी जिम्मेदारी है। अभी भी इनके लिए मौका है कि ये सम्भलें। झज्जर, बहादुरगढ़ आदि में वैस्टर्न उत्तर प्रदेश जैसे अपराध हो रहे हैं, नाजायज हथियार आ रहे हैं जिनसे आज हम को मारा जा रहा है। मरने वाले हमारे ही नागरिक हैं, हमारे ही साथी हैं, हमारे ही बेटे हैं। हमारे नौजवान लड़के गलत रास्ते पर जा रहे हैं, गृह मन्त्री महोदय को चाहिए कि उनको समय रहते सम्भालें। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये किस बात पर इन्टरवीन कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि अगर ये इन अपराधों पर चिन्तित हैं तो पहले ये अपने आप को कसूरवार मानें। इनके राज में जितने अपराध होते थे वह सब को मालूम है और अपराधी लोग इनके दबाव के कारण अपराध करते थे। इनके राज में सरकार की शरण में अपराधी अपराध किया करते थे। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह जी मेरे अजीज हैं और पढ़े लिखे आदमी हैं इस लिए इनको अपनी सीमा में रह कर ही बात कहनी चाहिए। हम अपनी जिम्मेदारी और कसूरबारी से भागते नहीं हैं लेकिन जो भी बात कही जाए वह सीमा के अन्दर रह कर ही कहनी चाहिए। अगर हम सीमा से बाहर जा कर कोई बात कहेंगे तो उसको लोग देख रहे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि अभी हालात इस से ज्यादा बदतर न हो जाएं इसलिए सरकार को सम्भालना चाहिए और निष्ठावान, कर्मठ और ईमानदार अधिकारियों को वहां पर नियुक्त करना चाहिए। अपराध करने वाला चाहे कितना ही बड़ा आदमी क्यों न हो, चाहें उसकी अप्रोच कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसको माफ नहीं किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विकास पार्टी के सदस्यों की हत्याएं हो रही हैं और अपराधी गिरफ्तार नहीं हो पाए तो फिर आम आदमी का क्या हाल होगा। इसलिए एक नागरिक के नाते, मैं रिक्वैस्ट कर रहा हूं माननीय गृह मन्त्री जी तथा मुख्य मन्त्री जी से, कि वे स्थिति को सम्भालें। इस बारे में मैं मुख्य मन्त्री जी से मिलने के लिए भी गया था क्योंकि वहां पर उस दिन लोगों ने बड़ी दर्दनाक बात कही थी। जो बर्दाश्त नहीं हुई। पार्टी आपकी थी, ममता हमारी थी, इलाका हमारा था और खून हमारा था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, उस वक्त धीरपाल वहां पर गया था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह ने यह साबित कर दिया कि ये देवेन्द्र सिंह की हत्या में शामिल हैं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जब महम में हत्याएं हुई, इनके राज में हुई और इनके मुख्य मंत्री और उनके परिवार के लोग गोलियां चला रहे थे, निर्दोष लोगों को मार रहे थे तो उस वक्त ये कहां थे। (शोर)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, महम के अन्दर जो बात हुई थी उस वक्त धीरपाल और सिरी कृष्ण हुड्डा उन परिवार के लोगों के पास गए थे। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यहां पर सड़कों के लिए लम्बी चौड़ी बात कही गई। वर्ल्ड बैंक से पैसा लेने की बात कही गई। नैशनल एक्सप्रैस हाई-वे की बात कही गई। (घंटी)

Mr. Speaker : Please conclude your speech. (Noise & Interruptions). When he does not want to conclude how can I make him to conclude (Noise).

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी कन्कलूड कर दिया और आपके तीन मिनट और बचा दिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, इनको बोलने दें।

Mr. Speaker : Please conclude your speech within three minutes. (Noise & interruptions).

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा सारा समय तो इन्टरवीन में चला गया है। अब आप कहते हैं कि तीन मिनट में कन्कलूड करें।

श्री अध्यक्ष : आप 11.10 पर बोलना शुरू हुए थे। अब आप समय देख लें।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, जुलाई 1997 में मुख्य मंत्री जी बादली होकर गए थे। वहां पर अढ़ाई-तीन फुट के खड्डे थे। वहां के लोगों ने उनका ध्यान उस तरफ खींचा था। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी के पास रिकार्ड आ गया होगा और उन्होंने इस बारे में बाल रिकार्ड देखकर कही होगी। अध्यक्ष महोदय, दो सड़कों की खस्ता हालत है और उस बारे में मंत्री जी ने आश्वासन भी दिया था तथा कल तो यह कह दिया कि वहां पर काम शुरू हो गया है, जबकि वहां पर कोई काम शुरू नहीं हुआ है। अध्यक्ष महोदय, हल्का बादली में बाढ़ के बाद सड़कों की इतनी बुरी हालत है कि पूछो न। अध्यक्ष महोदय, 775 करोड़ रुपए दारू के माध्यम से आए वे कहां पर चले गए। क्या उन पैसों में हमारा कोई हिस्सा नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इसलिए मैं चाहता हूं कि हमारे इलाके में जो सड़कें हैं उनका बहुत ही बुरा हाल हो गया है और उनका रख-रखाव ठीक ढंग से किया जाए। हमारा भी नई सड़कों में जरूर हिस्सा बनता है। अध्यक्ष महोदय, वर्ल्ड बैंक से सड़कों की इम्प्रूवमैंट के लिए पैसा मिला है। वर्तमान सरकार के समय वर्ल्ड बैंक से लोन लेकर काम करने की शुरुआत हुई थी। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि आज हर काम को करने के लिए चाहे वह नहर की सफाई की बात हो, सड़क की मुरम्मत की बात हो या चाहे बिजली के सुधारीकरण की बात हो या राम नाम की बात हो, हरियाणा प्रदेश में सब कामों को करने के लिए वर्ल्ड बैंक या अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की तरफ देखा जा रहा है जो कि अच्छी बात नहीं है। पहले ही कई हजार करोड़ रुपये इन संस्थाओं से आ गये हैं। स्पीकर सर, इसका एक साल में आठ सौ करोड़ रुपया तो करीब ब्याज का ही लगता है। पिछली सरकार ने भी इन संस्थाओं से कर्ज लिया था अब यह सरकार भी ले रही है और आगे जो भी सरकार आएगी वह भी कर्ज उनसे लेगी। यानि यह परिपाटी ऐसे ही चलती रहेगी लेकिन स्पीकर सर, इस पर रोक लगनी चाहिए। हथनीकुंड बैराज पर काम शुरु हुआ लेकिन वहां पर जब बाढ़ आई तो मशीनें बह गयी तथा और भी सामान बह गया। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए कौन जिम्मेदार है ? इस बारे में कोई कुछ नहीं कहना चाहता है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि सरकार को सड़कों की मरम्मत के लिए साधन जुटाने चाहिएं। इस बजट में विकास के काम की कोई स्कीम का जिक्र नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आपका इलाका भी हमारे इलाके से मिलता जुलता है। वहां पर पानी की बहुत भारी कमी है। न तो वहां पर जमीन के नीचे पानी है और न ही वहां पर जमीन के ऊपर पानी है। जबकि मुख्य मंत्री जी को बार-बार आंकड़े प्रस्तुत करवा दिए जाते हैं और वे कहते हैं कि 90 परसैंट नहरों की टेलों तक पानी पहुंच गया है। अध्यक्ष महोदय, वह कौन सी टेलें हैं जहां पर पानी पहुंच गया

[श्री धीरपाल सिंह]

है। आप चाहें तो इस बारे में एक हाउस की कमेटी बना लें कि वर्तमान सरकार के सवा दो साल के कार्यकाल में बादली हल्के की नहरों की टेलों पर पानी गया है या नहीं गया है। अगर वहां पर नहरों की टेलों पर पानी ही नहीं पहुंचता तो फिर पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट काम कैसे करेगा। जहां पर न तो जमीन के नीचे पानी है और न जमीन के ऊपर पानी पहुंच रहा है वहां के लोग आजादी की 50वीं वर्षगांठ कैसे मनाएं। वे लोग हरियाणा सरकार को और अधिकारियों को क्या कहेंगे ? लेकिन इनमें सुनने की हिम्मत होनी चाहिए। आज बड़े जोर शोर से आजादी की 50वीं वर्षगांठ मनायी जा रही है लेकिन इस आजादी की 50वीं वर्षगांठ पर उन लोगों को क्या मिला ? आजादी के 50 साल बाद भी उनको कुछ नहीं मिला है। अध्यक्ष महोदय, भाखड़ा कैनाल और नरवाना ब्रांच की सफाई के लिए केवल दो करोड़ रुपये ही रखे गए हैं जबकि हमारी सरकार के समय में इस काम के लिए 6 करोड़ रुपये दिए गए थे। अध्यक्ष महोदय, इस दो करोड़ की राशि मे भी हमें शंका जाहिर होती है क्योंकि पंजाब सरकार के पास यह अधिकार है कि वह यह काम करवाएगी। पंजाब सरकार इस पैसे को किसी दूसरे काम पर भी खर्च कर सकती है। इसलिए हमारा कहना यह है कि यह काम ठीक तरह से होना चाहिए, प्रोपर डिसिल्टिंग होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, बर्तमान सरकार के गठन के बाद चौधरी बंसी लाल जी ने जो आश्वासन दिए थे, उनको पूरा करना चाहिए। इन्होंने कहा था कि एस०वाई०एल० नहर केवल बंसी लाल ही बनवा सकता है। इन्होंने कहा था कि 50 सिपाही लेकर हम इसका निर्माण करवाएंगे। लेकिन इन सवा दो सालों में एस०वाई०एल० नहर पर कोई काम नहीं हुआ है। इस बजट स्पीच में हमारे पढ़े लिखे वित्त मंत्री चरण दास शोरेवाला जी ने यह कहा है कि "राज्य सरकार इस नहर को शीघ्र पूरा करवाने के लिए केन्द्र सरकार पर निरंतर दबाव डाल रही है" बाह साहब, बड़ी बड़ी मेहरबानी आपकी, क्योंकि आप दबाव डाल रहे हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेहरबानी तो इन लोगों की है। श्री प्रकाश सिंह बादल के साथ मिलकर इन्होंने और इनकी पार्टी ने पिछले कितने सालों से इस कैनाल का निर्माण नहीं होने दिया है। अगर इस कैनाल का अब तक निर्माण नहीं हो पा रहा है तो इसके लिए आप ही कसूरवार हैं, आपकी पार्टी कसूरवार है क्योंकि प्रकाश सिंह बादल देवीलाल जी के बड़े भाई जो हैं।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है कि हमारी सरकार के समय में इस नहर पर कितना काम हुआ था, कितनी मिट्टी निकाली गयी थी। यानी 95 परसैंट काम हमारे वक्त में ही हुआ था केवल पांच या छ: परसैंट काम इसका बाकी रह गया था वह भी आप पूरा नहीं करवा पाए हैं। बर्तमान सरकार के समय में कृषि की पैदावार में कमी आई है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आपने 11 बजकर 10 मिनट पर बोलना शुरु किया था। अब आप बैठ जाइए।

श्री धीरपाल सिंह : सर, आप मुझे सिर्फ दो मिनट का समय अपनी बात कहने के लिए दें।

श्री अध्यक्ष : आप शीघ्र कन्कलूड करें।

श्री धीरपाल सिंह : सर, मैं परिवहन के बारे में बताना चाहूंगा। मेरे सामने की बात है कि प्राइवेट आपरेटर बस अड्डे से सवारी भर कर ले जाते हैं रोहतक से पानीपत गाड़ी सवारी भरकर लाई। मैंने बुकिंग क्लर्क को कहा तो उसने कहा यह हमारा काम नहीं है। टैक्सों की चोरियां हो रही हैं। पिछले दिनों दिल्ली के मुख्य मंत्री श्री साहिब सिंह वर्मा ने गलत तरीके से चलने वाली रैड लाइन की बसों को और ओवरटेकिंग करने वाली बसों को बंद किया। अपने यहां बहादुरगढ़ से दिल्ली एक-एक मिनट में जीपें

सवारियां भरकर ले जाती हैं और ये जीपें 100 किलोमीटर की रफ्तार से चलती हैं, ऐक्सीडैंट हो रहे हैं, लोग मर रहे हैं लेकिन सरकार का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। (विघ्न) *******

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए। धीरपाल जी आप बैठ जाएं। अब निर्मल सिंह जी बोलेंगे।

श्री निर्मल सिंह (नग्गल) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर चर्चा के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। वर्ष 1998-99 के लिए सरकार ने सदन में जो बजट पेश किया है लोगों की जरूरतों को देखते हुए, उनकी सुविधाओं को देखते हुए बहुत ही अच्छी प्राथमिकताएं इसमें उन्होंने ली हैं। इलैक्ट्रिसिटी, इरीगेशन, रोड्ज, हैल्थ, एजूकेशन और भी कई महकमों में काफी प्रावधान बजट में बताया है। सरकार ने जो बजट पेश किया है वह सराहनीय है और सरकार इसके लिए बधाई की पात्र है। बिजली बहुत ही अहम मुद्दा है और बहुत जरूरत की चीज है। (विघ्न)

Mr. Speaker : No interruption please.

श्री निर्मल सिंह : एक वक्त ऐसा था जब हरियाणा में लोग करन्ट के डर से बिजली लेना नहीं चाहते थे। पहले थोड़ी सी बिजली से ही प्रदेश का काम चल जाया करता था, उस समय चौधरी बंसीलाल जी ने बिजली के मामले में सारे देश में हरियाणा का रिकार्ड बनाया था। हर गांव में बिजली पहुंचायी थी। हरियाणा सारे देश में पहला स्टेट बना जहां हर गांव में बिजली पहुंचाई गयी थी। इस बात का श्रेय चौधरी बंसी लाल जी को ही जाता है। क्योंकि जो भी काम जिस लीडर की लीडरशिप में होता है श्रेय उसके लीडर को ही जाता है। यह सब रिकार्ड की बातें हैं। चौधरी बंसी लाल जी अपने जवाब में बतायेंगे कि आने वाले डेढ़ वर्ष में वे किस प्रकार 24 घण्टे तक बिजली लोगों तक पहुंचायेंगे, क्योंकि जो भी बात चौधरी बंसीलाल जी कहते हैं उसका कोई मायना होता है। (इस समय उपाध्यक्ष जी पदासीन हुये)

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई के मामले पर कुछ बोलना चाहता हूं। सिंचाई विभाग ने टेल तक पानी पहुंचाया, खालों की सफाई करवाई, बाढ़ को रोकने के प्रबन्ध किए, इसके साथ ही रोड्ज की रिपेयर का प्रावधान किया है। हर गांव में रोड्ज को पहुंचाने का श्रेय भी चौधरी बंसी लाल जी को जाता है। अपोजीशन के भाईयों ने यह बात कही कि प्रदेश में रोड्ज की हालत अच्छी नहीं है यह सही बात है। परन्तु अब इस बजट में रोड्ज की रिपेयर के लिए 200 करोड़ रुपये का जो प्रावधान किया है उससे रोड्ज की हालत में काफी सुधार होगा और ऐसा सुधार किया जायेगा जिससे रोड्ज की रिपेयर लम्बे समय तक न करनी पड़े। यह बात सराहनीय है। इसके साथ ही उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा विभाग में टीचर्स की भर्ती करने, लड़कियों के स्कूल खोलने और उनको अपग्रेड करने का जो प्रावधान किया गया है वह भी सराहनीय है। इसके साथ ही हैल्थ विभाग में भी काफी सराहनीय काम हुआ है। इसके इलावा चौटाला साहब और बहन करतार देवी जी ने और दूसरे विपक्ष के भाईयों ने बजट का विरोध किया है। मैं उपाध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से उनसे अनुरोध करूंगा कि विपक्ष की भी कुछ जिम्मेवारी होती है कि अच्छे कामों में सरकार का सहयोग करें। आज वे प्रोहिबिशन, लॉ एण्ड आर्डर की बात करते हैं और इम्पलाईज की मांगों की बात करते हैं, इन सब बातों का आज जनता को पता है। आज कानून एवं व्यवस्था की समस्या नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, उस समय ग्रीन ब्रिगेड खड़ी थी तो उसकी भूमिका थी। (विघ्न) कुछ बातें तो ऐसी होती हैं कि जिनको लोग आहिस्ता-आहिस्ता भूल जाते हैं लेकिन कुछ बातें ऐसी होती हैं जिनको कभी भुलाया नहीं जा सकता है। एक कहावत भी है कि आवाजें खनक हैं कायम रहेंगी।

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री निर्मल सिंह]
आज भी महम कांड और ग्रीन ब्रिगेड को भुलाया नहीं जा सकता है। रिवासा कांड जो एक थानेदार की कहानी है, को भी भुलाया नहीं जा सकता है। जब महम कांड हुआ था तो सारे हिंदुस्तान में यह कहा गया था कि लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया है। (विघ्न) सतनाली कांड भी तुम्हारी वजह से ही हुआ था। उस कांड में भोले-भाले किसानों पर गोलियां चलवाई गई थी। उपाध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश चौटाला ने कहा कि बंसी लाल यूं ही अपने आप को प्रदेश का निर्माता कहते रहे हैं। यह तो आवाजें खनक हैं। बंसी लाल जी स्टेट के निर्माता हैं, ऐसा लोग कहते हैं, सारी दुनिया कहती है और श्री ओम प्रकाश चौटाला को काम बिगाड़ने वाला कहते हैं, यह भी सभी जानते हैं। (विघ्न) जब कोई यह बात उठाता है तो भाई दलाल को यह कह कर चुप कर दिया जाता है कि तू तो कीड़ा-मकोड़ा है। कितनी अशोभनीय और गैरजिम्मेदाराना बात ये कहते हैं ? सभी को यह कह देते हैं। वह साथी जो जमीन से उठकर आया है जिस ने किसी का कोई सहयोग नहीं लिया। जिसका राजनीति में कोई चाचा, ताऊ अथवा रिश्तेदार नहीं है, वह अपने ही बलबूते पर आज इस सरकार का वजीर है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर इनके ऊपर चौधरी देवी लाल का साया नहीं होता तो आज ये विधान सभा का मुंह भी नहीं देख सकते थे। लेकिन इन्होंने तो सारा बना बनाया काम ही बिगाड़ दिया। उनकी कुर्सी भी छीन ली। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वाएंट आफ आर्डर। मैं कई दफा सदन में इस बात की चर्चा कर चुका हूं कि जो व्यक्ति इस सदन का सदस्य नहीं है, वह अपने आप को डिफैंड करने के लिए यहां पर उपस्थित नहीं हो सकता है, इसलिए उस की बात यहां पर न की जाए। लगता है इन को तो फोबिया हो गया है। बार-बार ये चौधरी देवी लाल का नाम ले रहे हैं। यह कोई तरीका नहीं है। आप कृपया इनसे कहो कि ये बजट पर चर्चा करें और रैलेवन्ट बात ही करें। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वाएंट आफ आर्डर। चौधरी निर्मल सिंह जी ने श्री ओम प्रकाश चौटाला का जिक्र किया कि इन्होंने मुझे कीड़ा-मकोड़ा कहा है। हमारे देहात में एक कहावत है, जिसको सभी लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि बिटोड़े में से कंडे ही निकलेंगे। इसलिए मैं श्री ओम प्रकाश चौटाला की इस बात का बुरा नहीं मानता हूं। (शोर) मैंने इनको बिटोड़ा नहीं कहा है। (शोर)

श्री धीरपाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वाएंट आफ आर्डर। यह जो मर्जी आए कहते रहें (शोर) यह कोई अच्छी परम्परा नहीं है। इन्होंने तो इन के प्रति कहा है कि ये दो बार जीतकर आए हैं। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी सफाई के लिए थोड़े ही खड़ा हुआ हूं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है, कर्ण सिंह दलाल अपनी हैसियत बता रहे हैं मैंने इनको कीड़ा-मकौड़ा नहीं बताया बल्कि मैंने इनको मक्खी-मच्छर बताया है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : ओम प्रकाश चौटाला जी मुझे मक्खी-मच्छर बता रहे हैं जबकि मैं सड़क पर चलता हूं तो लोग सम्मान में झुकते हैं और कहते हैं कि किसान का बेटा जा रहा है। ये तो जब चलते हैं इनकी टांग कहां होती है और हाथ कहीं होता है। (हंसी व शोर)

श्री निर्मल सिंह : कर्ण सिंह दलाल हम सबसे एक फुट लम्बा चौड़ा है, वह कैसे मक्खी-मच्छर हो सकता है।

श्री धीरपाल सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, निर्मल सिंह जी कई बार यहां चुनकर आए हैं और दूसरे साथी की प्रशंसा कर रहे हैं, ये धन्य हैं। माननीय विरोधी पक्ष के नेता के बारे में वे ऐसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं जो उचित नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : तो क्या हम मक्खी मच्छर हैं। आप अपने नेता को समझाइए। 6 फुट का इन्सान क्या इनको मक्खी-मच्छर दिखाई देता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : कर्ण सिंह दलाल आपकी हैसियत क्या है, आपके क्या कारनामे हैं यह सबको पता है। आप चेयर से बात करो, मेरे से बात मत करो।

श्री कर्ण सिंह दलाल : आप अपने कारनामों को देखो। एक बार आपके पिता ने कह दिया कि ओम प्रकाश मेरा बेटा ही नहीं है। (हंसी एवं शोर)

श्री निर्मल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है कि सदन में जो भी बोले उसे आपके माध्यम से बोलने के लिए कहा जाए। चौटाला जी ने पहले कहा कि मैं मुख्य मंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा। सोचने या चाहने से कोई उस कुर्सी पर नहीं बैठता (शोर) जो अच्छे काम करता है लोग उसे ही मुख्य मंत्री की कुर्सी पर बैठाते हैं। इनके भाग्य में तो यह कुर्सी लिखी ही नहीं है तो कहां से मिलेगी। पिछले चुनावों में इनकी और भजन लाल की दोस्ती का खुलासा लोगों ने देखा।

श्री उपाध्यक्ष : निर्मल सिंह जी, आप बजट स्पीच पर ही बोलें। (शोर)

श्री निर्मल सिंह : पहले ये कहते थे कि कांशीराम को प्राइम मिनिस्टर बनाएंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : कांशीराम जो सदन के सदस्य ही नहीं हैं उनका नाम बार-बार क्यों लिया जा रहा है।

श्री उपाध्यक्ष : इन्होंने किसका नाम लिया?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : इन्होंने कांशीराम का नाम लिया, भजन लाल का नाम लिया जो कि इस सदन के सदस्य ही नहीं हैं।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : आप चौधरी देवी लाल जी का नाम क्यों लेते हो आप चौटाला साहब के पिता जी कह दिया करो। (हंसी)

श्री निर्मल सिंह : चौधरी देवी लाल जी ने तो बड़ा नाम कमाया था लेकिन ओम प्रकाश चौटाला ने उनको मिट्टी में मिला दिया। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी ने कभी भी जात-पात के नाम पर वोट नहीं मांगे। किसी नेता ने अजगर पार्टी बनाई, किसी नेता ने यह कहा कि बनियों को वोट देने का अधिकार नहीं है, पंजाबियों को लुटेरा बताया। किसी नेता ने यह कहा कि जाटों को रगड़ा लगा दो। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों ने कहा कि सिपाहियों की भर्ती में पैसा लिया जा रहा है। किसी भी पद की भर्ती के लिए पिछली सरकारों में पैसा लिया जाता था, लोग मधुबन में बैठ कर कहा करते थे भजन लाल 70 हजारी है और चौटाला साहब के बारे में कहते थे कि ये 30 हजारी हैं। पैसा तो आपके समय में लिया जाता था। चौधरी बंसी लाल जी के समय में जो पुलिस भर्ती हुई है वह मैरिट के आधार पर हुई है, यह पहली दफा हुआ है कि पुलिस की भर्ती मैरिट पर हुई है। आपके जमाने में तो रिश्ते ले कर नौकरी दी जाती थी। जात-पात का नाम ले कर नौकरी दी जाती थी। आपके जमाने में एरियाज को प्राथमिकता दी जाती थी। डिप्टी स्पीकर साहब, इनके राज में 2200 पटवारी भर्ती हुए

[श्री निर्मल सिंह]

थे उन 2200 पटवारियों में से केवल एक पटवारी अम्बाला जिले से लिया गया था। अब पुलिस की भर्ती हुई है उसमें अम्बाला जिले से कम से कम 100 कंडीडेट भर्ती होंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल जी ने अपने समय में एस०एस०एस० बोर्ड के माध्यम से विश्नोई जाति के सबसे ज्यादा लोग नौकरियों में भर्ती किए। उन्होंने राजस्थान से विश्नोई ला-ला कर एस०एस०एस० बोर्ड के द्वारा हरियाणा में नौकरियों पर लगाया।

श्री राम पाल माजरा : आप चौधरी भजन लाल जी की सरकार में मंत्री थे और उस समय आप उनकी प्रशंसा किया करते थे। (शोर)

श्री निर्मल सिंह : आज प्रान्त के नौजवानों को मैरिट के आधार पर नौकरियां दी जाती हैं। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : निर्मल सिंह जी आप अपनी बात तीन मिनट में समाप्त करें। (शोर)

श्री निर्मल सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने बीच में मुझे टोका है आप वह समय मेरे समय में से न काटें। (शोर)

श्री बलवंत सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने पुलिस की भर्ती मैरिट के आधार पर की गई बताई है। मैं आपके ध्यान में एक बात लाना चाहूंगा कि चौधरी कंवल सिंह और बहन कृष्णा गहलावत दोनों मंत्री सांपला गए थे। इन्होंने वहां पर अपनी स्पीच में कहा कि हमारे राज में पुलिस भर्ती हो रही है उसमें किसी से कोई पैसा नहीं लिया जाता है, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के राज में 30 हजार रुपए एक सिपाही से लिए जाते थे तो जनता ने उसी वक्त इनको यह जवाब दिया था कि आप झूठ बोल रहे हैं क्योंकि हम पुलिस भर्ती में डेढ़-डेढ़ लाख रुपया देने वाले यहां पर बैठे हैं। यदि मैं यह बात गलत कह रहा हूं तो आप वहां जा कर उन साथियों से यह बात पूछ सकते हैं। (शोर)

12.00 बजे **श्री मनी राम गोदारा :** मैं आनरेबल मैम्बर्ज को और हाउस को एक चीज का यकीन दिलाता हूं कि कोई किसी पर कुछ इल्जाम लगाये लेकिन पुलिस में जो भर्ती होगी वह मैरिट पर होगी। यह बात चौधरी बंसी लाल जी ने बड़े साफ शब्दों में कही है कि जो 1800 सिपाही लिए जाएंगे वे मैरिट के बेसिज पर लिए जाएंगे। यानी सारे हरियाणा के अन्दर जो भी भर्ती होगी वह मैरिट के आधार पर ही होगी। जो भी भर्ती होगी मैरिट पर होगी कोई तीस हजारी या सत्तर हजारी नहीं होगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, मैं गृह मंत्री की पूरी इज्जत करता हूं और इनका आदर करता हूं। मैं मंत्री जी से इस बात का आश्वासन चाहूंगा कि क्या जिन लोगों से पैसे लिए गए हैं उनको वापस दिलवाए जाएंगे। (विघ्न)

श्री मनी राम गोदारा : पुलिस भर्ती के अन्दर पैसे लेने का सवाल ही नहीं होता। किसी ने ठग्गी की है तो अगर वह मामला नोटिस में लाया जायेगा तो ठग्गी का मामला रजिस्टर करके हम उस पर कार्यवाही करेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : क्या कोई यह एफिडेविट दे दे कि मेरे से फलां आदमी ने पैसे पुलिस भर्ती के लिए हैं, तो उस पर कार्यवाही होगी ?

श्री मनी राम गोदारा : और कैसे कार्यवाही होगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हमारा कहना यह है कि यदि कोई एफिडेविट देता है तो क्या उस पर कार्यवाही होगी और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा ?

श्री मनी राम गोदारा : जो कोई भी ठग्गी करेगा, और उसके बारे में कोई एफिडेविट देगा तो उसकी इन्क्वायरी होगी और उस पर कार्यवाही होगी। (शोर एवं विघ्न)

श्री दिलू राम : मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जो बच्चे मैरिट में आए हैं क्या उन सभी को लिया जायेगा। (शोर एवं विघ्न)

श्री निर्मल सिंह : यहां पर फार्मरज के सुसाईड की और दूसरी आत्महत्याओं की बात कही गई। (विघ्न) इस प्रकार की कुछ न कुछ घटनाएं समय समय पर होती रहती हैं चाहे वह कोई भी सरकार हो, उसके समय में घटती रहती हैं। ये कभी थमती नहीं। बहन करतार देवी जी ने बोलते हुए बड़े मार्मिक शब्दों में कहा था कि माइनर लड़कियों का रेप हुआ। यह बड़ी दुखद बात है। इस प्रकार की कार्यवाही कोई पागल आदमी ही कर सकता है। जो दिमागी तौर पर ठीक नहीं होता वही ऐसी बदतमीजी कर सकता है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहूंगा कि हरियाणा प्रदेश में इससे पहले भी कई प्रकार के अपराध हुए हैं और होते रहे हैं, सुशीला काण्ड हुआ, रेणुका का मर्डर हुआ (विघ्न) रेप के केसिज़ हुए, द्रोपदी काण्ड हुआ यह सब काम किसी एक आदमी के नहीं हैं। समाज में हीनियस प्रवृत्ति के कुछ लोग होते हैं वे ही इस प्रकार के काम सोच-समझ कर करते हैं। मैक्सिमम लड़कियों के साथ जो रेप होते हैं और उनके कत्ल हो जाते हैं वे पिछली सरकार के समय भी होते रहे हैं यह कोई नई चीज़ नहीं है। पिछली सरकार के वक्त में बहन करतार देवी जी मन्त्री थी कल इन्होंने बोलते हुए बहुत ही भावुक ढंग से बलात्कार और हत्याओं के मामलों को उजागर किया। बहन जी उस वक्त मिनिस्टर थी लेकिन उन्होंने उस वक्त कभी भी इस प्रकार की बातों को नहीं उठाया। इनको इस बात का अच्छी तरह से पता है कि इस प्रकार के जो काम होते हैं उनमें कई प्रकार के दबाव काम करते हैं और हर केस को सरकार दबाने की कोशिश करती रहती है। कोई कत्ल छिपा हुआ नहीं रह सकता है जब सरकार उसको उजागर करना चाहे तो एक छोटा सा थानेदार सारे केस की तहकीकात करके बता सकता है और अपराधी का पता लगा सकता है लेकिन हर सरकार इस प्रकार के केसों में कोताही बरतती है और सरकार बाद में क्या करती है कि मामला सी०बी०आई० को रैफर कर देती है। उपाध्यक्ष महोदय, सी०बी०आई० क्या है, वह तो राज्य सरकार की पुलिस से भी ज्यादा दबाव में रहती है और वह किसी भी केस में कुछ नहीं कर सकती है। अगर हम अपने थानेदार को भी पूरी छूट दे दें तो वह सारे केस में कातिल को हवालात तक पहुंचा सकता है लेकिन पोलिटिकली उसको दबा दिया जाता है उसको फिश आउट कर दिया जाता है। इस प्रकार के कत्ल और अपराध हरियाणा की जनता के मन पर एक भारी बोझ बने हुए हैं। बहन जी भी इन सारी बातों को जानती हैं कि कैसे कत्ल होते हैं और सारी दुनिया को भी इस का पता रहता है कि कहां और कैसे कोई कत्ल या रेप हुआ और कैसे उसको बल आउट किया जाता है जब ये मन्त्री थीं, उस वक्त इन्होंने कभी इस मुद्दे को नहीं उठाया।

श्री उपाध्यक्ष : निर्मल सिंह जी, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है और स्पीकर साहब आपके लिए केवल 15 मिनट का समय लिख कर गए थे लेकिन आप अब तक 20 मिनट बोल चुके हैं इसलिए अब आप वाईंडअप कीजिए।

श्री निर्मल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे बीच-बीच में टोक कर ये लोग मेरा टाईम खराब करते रहे हैं इसलिए मुझे थोड़ा सा और समय दीजिए। (विघ्न)

श्रीमती करतार देवी : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरे भाई ने मेरा नाम लेकर बात कही है इसलिए मैं अपनी बात स्पष्ट करना चाहूंगी। मेरे भाई भी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं चाहे मैं मन्त्री हूं या नहीं हूं अब भी कोई ऐसी घटना हुई है तो मैंने उसको कभी भी सही नहीं कहा। मैंने कभी भी अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया है। इनको याद होगा कि मैंने अन्याय को सपोर्ट कभी नहीं किया और जब ये जेल में थे तब इनसे जेल में मिलने भी गई थी। चाहे कोई भी व्यक्ति विशेष हो, मैं किसी का नाम नहीं ले रही हूं, अगर ध्यान से देखा जाए तो कल जो मैंने कहा था वह यह कहा था कि यह समाज में जो विकृति पनप रही है उसकी रोकथाम करने के बारे में जरूर गम्भीरता से विचार करना चाहिए। हर बार यह कहा जाता है कि वह सरकार थी तो यह हुआ और फलां सरकार में यह हुआ है इस बात को इस ढंग से नहीं लेना चाहिए और इस प्रवृत्ति के जो लोग हैं उनको सख्ती से दबाने बारे गम्भीर हो कर कार्यवाही करनी चाहिए। (विघ्न)

श्री निर्मल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, शराबबन्दी के बारे में कहा गया कि सरकार ने पहले इसे लागू किया और फिर इसको वापिस ले लिया। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी अपने वायदे से पीछे नहीं हटे हैं। यह प्वायंट उनके मैनिफैस्टो में शामिल था और सरकार बनने के बाद उन्होंने इस शराब बन्दी को लागू करके अपना वायदा निभाया परन्तु जब यह चल नहीं पाई तो उन्होंने इसको वापिस ले लिया।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं फार्मर्ज की आत्महत्या के बारे में कहना चाहूंगा कि हरियाणा का किसान इतना कमजोर नहीं है कि वह आत्महत्या कर ले। अभी एक बात आई थी कि दो किसानों ने आत्महत्या कर ली। उपाध्यक्ष महोदय, उनकी आत्महत्याओं के और कोई कारण होंगे। वे आत्महत्या उन गोलियों से कर लेते हैं जो हम खेती-बाड़ी के लिए प्रयोग करते हैं। एक बात इन्होंने इम्पलाईज के बारे में कह दी तो मैं इनको यह कहना चाहता हूं कि इम्पलाईज की भी ड्यूटिज होती हैं वे एकदम सब काम छोड़ कर बैठ जाते हैं आज नर्सिज हड़ताल पर हैं क्या उनकी नैतिकता के आधार पर कोई ड्यूटी नहीं है ? उनको यह पता होना चाहिए कि उनके पीछे से कितने लोग मुश्किल में होंगे, कितनी उनको प्रोब्लम आ रही होगी ? बस अपनी मांगों के लिए हड़ताल पर चले गए। इम्पलाईज को भी कुछ सोचना चाहिए। आज ये हड़तालें राजनैतिक भी हो गई हैं। हर पार्टी इम्पलाईज के बारे में बयान देने लग जाती है। आज इम्पलाईज को भी अपनी जिम्मेवारी के बारे में सोचना चाहिए। (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, मैं टैक्सिज के बारे में भी कहना चाहूंगा कि कोई भी नया टैक्स बजट में नहीं आया है। जब भी कोई टैक्स लगता है उस बारे में पता चल जाता है। आप चाहें तो रिकार्ड उठा कर देख लें। उसी के साथ मैं लोन्ज के बारे में भी कहना चाहता हूं कि लोन विश्वास वाले आदमी को मिलता है चौधरी बंसी लाल जी ने विश्वास दिखाया है तो ही लोन मिला है। आज बिजली की जरूरत है। इस सरकार ने उस जरूरत को फौरी तौर पर पूरा करने के लिए वर्ल्ड बैंक से लोन लिया है जो कि बहुत ही जरूरी था और यह इस सरकार का बहुत ही सराहनीय कदम है। (इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए।)

श्री चन्द्र मोहन (कालका) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। यह जो बजट वित्त मन्त्री महोदय द्वारा प्रस्तुत किया गया है मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, जब मैंने इस बजट को पढ़ा तो मुझे ऐसी फीलिंग हुई कि वित्त मन्त्री जी ने किसी दबाव में अपनी आत्मा पर पत्थर रखकर यहां पर यह बजट प्रस्तुत किया

है। यह बजट जन विरोधी, किसान विरोधी, व्यापारी विरोधी है और इसमें कर्मचारियों के हितों का ध्यान में नहीं रखा गया है ऐसा बजट आज तक नहीं आया है। इस बजट में आंकड़ों को इधर उधर करके लोकतन्त्र का मजाक किया गया है। इसमें किसानों, व्यापारियों और कर्मचारियों में से किसी को भी रिलीफ नहीं दिया गया है। व्यापारी यह उम्मीद कर रहे थे कि जब बजट आएगा तो उनको कुछ रिलीफ मिलेगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ है। रिलीफ की बात तो दूर रही इन्होंने व्यापारियों पर डण्डे चलाए हैं जो कि बहुत ही निन्दनीय बात है। मैं इसका भी विरोध करता हूं। आज हरियाणा की जनता इस सरकार से ऊब चुकी है। हरियाणा की जनता ने बाई इलैक्शन में इनको अभी थोड़ा सा ट्रेलर दिखाया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अभी पिछले दिनों हुए इलैक्शनों में इन्होंने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया है और वहां पर डण्डे चलवाए हैं। (विघ्न)

श्री मनीराम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, मैम्बर की मेडन-स्पीच है इसलिए मेडन-स्पीच में किसी दूसरे मैम्बर को दखल नहीं देना चाहिए । (विघ्न)

श्री चन्द्रमोहन : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे एक प्रार्थना है कि मेरे से आगे जो सांगवान जी बैठे हैं इनको किसी चिड़ियाघर में भेज दो ताकि यहां पर दूसरे मैम्बर अपनी बात ठीक से कह सकें और इनका शौक भी पूरा हो जाए। इनकी उम्र तो काफी हो गयी लेकिन इनको तजुर्बा बिल्कुल नहीं हुआ है। (विघ्न)

Mr. Speaker : I would request all the members not to interrupt the maiden speech of Shri Chander Mohan.

श्री चन्द्र मोहन : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यही कह रहा था कि आदमपुर उप चुनाव में मौजूदा सरकार ने अपने पूरे हथकंडे अपना लिए लेकिन इनको वहां सफलता नहीं मिली। मैं आपसे यही गुजारिश करूंगा कि वहां पर उस समय बहुत सारे मंत्रियों की फौज गई थी और वहां पर ये लोग ऐसे घूम रहे थे जैसे दफ्तर में चपरासी घूमता है। अध्यक्ष महोदय, ये वहां पर उस दौरान जो बड़े बड़े वायदे जनता से करके आये थे, वह उनको पूरे करने चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, उस दौरान इन्होंने हिसार जिले की जेल से पैरोल पर कैदी छोड़े थे ताकि इलैक्शन में वे गड़बड़ी कर सकें। सर, इससे ज्यादा निंदनीय बात और क्या होगी ? यह बहुत ही शर्मनाक बात है। सरकार ऐजुकेशन के बारे में भी बड़ी बड़ी बातें करती है। शिक्षा मंत्री हैं तो लैक्चरार, लेकिन लिखते हैं प्रोफैसर। खैर, उनकी मर्जी है ये लिख सकते हैं। लेकिन मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने अब तक कितने आई०टी०आई० और कितने पोलिटैक्निक संस्थान खोले हैं और अब तक इन दो सालों में कितने अध्यापकों की भर्ती की है ? अध्यक्ष महोदय, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी, हिसार का नाम बहुत ही ऊंचा होने वाला था और वह एक टैक्नीकल यूनिवर्सिटी बन गयी थी लेकिन इन्होंने पिछले दो सालों में उसका कद घटाते-घटाते इतना छोटा कर दिया कि वह केवल एक रैजीडैंशियल यूनिवर्सिटी ही बनकर रह गयी है। अब इनका अगला स्टैप यह होगा कि ये उस यूनिवर्सिटी के कर्मचारी भी हटा देंगे और कह देंगे कि हमें उनकी जरूरत नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हिसार जिले की जनता इस बात से बहुत नाराज है। या तो ये इस बारे में सोचें वरना वहां की जनता इनको खुद सोचने के लिए मजबूर कर देगी। अध्यक्ष महोदय, आपने खुद भी सारे हरियाणा प्रदेश में देखा होगा कि सड़कों की आज क्या हालत है ? सड़कों की हालत आज किसी से छिपी हुई नहीं है। यह बात ठीक है कि जब मंत्री और मुख्य मंत्री कहीं पर जाते हैं तो वहां पर सड़कों पर कुछ पैच वर्क कर दिया जाता है। ये तो यही सोचते हैं कि सड़कों पर पूरे हरियाणा में पैसा लगाया जा रहा है लेकिन ऐसा होता नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आप चाहें तो इस बारे में सदन की एक समिति बना सकते हैं जो यह देखे कि वाकई

[श्री चन्द्र मोहन]
सड़कों पर पैसा लगा है या नहीं ? जहां तक बिजली की बात है ये वर्ल्ड बैंक से 2400 करोड़ रुपया लेने की बात करते हैं जबकि हकीकत यह है कि इनको केवल 240 करोड़ रुपया ही मिला है। अगर यह मान भी लें कि इनको इतना पैसा मिलेगा तो अध्यक्ष महोदय, इसका ब्याज ही करीब 350 करोड़ रुपये सरकार को देना पड़ेगा। इतना पैसा हरियाणा की जनता कहां से लाएगी ? जिस 2400 करोड़ रुपये की ये बात कर रहे हैं अगर वह मिल भी जाए तो भी ये उससे बिजली जनरेट करने के लिए कुछ नहीं करेंगे बल्कि ये सिर्फ ट्रांस्फार्मर्ज और लाईनिंग ही चेंज करेंगे। अध्यक्ष महोदय, परमाणु विस्फोट के बाद हमें आशंका है कि सरकार को यह पैसा वर्ल्ड बैंक से मिलेगा भी या नहीं ? अध्यक्ष महोदय, जहां तक ला एंड आर्डर की बात है उसके बारे में मैं नहीं कहूंगा क्योंकि मेरे से पहले बोलने वाले साथी ही इस बारे में काफी कह चुके हैं। अब मैं इस बारे में कहकर सदन का समय खराब नहीं करना चाहता। सर, बजट स्पीच में लिखा है कि अपनी बेटी अपना धन स्कीम जारी रखी जाएगी। मुझे लगता है कि इनकी कोई मजबूरी है तब ही इन्होंने इसको जारी रखने के बारे में कहा है वरना तो इनका इंट्रेस्ट इसको जारी रखने में नहीं है। ये डिवैल्पमैंट की क्या बात करेंगे ? अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के शासनकाल में एम०एल०एज० डिवैल्पमैंट स्कीम हुआ करती थी लेकिन इन्होंने वह भी बंद कर दी। अब तो इनके पास फंडज होंगे फिर इस स्कीम को ये क्यों लागू नहीं कर रहे हैं लेकिन बजट में इसका कोई जिक्र नहीं है।

श्री अध्यक्ष : यह जो एम०एल०एज० को अपने हल्के में विकास के लिए दिया जाने वाला डिवैल्पमैंट फंड था यह कौन से ईयर में शुरु हुआ था और कितना मिला, यह आप बता सकते हैं ?

श्री चन्द्र मोहन : स्पीकर सर, यह तो आपको ज्यादा पता होगा। आप भी तो हमारे साथ मैंबर थे।

श्री अध्यक्ष : मैं तो अपनी बात कह सकता हूं कि हमारे जिले को कोई नहीं मिला।

श्री चन्द्र मोहन : आपने लिया नहीं होगा। यह अलग बात है। (विघ्न) स्पीकर सर, कांग्रेस के शासन काल में मेरे हल्के में ट्यूबवैल लगाए गए थे लेकिन उनको आज तक बिजली नहीं दी गई, इस पर सरकार जरूर गौर करेगी, ऐसी मुझे उम्मीद है हालांकि मेरे हल्के की समस्याएं तो और भी बहुत हैं लेकिन मुझे लगता है कि यहां कहने का कोई फायदा नहीं है। मैं तो इतना ही कहना चाहूंगा कि एच०वी०पी० से तो पहले 6 महीनों में ही जनता विश्वास खो चुकी थी, अब जनता कहने लगी है कि लगता है बी०जे०पी० का काम भी निकल गया। इन्हीं शब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी) : अध्यक्ष महोदय, सदन में जो वर्ष 1998-99 के बजट अनुमान प्रस्तुत किए गए हैं उस पर आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं और साथ ही माननीय वित्त मंत्री श्री चरण दास शोरवाला को वर्ष 1998-99 का कर रहित एवं विकासोन्मुख बजट पेश करने के लिए मुबारकबाद देता हूं। यह मुबारकबाद मैं इसलिए भी देना चाहता हूं कि आज के मंहगाई के दौर में जबकि आलू, प्याज, टमाटर व अन्य दैनिक आवश्यकता की वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गई हैं ऐसे में यह कर रहित बजट आहत जनता की भावनाओं पर मरहम का काम करेगा। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी को एक सुझाव भी देना चाहता हूं। यह ठीक है कि राजस्व प्राप्ति के लिए उन्होंने काफी कड़े कदम उठाने की बात कही है। पिछले साल 1996-97 और 1997-98 की राजस्व प्राप्तियों को अधिक करने के लिए वित्त

मंत्री जी ने अनेक उपाय किए हैं। लेकिन, अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि we should develop a positive way of thinking. जहां हम कर न देने वालों को सजा देते हैं तथा गलत काम करने वालों को सजा देते हैं वहीं हमें कर देने वालों को और ठीक काम करने वालों को प्रोत्साहित करना चाहिये। मैं कहना चाहता हूं कि हमें ऐसी योजना बनानी चाहिये कि हर जिले में जो-जो व्यक्ति अच्छा करदाता है और समय पर कर देता है उसको प्रोत्साहित किया जाना चाहिये ताकि समाज में उसे एक उचित सम्मान और स्थान मिल सके। हर डी०ई०टी०सी० को यह निर्देश जारी करने चाहिएं कि जो अच्छे करदाता हैं उनको ईनाम देना चाहिये ताकि पोजीटिव थिंकिंग डिवैल्प हो सके। अगर कर देने की अच्छी भावना पनपेगी तो प्रदेश में कर चोरियां नहीं होंगी और प्रदेश का राजस्व बढ़ेगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने एक विकासोन्मुखी बजट प्रस्तुत किया है और प्लान आउटले में 2260 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह पिछले साल के प्लान आउटले से 61 प्रतिशत अधिक है और मैं समझता हूं कि सरकार ने बजट प्रस्तुत करते समय उन तमाम बातों को ध्यान में रखा है जो प्रदेश के विकास के लिए अति आवश्यक होती हैं। विपक्ष के नेता हालांकि इस समय सदन में मौजूद नहीं हैं। उन्होंने इस बजट पर संशय व्यक्त किया है, एक डाउट क्रिएट किया है कि जो 2260 करोड़ रुपया प्लान आउटले में रखा है, वह शायद पूरा नहीं होगा। मेरे ख्याल से विपक्ष के नेता को तो इस बजट की सराहना करनी चाहिये थी क्योंकि पहली बार 61 प्रतिशत का प्लान आउटले बढ़ गया है यानि ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि विकास की गति बहुत तेज गति से बढ़ने वाली है। पिछले वर्ष 1400 करोड़ रुपया प्लान आउटले में रखा गया था जबकि इस साल 2260 करोड़ रुपया रखा गया है। इससे मैं समझता हूं कि हमारे विपक्ष के नेता को संशय की आदत हो गयी है। मैं यह मानता हूं कि नैगेटिव थिंकिंग को वे नहीं अपनानी चाहिये। चौटाला साहब मेरे से उम्र में, राजनीति में तथा अनुभव में काफी बड़े हैं लेकिन मैं उनको एक सुझाव देना चाहता हूं कि विपक्ष में होकर हर चीज का विरोध नहीं करना चाहिये। विपक्ष में रहकर उल्टा नहीं चलना चाहिये अगर कोई ठीक बात की जा रही है और प्रदेश के हित में है तो उसके बारे में ठीक ढंग से सोचना चाहिये और उसका विरोध नहीं करना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, मैं एक कहानी सुनाना चाहता हूँ—एक साधू था वह काफी दिन बाद अपने एक शिष्य से मिलने गया और देखने गया कि उसका शिष्य क्या कर रहा है। उस साधू ने अपने शिष्य को त्यागी और संयमी होने का ज्ञान दिया था। उस साधू ने खिड़की में से देखा कि उसका शिष्य खाली कटोरी में रोटी रगड़-रगड़ कर खा रहा था और मुंह को ऐसे कर रहा था कि जैसे बड़ी मिर्चें लग रही हों। उस साधू ने अन्दर जाकर उस शिष्य से पूछा कि तुम तो खाली कटोरी के साथ रोटी रगड़ कर खा रहे हो तो मिर्च कहां लग रही है। तो शिष्य ने साधू को जवाब दिया गुरूजी, आपने ही तो त्याग और संयम की बात बतायी है आज भिक्षा में कोई भी भोजन नहीं मिला। मैं तो कल्पना कर रहा था कि मैं मिर्च की सब्जी के साथ रोटी खा रहा हूं। मैं तो यह बात अनुभव कर रहा था। तब साधू ने कहा कि कल्पना ही करनी थी तो मिर्च वाली सब्जी की क्यों की खीर और हल्वे की कल्पना करनी चाहिये थी। मेरा मतलब यह है कि विपक्ष के नेता को हर बात का विरोध नहीं करना चाहिये। He should develop a positive way of thinking. उनको इस बात की सराहना करनी चाहिये थी कि प्रदेश के वित्त मंत्री ने पहली बार 61 प्रतिशत अधिक प्लान आउटले यानि 2260 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी भी प्रदेश के विकास की कहानी लिखी जाए तो वह बड़ी सीधी सी है। इसके लिए कोई लम्बे-चौड़े भाषण की आवश्यकता नहीं है। वह है—तारों में बिजली और नहरों में पानी। यह किसी भी प्रदेश के विकास की कहानी है। थोड़े संक्षिप्त शब्दों में यह बात कही जा सकती है। (विघ्न) भिन्न-भिन्न मदों में 2260 करोड़ रुपए के बजट का विभाजन करते समय वित्त मंत्री महोदय और इस मौजूदा सरकार ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया है कि प्रदेश में प्रगति का पहिया

[श्री अनिल विज]
तेजी के साथ घूमें। इसलिए 505 करोड़ रुपए का प्रावधान बिजली के लिए किया गया है। अध्यक्ष महोदय, हम सब जानते हैं कि जब से यह सरकार बनी है तब से इस सरकार का सबसे अधिक इंफैसिस बिजली के सुधार के लिए रहा है। बिजली की हालत हमारे प्रदेश में सुधर जाए तो बहुत अच्छा होगा क्योंकि हमारा प्रदेश सारे देश में वैल-लोकेटिड व वैल-सिचुएटिड है। इस राज्य में जी०टी० रोड, रेलवे लाईन, मेहनतकश मजदूर सब कुछ हैं लेकिन बिजली की हालत काफी लम्बे समय से खराब है और पिछली सरकारों ने इस की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया है। अगर इस प्रदेश में बिजली की हालत सुधर जाए तो यह प्रदेश सारे देश में अग्रणी हो सकता है। मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी के जहन में यह बात उतरी हुई है और वे बड़ी तवज्जो से बिजली के सुधारीकरण के लिए तत्पर हैं। हम जब भी उन से मिलते हैं तो हमें आभास होता है कि मुख्य मंत्री जी अपनी सारी शक्ति बिजली के सुधार पर लगा रहे हैं। इसलिए उन्होंने वर्ल्ड बैंक से 16-1-98 को एक इकरार किया है जिसके तहत हमें बिजली के सुधार के लिए, ट्रांसमिशन के लिए, अधिक सब-स्टेशन लगाने के लिए 60 मिलियन यू०एस० डालर मिल चुके हैं। (विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के मित्रों को बी०जे०पी० से अलर्जी है, पोखरण से अलर्जी है, राम से अलर्जी है व सीता से अलर्जी है, इत्यादि। इन को तो तकलीफ ही तकलीफ है। कांग्रेस ने पिछले 50 सालों में प्रदेश की आबवायु को इतना प्रदूषित कर दिया है कि कांग्रेस घास को अगर डंगर-ढोर खा लें तो नुकसानदायक या कोई व्यक्ति हाथ लगा ले तो उसको खारिश हो जाती है। (हंसी)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि मुख्य मंत्री महोदय व इस मौजूदा सरकार ने अपनी पूरी शक्ति बिजली की हालत को सुधारने के लिए लगा रखी है और इसीलिए इन्होंने वर्ल्ड बैंक से इकरार किया है हालांकि लोन लेना कोई अच्छी बात नहीं है लेकिन बिजली बोर्ड के जो हालात आज हैं अगर उनका अवलोकन करें तो बिजली की हालत सुधारने के लिए लोन लेने के सिवा दूसरा कोई चारा नहीं है। बिजली की हालत सुधारने के लिए धन चाहिए इसलिए वह धन कहीं न कहीं से तो आएगा। जो हालत आज बिजली बोर्ड की है वह सबके सामने है। लोन की 240 करोड़ रुपए की पहली किश्त सरकार को मिल चुकी है।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। श्री अनिल विज जी ने कहा कि सरकार ने 240 करोड़ रुपए का ऋण लिया है जबकि पूरे ऋण का प्रावधान 2400 करोड़ रुपए का है। क्या वे सदन को बताएंगे कि क्या ये सच नहीं है कि वह ऋण $14^1/_2$ प्रतिशत की दर से लिया जा रहा है जिसकी ब्याज की दर 350 करोड़ रुपए सालाना आएगी ? हरियाणा की गरीब जनता पर क्या यह ऋण का बोझ नहीं डाला जा रहा है ?

श्री अध्यक्ष : सुरजेवाला जी, आप बैठ जाइए। (शोर)

श्री अनिल विज : उस लोन के ऐग्रीमैंट के तहत प्रदेश सरकार ने उसमें 689 करोड़ रुपए तो सारे विकास के कार्यों में अपनी ओर से लगाने हैं। 325 करोड़ रुपए का प्रावधान कैपिटल इक्विटी के लिए बजट में रखा गया है। मैं समझता हूं कि यह इस बात की ओर इशारा करता है कि सरकार इस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी पूरी तवज्जो लगा रही है। वर्ल्ड बैंक के इस लोन में से 180 करोड़ रुपए रिस्ट्रक्चरिंग के लिए रखने का प्रावधान है जिसके लिए हमें पूरे ढांचे को रिस्ट्रक्चर करना है जैसे नई ट्रांसमिशन लाइनें लगानी हैं सब-स्टेशन लगाने हैं इसके लिए कुल 505 करोड़ रुपए का प्रावधान जो

प्लान आउट-ले का 22.3 प्रतिशत इस बजट में रखा गया है। बिजली की हालत सुधारने के लिए अनेकों सफल प्रयास किए जा रहे हैं। हमारे नगर में पिछले दिनों 33 के०वी०ए० का सब-स्टेशन लगाया गया है जिसके लिए मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूं। लेकिन उसके साथ-साथ मैं अपने इलाके की इस बात की ओर भी सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि 33 के०वी०ए० का सब-स्टेशन लगाने के बाद भी हमारे नगर की बिजली की हालत पूरी तरह से नहीं सुधर सकती जब तक कि तेपला में 220 के०वी०ए० का सब स्टेशन लगाने के काम की ओर शीघ्र कदम नहीं उठाते क्योंकि मौजूदा तौर पर अम्बाला नगर को जो बिजली 220 के०वी०ए० के सब-स्टेशन धूलकोट से प्राप्त हो रही है। धूलकोट का सब-स्टेशन कम से कम 40-45 साल पुराना लगा हुआ है। उसमें 60 एम०जी० के दो ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं उनके ऊपर 860 अम्पेयर से ज्यादा लोड नहीं डाला जा सकता। इस प्रकार हमारे नगर अम्बाला शहर और चण्डीगढ़ का जो बिजली का स्त्रोत है, वह धूलकोट का 220 के०वी०ए० का सब स्टेशन ही है। इसलिए जब तक तेपला में 220 के०वी०ए० का सब-स्टेशन नहीं लगाया जाता तब तक धूलकोट के सब-स्टेशन की आगमेंटेशन करना बहुत जरूरी है नहीं तो वह अम्बाला की जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता। इस 960 अम्पेयर बिजली में से मेरे नगर अम्बाला छावनी को केवल 300 अम्पेयर बिजली मिलती है जब कि उस नगर की रिक्वायरमैंट 400 अम्पेयर बिजली की है क्योंकि वहां पर रेलवे का औफिस है पी०एन०टी० और डिफैंस हैं इसलिए 100 अम्पेयर बिजली तो असैंशियल सर्विसिज के लिए चली जाती है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि जब तक तेपला का 220 के०वी०ए० का सब स्टेशन नहीं लग जाता तब तक धूलकोट के 220 के०वी०ए० के सब स्टेशन की आगमैंटेशन करना बहुत जरूरी है। इस ओर सरकार शीघ्र ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, इस बजट में इरीगेशन के लिए वार्षिक योजना 1998-99 में सिंचाई व बाढ़ नियन्त्रण की विभिन्न योजनाओं के लिए 550.81 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है जो टोटल बजट का 24.4 परसैंट बनता है। हथनी कुण्ड बैराज के लिए भी इस बजट में 86 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और हथनीकुण्ड बैराज का कार्य बहुत तेज गति से चल रहा है। हथनीकुण्ड बैराज के बनने के बाद हरियाणा में पानी लाने की हमारी क्षमता बढ़ेगी। अध्यक्ष महोदय, इंडस्ट्रीज प्रदेश की तरक्की के लिए और विकास के लिए एक बहुत अच्छा कदम है। इस बजट में इंडस्ट्रीज क्षेत्र के लिए 115 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। गुड़गांव में एक इंडस्ट्रीयल माडल टाउनशिप बना दी है ताकि वहां पर देश विदेश के नागरिक अपनी इंडस्ट्रीज स्थापित कर सकें। उनको वहां पर इंडस्ट्रीज लगाने के लिए पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करके दिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार को बधाई देना चाहूंगा कि यह सरकार जिला अम्बाला के साहा में इंडस्ट्रीज ग्रोथ सैंटर की स्थापना करने जा रही है। साहा में इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सैंटर बनाने का मामला पिछले 10 साल से फाईलों में दबा पड़ा था। अध्यक्ष महोदय, 1987 के अन्दर फाईव ईयर प्लान में केन्द्रीय सरकार ने देश में 100 इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सैंटर स्थापित करने की बात कही थी जिनमें से दो हरियाणा के लिए अलाट हो गए। एक इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सैंटर बावल में स्थापित करने के लिए 186 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है लेकिन साहा के इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सैंटर को स्थापित करने के बारे में पता ही नहीं चल रहा था क्योंकि इसकी फाईलों पर मिट्टी चढ़ी हुई थी। मैंने इस बारे में पिछले सैशन में प्रश्न उठाया था और मुझे इस बात की खुशी हुई कि इस सरकार ने और इस सरकार के अधिकारियों ने इस बारे में रूचि ले कर उस फाईल पर कार्यवाही करनी शुरू कर दी। साहा में इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सैंटर स्थापित करने के लिए इंडस्ट्रीज सैक्रेटरी श्री एम०एल० तायल और दूसरे अधिकारियों ने पूरी रूचि ली है और हमारे मुख्य मंत्री जी ने भी इस तरफ पूरी तव्वजो दी है। स्पीकर साहब, साहा में इंडस्ट्रीयल ग्रोथ सैंटर बनाने के लिए जो फाईल थी उस पर मिट्टी चढ़ी हुई थी लेकिन चौधरी बंसी लाल

[श्री अनिल विज]

जी की सरकार वहां पर शीघ्र ही इंडस्ट्रियल ग्रोथ सैंटर स्थापित करने जा रही है उसके लिए वहां पर 400 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुझे उम्मीद है कि जिस तरह से साहा में इंडस्ट्रियल ग्रोथ सैंटर स्थापित करने के लिए कार्यवाही की जा रही है उससे मुझे उस इंडस्ट्रियल ग्रोथ सैंटर की बहुत ही अच्छी प्रगति होने के आसार नजर आ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहूंगा। सोशल एंड कम्यूनिटी सर्विसिज के लिए इस बजट में 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और 206 करोड़ रुपए एजुकेशन पर इस प्लान में रखे गए हैं। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के क्षेत्र में बहुत कुछ किया जा रहा है। अनेकों स्कूलों के दर्जे बढ़ाए जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, 112 प्राइमरी स्कूलों का दर्जा बढ़ा कर मिडिल स्कूल बनाया गया है, 120 मिडिल स्कूलों का दर्जा बढ़ा कर हाई स्कूल बनाया गया है और 143 हाई स्कूलों का दर्जा बढ़ाया गया है। अध्यक्ष महोदय, मेरे नगर में मुख्य मंत्री जी ने गवर्नमैंट कालेज खोलने की केवल घोषणा ही नहीं की बल्कि वहां पर वह कालेज खुल चुका है और उस कालेज में इस सत्र से एम०ए० हिन्दी, एम०ए० पोलिटिकल साईंस की क्लासिज शुरू हो गई हैं। सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बहुत कुछ कर रही है। मैं शिक्षा मंत्री जी का ध्यान शिक्षा के क्षेत्र के बारे में दिलाना चाहता हूं कि केवल फण्डज अवेलेबल कराने से कुछ नहीं होता है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं दो मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूंगा। आज शिक्षा सभी स्थानों पर एक प्रकार से दुकानदारी हो गई है। इस बारे में हमें शीघ्र ही कुछ न कुछ कदम उठाने होंगे। ये कदम उठाने आवश्यक इसलिए हैं कि जो स्कूलों में फीस ली जाती है उसकी रसीद नहीं दी जाती। जो अध्यापकों को पे दी जाती है वह बाद में आधी वापस ले ली जाती है (विघ्न) मैं प्राईवेट स्कूल जो गवर्नमैंट से एडिड हैं उनकी बात कर रहा हूं। सरकार की तरफ से ऐसे स्कूलों को 75 प्रतिशत ऐड दी जाती है। उनका अपना कोई कन्ट्रीब्यूशन इसमें नहीं होता। केवल ऐड और बच्चों की ही फीस से वे दुकानदारी चला रहे हैं। बच्चों से हर साल एडमिशन फीस ली जाती है। उनके अपने स्कूल के जो बच्चे कम नम्बर ले पाते हैं उनको ही एडमिशन नहीं दे रहे जो कि बच्चों के साथ ज्यादती है। इसलिए इस तरफ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इन प्राईवेट स्कूलों ने फीस से और ऐड से एक-एक व डेढ़-डेढ़ करोड़ रुपये की एफ०डी० करा रखी है। वे बच्चों की सुविधा के लिए कोई पैसा खर्च नहीं करते। आज शिक्षा के क्षेत्र में ऐसी बातों को देखते हुए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। इस बारे में मैं शिक्षा मंत्री महोदय को एक सुझाव देना चाहूंगा कि जो स्कूल ऐड लेते हैं उन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों और जो स्थानीय नेता हैं उनको मिला कर एक कमेटी बनाई जाये। जब तक यह कमेटी यह प्रमाण पत्र न दे कि फलां स्कूल ने ली गई ऐड को ठीक यूज किया है तो अगली ग्रांट न दी जाए। जब तक कमेटी प्रमाण पत्र न दे कोई ग्रान्ट न दी जाये। इसी प्रकार से मेरा कहना है कि सारे हरियाणा प्रदेश के स्कूलों का एक ही सिलेबस होना चाहिए। यहां के कुछ स्कूलों में सी०बी०एस०ई० का सिलेबस है तो कुछ में हरियाणा स्कूल एजुकेशन बोर्ड का सिलेबस है। मैं यह मांग इसलिए करता हूं कि सी०बी०एस०ई० से जो बच्चे पास होते हैं वे अधिक नम्बर लेते हैं हमारे बोर्ड से जो परीक्षा पास करते हैं उनके नम्बर कम आते हैं क्योंकि सी०बी०एस०ई० की पेपर मार्किंग में और हमारी पेपर मार्किंग में काफी अन्तर है। यह भी एक पैटर्न होना चाहिए। जब हमारे बच्चों ने कहीं पर एडमिशन लेना होता है तो वे कम नम्बर होने की वजह से ले नहीं पाते। इसलिए हमारे बच्चे पीछे रह जाते हैं। हमारे यहां पर एक जैसा सिलेबस होना चाहिए और जो इन प्राईवेट स्कूलों में फीस ली जाती है उस फीस के लिए-जाने का एक स्ट्रक्चर होना चाहिए ताकि वे अपनी दुकानदारी न चला सकें। ये स्कूल के नाम पर प्राईवेट धन्धा कर रहे हैं। इसलिए इस क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण कदम उठाने की आवश्यकता है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के की एक दो बात कह कर बैठ जाता हूँ। हमारी सरकार ने

रोडज के लिए और ट्रांसपोर्ट के लिए बजट में 190 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, यह अच्छी बात है। इस पैसे से खस्ता हालत की सड़कों को ठीक करने में सहायता मिलेगी। इसके साथ-साथ मैं सरकार का ध्यान इस बात की तरफ दिलाना चाहूंगा कि दिल्ली से अम्बाला तक जो नेशनल हाई-वे है इसकी फोर लेनिंग होनी है और यह अभी तक शाहबाद तक हो पाई है। पहली शर्तों के अनुसार यह काम जून 98 में पूरा हो जाना चाहिए था लेकिन अब उन्होंने इसके लिए एक साल की एक्सटैंशन मांगी है। जिस रफ्तार से काम हो रहा है उससे तो लगता नहीं कि आने वाले एक साल में भी यह काम पूरा हो पायेगा। वे फिर एक्सटैंशन लेंगे। इसलिए मैं चाहता हूँ कि हाईलैवल पर एक कमेटी बनाई जाये जो इस काम की समय समय पर मोनीटरिंग करे। ताकि वे इस काम को समय पर समाप्त कर सकें और अधिक एक्सटेंशन न मांग पाएं, इस तरफ अवश्य ध्यान देना चाहिए। इस तरफ विशेष निगरानी रखने की आवश्यकता है।

श्री अध्यक्ष : आप दो मिनट में अपनी बात खत्म करें।

श्री अनिल कुमार विज : अध्यक्ष महोदय, जो स्टेट हाई वे हैं उनके बारे में समाचार पत्रों से पता लग रहा है कि वर्ल्ड बैंक से इस काम के लिए जो पैसा मिलना चाहिए था वह मिलना बंद हो गया है। हमें हाई-वे की स्ट्रैंन्थन करने के लिए केन्द्र सरकार से मांग करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आज केन्द्र में बी०जे०पी० की सरकार है और हरियाणा विकास पार्टी केन्द्र में उसका समर्थन कर रही है और श्री ओम प्रकाश चौटाला जी की पार्टी भी इस सरकार का समर्थन कर रही है इस प्रकार से बी०जे०पी० की सरकार को इस सदन की दोनों बड़ी पार्टियों का समर्थन प्राप्त है। आज केन्द्र में अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार है इस सरकार का मैं पूर्ण समर्थन करता हूं और वाजपेयी जी के नेतृत्व में मेरी पूर्ण आस्था है। पिछले दिनों प्रधान मन्त्री जी हिमाचल प्रदेश की यात्रा पर गए थे और वहां की सरकार को वे 100-200 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान करके आए हैं। मैं यह चाहूंगा कि हम सभी लोग पार्टी भावना से ऊपर उठ कर काम करें और इसमें कांग्रेस पार्टी को भी साथ देना चाहिए कि हम केन्द्र सरकार से कुछ सहायता के लिए मांग करें। आज हरियाणा प्रदेश में बस स्टैंडों का निर्माण किया जाना है नेशनल हाईवे तथा स्टेट हाईवेज की स्ट्रैंग्थनिंग का काम किया जाना है। हरियाणा प्रदेश एक बहुत ही तरक्की करने वाला प्रदेश है। मुझे माननीय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास है और मुझे पूर्ण यकीन है कि वे हमारी मांग पर विचार करते हुए उसे अवश्य ही स्वीकृति प्रदान करेंगे (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं अपने हलके की कुछ मांग उठाना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, हमारे ऐरिया में ट्यूबवैल 250 से 500 फुट तक लगता था लेकिन वे ट्यूबवैल्ज़ फेल हो गए और अब 1000 या 1100 फुट पर ट्यूबवैल लगता है आप जानते हैं कि इससे नीचे जाना सम्भव नहीं है इसलिए हमारे शहर में कैनाल बेसड वाटर स्कीम पर काम होना चाहिए। यह स्कीम काफी समय से लम्बित है। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहूंगा कि सरकार इस स्कीम को अपने हाथ में ले और किसी जिम्मेदार आफिसर को इन्चार्ज बना कर इस काम को शीघ्रता से करवाएं। (विघ्न) डिफैंस वालों ने 150 एकड़ जमीन देनी थी (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, दूसरी जो समस्या मैं उठाना चाहता हूं वह दूसरे शहरों में भी है। मेरे शहर में 13 कालोनियां ऐसी हैं जहां पर लोग 50 साल या 100 साल से अनैथोराईज्ड रूप में बैठे हुए हैं और बार-बार उनको हटाने या वहां से उठाने की बात भी होती है। यह बात सही है कि इतने लोगों का वहां से हटाना और दूसरी जगहों पर बसाना बहुत ही मुश्किल कार्य है। मैं इस बारे में पिछले दो-तीन सत्रों में सवाल भी देता रहा हूं। इस बारे में मेरा सुझाव है वे लोग जिन जगहों पर बैठे हुए हैं वह जगह उनको लीज़ पर दे दी जाए या उस जगह को उन्हीं को बेच दिया जाए और उन स्थानों की कीमत वहां पर रहने वाले लोगों से वसूल कर ली जाए। वे लोग जो वहां पर बैठे हुए हैं वे न तो कोई कीमत दे रहे हैं और न ही वे कोई किराया देते हैं फिर

[श्री अनिल विज]
भी बिजली पानी की सुविधा उनको देनी पड़ती है। अगर उनको जगह बेच दी जाए तो इससे सरकार को भी कुछ पैसा मिल जाएगा और कुछ पैसे दे कर वे लोग भी कुछ थोड़ी सी जगह के मालिक बन जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, यह समस्या एक बहुत बड़ी समस्या है जिसका समाधान जल्दी ही किया जाना चाहिए। यह समस्या पैंडिंग पड़ी हुई है इस बारे में नगरपालिका से भी प्रस्ताव हो चुका है। पिछले सैशन में बहन जी ने आश्वासन दिया था कि अगर नगरपालिका प्रस्ताव कर देगी तो इसे कर दिया जाएगा। इस बारे में सरकार से मेरा निवेदन है कि इस काम को जल्दी किया जाए। (घण्टी) अध्यक्ष महोदय, इस के साथ ही एक बहुत ही जरूरी मसले की ओर मैं अपनी सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, अम्बाला नेशनल हाईवे पर पड़ता है और यहां पर रेलवे का भी बहुत बड़ा जंक्शन है। अधिक भीड़ और ट्रैफिक के कारण वहां पर एक्सिडैंटल केसिज़ काफी होते हैं इसलिए वहां पर अस्पताल के बैड्ज़ की कैपेसिटी बढ़ाने की बात है। वहां पर 75 बैडिड अस्पताल है उसको 100 बैडिड अस्पताल बनाया जाना है। इस बारे में मैं महाजन साहब से निवेदन करूंगा कि इसे 75 बैडिड से 100 बैडिड करने के लिए कंसीडर कर लिया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि तमाम शहरों में अनाज मण्डी बनी हुई है लेकिन हमारे शहर में अनाज मण्डी नहीं है। इसके लिए अध्यक्ष महोदय, घसीटपुर के पास जगह देख ली गई है और मंत्री जी इसमें रूचि ले रहे हैं मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि इस काम को और तेजी से करके मण्डी को जल्दी से जल्दी बनवाने की कृपा करें।

अध्यक्ष महोदय, जब एंटी रिजर्वेशन मूवमैंट हुआ था तब अम्बाला कैंट से सारी कचहरियां अम्बाला सिटी में चली गई थी और तब से लेकर आज तक वे वहीं पर हैं जिस वजह से अम्बाला कैंट के लोगों को परेशानी हो रही है। पिछले सदन में मुख्य मंत्री जी ने इस बारे में आश्वासन दिया था और मैं मुख्य मंत्री जी से इस बारे में यह कहना चाहता हूं कि इस बारे में जल्दी से जल्दी कार्यवाही करवाएं। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जो कर्मचारियों के लिए आश्वासन दिया कि कैबिनेट ने व्हिटले कौंसिल के बारे में स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसमें कुछ काम करना बाकी रह गया है। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही सकारात्मक कदम है। मैं इसके लिए मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं और शेरेवाला जी का भी एक विकासोन्मुख बजट पेश करने के लिए एक बार फिर धन्यवाद करता हूं और इस बजट को ध्वनिमत से पारित कर दिया जाए। धन्यवाद।

श्री सोमवीर सिंह (लोहारू) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं इस बजट के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस बजट में किसानों, मजदूरों और कर्मचारियों का विशेष ध्यान रखा गया है। मेरे से पहले बोलने वाले विरोधी पक्ष के साथियों ने सरकार के काम करने के ऊपर उंगली उठाई है। मैं इस बारे में जिक्र करूंगा कि पिछले समय में आम-आदमियों की भलाई के लिए हरियाणा सरकार ने क्या-क्या काम किया है। अध्यक्ष महोदय, बिजली की बात सबसे पहले आती है। हरियाणा प्रदेश को बने हुए 31 साल हो गये हैं और इन 31 सालों में हरियाणा के अंदर आज तक कितनी बिजली पैदा होती थी और वर्तमान सरकार ने बिजली पैदा करने के लिए क्या-क्या कदम उठाये। सबसे पहले पिछले दो सालों के दौरान 11 लाख यूनिट ज्यादा बिजली दी गई और पिछले साल साढ़े चौदह प्रतिशत बिजली हमने ज्यादा जनरेट की है और दक्षिण हरियाणा के अंदर बिजली में सुधार करने के लिए बादशाहपुर से रिवाड़ी तक 800 करोड़ रुपये खर्च करके 220 के०वी० की 50 नई लाइनें लगाई गई हैं। फरीदाबाद के अंदर एन०टी०पी०सी० की मदद से 632 मैगावाट का थर्मल प्लांट शुरू किया गया है जिसकी जनरेशन 146 मैगावाट तक जनवरी, 1999 में शुरु

हो जायेगी। इससे अगला 146 मैगावाट का प्लांट मार्च में शुरू हो जायेगा। यह पूरा प्लांट दिसम्बर, 1999 में पूरा हो जायेगा। इसी तरह से पानीपत के अंदर चार थर्मल प्लांट हैं जिनका सुधार करने का काम किया गया है और यह काम अगले साल तक पूरा हो जायेगा। जिससे कम से कम 250 से 270 मैगावाट तक ज्यादा बिजली पैदा होगी। इसी तरह से छठा थर्मल प्लांट जो कि हरियाणा में 10-11 साल पहले शुरू किया जाना था, उसको हमारी सरकार ने आकर शुरू किया है जो कि अगले साल तक पूरा हो जायेगा और इस पर साढ़े छः सौ करोड़ रुपये खर्च होंगे। अगर आज से दस साल पहले वाली सरकार ने इस प्लांट को बनवाया होता तो उस वक्त इस पर 238 करोड़ रुपये खर्च होने थे। इसी तरह से पानीपत आयल रिफायनरी के साथ हमारा कम्परोमाईज है। उससे 301 मैगावाट बिजली पैदा होगी और यह प्लांट सन् 2001 तक बनकर तैयार हो जायेगा। बिजली बोर्ड में सुधार लाने के लिए हमने वर्ल्ड बैंक से 2400 करोड़ रुपये का लोन लिया है। 240 करोड़ रुपये की पहली किश्त हमें मिल गई है और उसे हम बिजली की जनरेशन बढ़ाने के लिए लाईन बदलने और पावर हाउस बनाने पर खर्च करेंगे। पहली सरकार के वक्त किसानों को आठ घंटे से कम बिजली मिलती थी लेकिन पिछले दो सालों के अंदर हमने आठ से दस घंटे तक किसानों को बिजली दी है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है। अध्यक्ष महोदय, किसानों की मांग को देखते हुए हमारी सरकार ने स्लैब सिस्टम लागू किया है। अध्यक्ष महोदय, हाईकोर्ट के आर्डर से स्लैब सिस्टम बंद किया गया था बाद में किसानों की मांगों को देखते हुए हमने सारे हरियाणा में स्लैब सिस्टम दोबारा से शुरू कर दिया। इसमें 30 रुपये से लेकर 65 रुपये तक चार स्लैब काट दिये गये हैं। जिन किसानों को ज्यादा गहराई से पानी निकालना पड़ता है उनको विशेष सहायता मिलेगी। इसी तरह से पिछले साल किसानों को हमने 680 करोड़ रुपये की सबसिडी बिजली के ऊपर दी है। अध्यक्ष महोदय, मैंने जिस तरह से आपके सामने किसानों की पिक्चर रखी है इससे साफ जाहिर होता है कि पिछले 31 साल में हरियाणा के अंदर 863 मैगावाट बिजली पैदा होती थी। जो हमने 13.00 बजे काम शुरू किया उससे अगले साल दिसम्बर तक करीब 12 सौ मैगावाट बिजली इसके अतिरिक्त पैदा होगी और उसके बाद हरियाणा के अंदर बिजली की कोई समस्या नहीं होगी। स्पीकर सर, थोड़े से समय में हमारी सरकार ने जो कदम उठाए हैं उससे अब आम आदमी महसूस करता है कि वर्तमान सरकार ने किसानों की भलाई के लिए उद्योगपतियों की भलाई के लिए जो काम किए हैं, वह सराहनीय हैं। हमारे उधर के साथी अगर आज की तुलना अपने समय से करें और बताएं कि उन्होंने दस सालों के दौरान कितनी बिजली पैदा की तो उनको पता लग जाएगा। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, आप सिंचाई क्षेत्र की बात को लें। मेरा क्षेत्र रेतीला है और हम पिछली सरकारों द्वारा पैदा की गयी तकलीफों को झेल चुके हैं। पिछली सरकारों के शासनकाल के दौरान लिफ्ट इरीगेशन स्कीम खत्म सी हो गयी थी। उनकी देखरेख पर कभी कोई ध्यान नहीं दिया जाता था। लेकिन अब हमारी सरकार ने नहरों की मिट्टी निकलवायी है और नहरों के किनारों को मजबूत किया है। पहले तो लिफ्ट सिस्टम बिल्कुल बंद ही हो गया था और पम्प हाउसिज बंद ही पड़े थे लेकिन हमारी सरकार ने उनकी मुरम्मत करवायी है। पहले इस सिस्टम से बहुत कम सिंचाई हो पाती थी लेकिन अब इससे 52 परसैंट से भी ज्यादा सिंचाई हो रही है। स्पीकर सर, मेवात एरिये के अंदर गुड़गांव कैनाल का काम हमारी सरकार ने अपने हाथ में लिया है जिससे वहां के किसान बहुत खुश हैं। नाबार्ड से बहुत से माईनर्ज के देखरेख या मुरम्मत के लिए पैसे की मंजूरी मिली है और बहुत सी जगहों पर काम भी शुरू हो चुका है। यह काम कुछ जगहों पर तो दिसम्बर में और कुछ जगहों पर अगले साल में पूरा हो जाएगा। इसी तरह से हथनीकुंड बैराज का काम भी अगले साल जून तक पूरा हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, बाढ़ से बचाव के लिए भी हमारी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। पिछली सरकार के समय में 1995 में बाढ़ से करीब 22 लाख एकड़ जमीन प्रभावित हुई थी लेकिन

[श्री सोमवीर सिंह]

हमारी सरकार के समय में बाढ़ से करीब 55 हजार एकड़ जमीन ही प्रभावित हुई है। इसी तरह 1996 में केवल दो लाख एकड़ जमीन बाढ़ से प्रभावित हुई थी। सर, इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वर्तमान सरकार ने बाढ़ की रोकथाम के लिए कितने कदम उठाए हैं ? अध्यक्ष महोदय, हमारे उधर के कुछ साथी कहते हैं कि रोहतक के साथ बहुत पक्षपात हो रहा है लेकिन मैं उनको बताना चाहूंगा कि केवल मेहम के अंदर ही हमारी सरकार ने लाखन माजरा और मेहम की दो ड्रेन खुदवायी हैं जिन पर 25 करोड़ रुपया खर्च किया गया है। अब वहां के लोग सरकार के इस कदम की सराहना कर रहे हैं और कह रहे हैं कि बर्तमान सरकार ने हमारी इस तकलीफ को मिटा दिया है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारों ने तो इस दिशा में कुछ काम ही नहीं किया। इसी प्रकार से हमने बाढ़ से बचाव के लिए एक मास्टर प्लान भी तैयार किया है ताकि बाढ़ से बचाव हो सके। इसी तरह से शिक्षा के क्षेत्र में भी हमारी सरकार आने के बाद बहुत काम हुए हैं। पहले स्कूलों में टीचर्ज की बहुत कमी होती थी लेकिन हमारी सरकार ने एस०एस०एस० बोर्ड के द्वारा टीचर्ज या दूसरे स्टाफ की भर्ती करके इस कमी को दूर किया है। जे०बी०टी० की भर्ती की गयी है और अब भी दूसरे टीचर्ज की भर्ती के लिए इंटरव्यू चल रहे हैं ताकि बच्चों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा दी जा सके। इसी तरह से हमारी सरकार ने बच्चों की अच्छी पढ़ाई के लिए करीब 416 स्कूलों को भी अपग्रेड किया है। साथ ही हमारी सरकार टैक्नीकल ऐजुकेशन पर भी बहुत ध्यान दे रही है। पिछले दो सालों के अंदर करीब 9 पोलिटैक्निक कालेजों की स्थापना की गयी है। लोहारू के अंदर भी एक पोलिटैक्निक कालेज खोला गया है उसकी बिल्डिंग बननी शुरू हो चुकी है। अब वहां के लोग महसूस कर रहे हैं कि इस सरकार ने बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष ध्यान दिया है जबकि पहले ऐसा नहीं होता था। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से आप देखेंगे कि समाज कल्याण के क्षेत्र में भी हमारी सरकार ने बहुत काम किया है। बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन या विकलांग पेंशन को हमारी सरकार हर महीने की सात तारीख को ही इन लोगों के घर पहुंचा देती है। हमारी सरकार ने यही वायदा भी लोगों से किया था जिसको उसने पूरा भी किया है। इसी सरकार से विकलांग व्यक्तियों को कृत्रिम अंग एवं उपकरण देने के लिए हमारी सरकार ने 1996-97 के दौरान 16 जिलों के अंदर रैडक्रास को 6-6 करोड़ रुपये दिए हैं। इसी तरह से 1997-98 में 17 जिलों के अंदर करीब सवा करोड़ रुपया दिया है। जिससे विकलांग व्यक्तियों की विशेष सहायता हो सकेगी। इसी तरह से महिला आश्रमों के लिए जहां पर लड़कियां हैं, उनकी शादी के लिए हमारी सरकार ने अढ़ाई हजार रुपये से बढ़ाकर अब दस हजार रुपये किए हैं। इसी प्रकार से नौकरी के अंदर एस०सीज०, ऐक्स सर्विस मैन या बैकवर्ड क्लासिज के लोगों का जो रिजर्वेशन बनता है उसके अगेंस्ट उन्हीं लोगों को नौकरी दी जा रही है जबकि पहले ऐसा नहीं होता था पहले इनकी पोस्टों के अगेंस्ट दूसरे लोगों को नौकरी दे दी जाती थी। लेकिन अब इन्हीं के बच्चों को इस रिजर्वेशन के हिसाब से नौकरी दी जा रही है। इसी तरह से मजदूरों की भलाई के लिए वर्तमान सरकार ने इस साल से जो न्यूनतम वेतन तय किया है वह 1641.40 रुपए तय किया है इसी तरह से मजदूरों की भलाई के लिए भिवानी के अंदर ई०एस०आई० अस्पताल तैयार किया है जिस पर करीब सवा करोड़ रुपये की लागत आई है। इसी तरह से उद्योगों का ध्यान देते हुए जैसे गुड़गांव व सोनीपत में ज्यादा उद्योग लगे हुए हैं और मजदूर बहुत ज्यादा हैं वहां पर सरकार ने 50-50 बैड के अस्पताल बनाने का निश्चय किया है सोनीपत के अंदर नरैरा गांव है वहां ई०एस०आई० डिस्पैंसरी की कंस्ट्रक्शन की है इस पर 31 लाख रुपया खर्च किया गया है। जमींदारों की समस्याओं की ओर भी इस सरकार ने काफी ध्यान दिया है। इंतकाल पहले कई-कई साल तक पेंडिंग रहते थे रेवेन्यू के जो अधिकारी थे पहले जमींदारों से बहुत चक्कर कटवाते थे वर्तमान सरकार ने समय और डेट को निश्चित किया कि आपको इतने समय में

इंतकाल करना पड़ेगा। इसके परिणामस्वरूप जनवरी 1997 से मार्च 1998 तक करीब 42 हजार इंतकाल दर्ज किए गए जो कि अपने आप में एक रिकार्ड है। हरियाणा के इतिहास में कभी इतने इंतकाल एक वर्ष में नहीं हुए होंगे। इससे आम जमीदार सरकार की सराहना करता है पहले उसे बार-बार इस काम के लिए चक्कर काटने पड़ते थे। इस सरकार ने आने के बाद मिनी सैक्रेटेरियेट बनाने का काम शुरू किया है कुछ एक जगह डिस्ट्रिक्ट लेवल पर ये कंपलीट हो चुके हैं और सब-डिवीजनों में भी हमने मिनी सैक्रेटेरियेट बनाने का काम शुरू किया है जिसमें मेरा अपना सब-डिवीजन लोहारू भी है जहां डेढ़ साल पहले कंस्ट्रक्शन का काम स्टार्ट किया गया था। इस साल के स्टार्टिंग में कंस्ट्रक्शन कंपलीट हो चुका है और उसमें सुचारू रूप से काम चल रहा है। (विघ्न) इसी प्रकार से असंध में भी मिनी सैक्रेटेरियेट बनवा रहे हैं। जहां तक ऐग्रीकल्चर का संबंध है सरकार ने किसानों की भलाई के लिए बीज, खाद, कीटनाशकों के लिए 256 करोड़ रुपये की सबसिडी दी है। (विघ्न)

श्री जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, आपने प्रत्येक मैंबर के लिए 10 मिनट की समय सीमा तय की थी उसका क्या हुआ ?

श्री अध्यक्ष : समय सीमा होती तो 95 मिनट एक आदमी के न होते। आप बैठ जाएं।

श्री सोमवीर सिंह : इसी प्रकार से फव्वारा सैट सिस्टम किसानों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। मेरे अपने जिले में फव्वारा सैट सिस्टम से किसानों ने फायदा उठाया है इसके लिए भी सरकार ने 9.80 करोड़ रुपये की सबसिडी दी है इसी तरह से फूलों की खेती के लिए भी हरियाणा सरकार विशेष रूप से मदद दे रही है।इसी तरह सब्जी मण्डियां भी बनानी बर्तमान सरकार ने शुरू की हैं। अम्बाला और पंचकूला में तो सब्जी मण्डियां बनकर तैयार हो चुकी हैं। कोआप्रेटिव डिपार्टमैंट की जहां तक बात है (विघ्न)

एक आवाज़ : स्पीकर सर, हमारी पार्टी के एस०सी० और बी०सी० सदस्यों को कम समय दिया है।

Mr. Speaker : Please take your seat. (Interruptions). I will tell you किसको समय नहीं दिया?

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे एक मिनट भी नहीं दिया।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी समय नहीं दिया।

श्री अध्यक्ष : अगर भागी राम जी यह कहते हैं कि पिछली बार मुझे समय नहीं दिया गया तो ये रिकार्ड मंगवा कर देख लें। मैंने कोई डिमारकेशन तो नहीं की है कि एस०सी० और बी०सी० सदस्यों को कितना समय देना चाहिये।आपकी पार्टी के नेता ने ही यह फैसला करना है कि किस सदस्य को कितना समय देना है। अगर वे खुद ही 95 मिनट ले लेते हैं तो इसमें मैं क्या कर सकता हूं ? (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनिए ।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आप बैठिये। मैंने कल बड़े साफ शब्दों में आप लोगों से निवेदन किया था कि बजट पर चर्चा दस घण्टे तक होगी और प्रत्येक सदस्य को 6 से 7 मिनट का समय मिलेगा, अब यह बात आप लोगों पर निर्भर है, विपक्ष के नेताओं पर निर्भर है कि वह अपनी-अपनी पार्टी के

[श्री अध्यक्ष]
प्रत्येक सदस्य को कितना समय बांटते हैं। फिर भी चौटाला साहब की पार्टी का जितना समय बनता है उससे वे 30-40 मिनट ज्यादा ले सकते हैं और कांग्रेस पार्टी का जितना समय बनता है, वे उससे आधा घण्टा ज्यादा ले सकते हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, एक मैम्बर को जितना समय मिलता है उसकी रेशो को तो देखिये। आपके फैसले के मुताबिक निर्मल सिंह को 35 मिनट, अनिल विज को 45 मिनट और कई दूसरे सदस्यों को 35 मिनट बोलने का समय दिया गया है। आप कोई हिसाब की बात तो करो। आप इस हाउस के कस्टोडियन हैं। प्रत्येक सदस्य के साथ समान व्यवहार होना चाहिये। यही हम आपसे अपेक्षा करते हैं।

श्री अध्यक्ष : बिल्कुल समान व्यवहार होगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी का जो समय बनता है कम से कम उतना समय तो हमें दे दें। (विघ्न)

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिए।

श्री अध्यक्ष : लीडर आफ दी ओपोजीशन से बात हो गई है इसलिए आप बैठिये।

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर सर, हमारी पार्टी के नेता ने आज बोलने के लिए मेरा नाम लिया था। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : आपकी पार्टी के नेता कौन हैं ? कांग्रेस पार्टी के नेता का चयन क्या हो चुका है ?

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, बहन करतार देवी हमारी पार्टी की उप-नेता हैं। (विघ्न)

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, राणा साहब बी०जे०पी० वालों का तो ध्यान रखते हैं लेकिन इन को अपने नेता या उप-नेता का ध्यान नहीं है। (शोर)

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, ये हमारी नेता ही हैं। (विघ्न) मैं इस का कारण जानना चाहता हूं कि जब मेरा नाम बोलने के लिए क्र०सं० एक पर दिया गया था तो मेरा नाम न लेकर के दूसरे सदस्य का नाम मेरे से पहले क्यों बोला गया है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : राणा साहब, आप बैठिए और सोमवीर सिंह जी को अपनी बात कहने दें।

श्री सोमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि वर्तमान सरकार द्वारा किसानों के फायदे के लिए उनको को-आप्रेटिव बैंकों से ऋण दिए जा रहे हैं। इस ऋण पर पहले करीब 16 प्रतिशत ब्याज लगता था लेकिन वर्तमान सरकार ने इस ब्याज की दर को 2 प्रतिशत कम कर दिया है, जिससे किसानों को 30 करोड़ रुपये सालाना का फायदा हुआ है। हरियाणा सरकार ने गन्ने का भाव 82 रुपये प्रति क्विंटल दिया है जो हिंदुस्तान में सबसे ज्यादा है। गन्ने की तोल में जो हेराफेरी होती थी उसको रोकने के लिए हम ने 6 मिलों के गेट के साथ टेलीविजन सर्कट लगाए हैं। वर्तमान सरकार ने चुनावों के वक्त लोगों से वायदा किया था कि हम साफ-सुथरा प्रशासन देंगे। इस बात का प्रमाण है कि वर्तमान सरकार ने लोकपाल विधेयक पारित करके मंत्रिमंडल से पास करवा कर राष्ट्रपति महोदय के पास मंजूरी के लिए भेज दिया है जिसके अधिकार क्षेत्र में मुख्यमंत्री से लेकर उच्चाधिकारी तक शामिल होंगे। इसी प्रकार से

पिछले दो साल के अंदर नौकरियों में चोर-दरवाजे से कोई भर्ती नहीं की गई है। पिछली सरकारों के समय में तो पहले ऐडहाक पर भर्ती कर ली जाती थी और बाद में उन कर्मचारियों को रैगुलर कर दिया जाता था। लेकिन हमारी सरकार ने किसी को भी ऐडहाक आधार पर नौकरी नहीं दी है। सभी को योग्यता के हिसाब से नौकरियां दी गई हैं। पहले मुख्यमंत्री का प्लाटों वगैरह में एच्छिक कोटा होता था जो इस वर्तमान सरकार ने बंद कर दिया है। टेलीफोन व गाड़ियों वगैरह के अनावश्यक खर्चों पर इस सरकार ने कंट्रोल किया है। सबसे बड़ी सहूलियत वर्तमान सरकार ने यह दी है पुलिस भर्ती में पहले जो कमियां थीं, उन कमियों को इस सरकार ने दूर किया है और बड़ी ईमानदारी से इस पुलिस भर्ती में हर जिले को उसकी जनसंख्या के हिसाब से तथा कंस्टीच्युएंसी के हिसाब से बराबर का हिस्सा दिया है। मान लो कि एक जिले में 5 कंस्टीच्युएंसी हैं तो उस जिले में से सौ लड़के भर्ती किए जाएंगे, दूसरे किसी जिले में 6 कंस्टीच्युएंसी हैं, तो उस में से 120 लड़के भर्ती किए जाएंगे और किसी जिले में 7 कंस्टीच्युएंसी हैं, तो उस में से 140 लड़के पुलिस में भर्ती किए जाएंगे। यह हमारी सरकार ने बहुत ही सराहनीय काम किया है इसके बावजूद कोई कहता है कि पुलिस भर्ती में पैसे लिए गए हैं या हेराफेरी हुई है। मैं कहता हूं कि अभी तो सलैक्शन भी नहीं हुई है और ऐसे ही ऐलिगेशन लगाए जा रहे हैं। इनके समय में जब भर्ती होती थी तो 30 हजार रुपए, 40 हजार रुपए, 80 हजार रुपए लेकर के नौकरी दी जाती थी और कचहरियों में उन भर्तियों के फैसले होते थे। लेकिन हमारे समय में जो भी सलैक्शन हुई है उसका हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के द्वारा कोई फैसला नहीं हुआ है इससे ज्यादा ईमानदारी का सबूत इस सरकार का और क्या हो सकता है ? (विघ्न) इसके साथ ही मैं कहना चाहता हूं कि वित्त मंत्री व मौजूदा सरकार ने यह जो बजट पेश किया है, वह सराहनीय है तथा इस पर बोलने के लिए समय देने पर आपका धन्यवाद करता हूं। (विघ्न)

श्री बन्ता राम बाल्मीकि (रादौर) (एस०सी०) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका लाख बार धन्यवाद करता हूं। मैं हरियाणा प्रदेश के रादौर हल्के से इस हाउस में सम्मानित सदस्य के रूप में चुन कर आया हूं।

श्री अध्यक्ष : बन्ता राम जी, आपको बोलने के लिए 10 मिनट का समय दिया जाता है।

श्री बन्ता राम बाल्मीकि : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश के हल्कों में से रादौर एक ऐसा हल्का है जिसमें 30 प्रकार की फसलें होती हैं। कोई भी फसल ऐसी नहीं है जो वहां पर पैदा न होती हो। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि मेरे हल्के की ओर सरकार का ध्यान नहीं है। इस शासनकाल में रादौर की दो समस्याओं के बारे में पिछले सैशन में भी शर्मा जी और पी०डब्ल्यू० मिनिस्टर धर्मवीर यादव से मैंने कहा था कि मेरे क्षेत्र में दो ऐसे गांव हैं जो सड़क से नहीं जुड़े हुए हैं। उन गांवों के नाम हैं गुड्डा टू गुड्डी और हड़ताम टू हीम छप्पर ये दो गांव हैं जो सड़क से जुड़े नहीं हैं। चुनावों के समय हरियाणा में चौधरी बंसीलाल जी अपनी हरियाणवी लच्छेदार भाषा में कहा करते थे कि कोई गांव हरियाणा प्रदेश में ऐसा नहीं होगा जो सड़क से जुड़ा हुआ न हो। लेकिन हरियाणा के अन्दर मेरे बहादुर हल्के के ये दो गांव सड़क से नहीं जुड़े हुए हैं। इसके अलावा मेरे हल्के में सड़कों की हालत इतनी बुरी है जो देखी नहीं जाती। बबैन कस्बा एक ऐसा कस्बा है जहां मैंने दूर से देखा कि मारूति जा रही थी और वह अचानक सड़क में जो खड्डा था उसमें गिरी, मारूति का पता नहीं चला कि वह कौन से खड्डे में गिरी ? आज इतनी बुरी हालत सड़कों की है। बाबा साहब डा० भीमराव अम्बेडकर ने कहा था कि हमें अपनों ने ही मारा है। हमारे वरिष्ठ नेता बड़े भाई आदरणीय चौ० जगन्नाथ के महकमें के बारे में कुछ कहना चाहता हूं जहां पानी की आवश्यकता है वहां पानी नहीं है और जहां पानी की आवश्यकता नहीं है वहां पानी ही पानी है। आदरणीय बंसी लाल ने कल कहा था कि गांव में जो नाजायज टूटियां लगी हुई हैं उनको उखड़वा रहे

[श्री बंता राम वाल्मीकि]

हैं (शोर) हरियाणा प्रदेश के अन्दर बैकवर्ड क्लास की बस्तियों में से टूटियां उखड़वाई जा रही हैं। जान बूझकर साजिश के तहत उन बस्तियों में कम टूटियां लगाई जाती हैं ताकि एस०सी० और बी०सी० क्लास की महिलाएं आपस में लड़ें और वे दूसरे लोगों के हाथ में खेलें। हमें इस बात का खेद है कि दलितों के ग्रामीण अंचल से चुनकर आए चौधरी जगन्नाथ हंसकर बात करते हैं, हरिजनों के नाम पर चुनाव जीतकर आते हैं। चौधरी बंसीलाल के बराबर में बैठकर यह हरिजन नेता होने का दम भरते हैं (शोर) मैं रामविलास जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने एक आयोग बनाया है। अब हरिजन लोग सामने आएंगे। आज हरिजन आत्मदाह करने पर मजबूर हैं। उनको एक बात का दर्द है कि गरीबी रेखा से नीचे बसर करने वाले लोगों को 1986 से पहले सोशल वैल्फेयर डिपार्टमैंट के द्वारा मकान बनाने के लिए 2000 रुपए की ग्रांट मिलती थी। आदरणीय देवालाल जी ने अपने शासन काल के दौरान इस 2000 रुपए की राशि को बढ़ाकर 5000 रु० किया था। मैं इस हरियाणा सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या आज 5000 रु० में गरीबी की रेखा से नीचे बसर करने वाले लोगों का मकान बन जाएगा ? आज ईंटों का रेट 21-2200 रु० प्रति हजार है और 5000 रु० में केवल 2000 ईंटें आती हैं। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि इस 5000 रु० की ग्रांट से काम चलने वाला नहीं है उसको बढ़ाकर 15000 रु० कर दिया जाए। इसके साथ-साथ हमारी हरिजन विधवाओं को 10000 रु० अपनी लड़की की शादी के लिए दिए जाते हैं लेकिन कानून के बीच एक ऐसी धारा है जो कि दीवार की तरह खड़ी है। जिसके कारण विधवा हरिजन महिलाओं को उस राशि के लिए दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं और फिर हार कर वे अपने घर बैठ जाती हैं, पैसा उनको लड़की की शादी के बाद मिलता है। मेरा आपसे अनुरोध है कि विधवा औरतों को अपनी लड़की की शादी के समय ही पैसा मिल जाना चाहिए। ये उसको पैसा देने की बजाय उसके अधिकारों के साथ खिलवाड़ करते हैं। स्पीकर साहब, कल भी हाउस में एक बात आई थी कि कोई महिला यह बात कहने के लिए तैयार नहीं है कि वह विडो है, जो औरत विडो होती है उसको फौरन विडो मान लेना चाहिए। उस औरत के साथ इतना कुछ होते हुए भी उस डिपार्टमैंट के अधिकारी और कर्मचारी पता नहीं किस-किस तरह का व्यवहार करते हैं। स्पीकर साहब, आपके माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि विडो को उसकी लड़की की शादी के लिए दी जाने वाली राशि देने के लिए सरल तरीके अपनाए जाएं, ताकि विडो औरत समय पर अपनी लड़की के हाथ पीले कर सके। स्पीकर साहब, सोमवीर जी ने एक बात बड़ी लच्छेदार कही है और मुझे उस बात की बड़ी खुशी है कि उन्होंने उसको ठीक दर्शाया है कि बजट स्पीच के पेज 13, 19 और 20 पर हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के बारे में जिक्र किया गया है। लेकिन स्पीकर साहब, मैं डवाकरा स्कीम के बारे में डिवैल्पमैंट मिनिस्टर साहब को एक बात कह देना चाहता हूं। हमारे कुरूक्षेत्र में ए०डी०सी० के आफिस में एक भूषण पाल गुप्ता लगा हुआ है, उसके द्वारा अपने ही परिवार के लोगों को उस स्कीम में डाल करके उस स्कीम का मिसयूज किया जा रहा है। उस स्कीम के सारे के सारे पैसे को खाया जाता है। बजट में यह दर्शाया जाता है कि हम गरीबों का उत्थान कर रहे हैं। स्पीकर साहब, ये केवल बिना फ्रेम के चश्में चढ़ाने की बात करते हैं और दावा करने की बात करते हैं। किसी ने कहा है कि 'बोलो-बोलो मैं बड़ी करतूतों बड़ी जेठानी' ये किसी को बोलने ही नहीं देते। दूसरी बात कही थी 'करना नहीं करतूत लड़ने में मजबूत'। स्पीकर साहब, यह विधान सभा सबसे बड़ी है यहां से हरियाणा की 36 बिरादरी के एक करोड़ 50 लाख लोगों का मुकद्दर जुड़ा हुआ है। उन लोगों के मुकद्दर का फैसला यहां किया जाता है। न जानें हम किन किन मुश्किलातों का सामना करके इस सदन में प्रवेश करते हैं लेकिन यहां पर किसी का मान सम्मान नहीं होता है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर हाउस की सैंस हो तो हाउस का समय एक घंटा और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है।

Mr. Speaker : The time of the sitting with the sense of the House is extended for one hour.

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बंता राम बाल्मीकि : स्पीकर साहब, मैं डिवैल्पमैंट मिनिस्टर साहब को बता देना चाहता हूं कि इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत जो 20-20 हजार रुपए गरीबों को मकान बनाने के लिए दिए जाते हैं वह सारा पैसा इनके जे०ई० और बी०डी०ओ० हजम कर जाते हैं। सीमेंट को हजम कर जाते हैं, सरिये को हजम कर जाते हैं। स्पीकर साहब, मंत्री जो हमारी बात सुन नहीं सकते, वे हम पर लांछन लगाते हैं जब हमारी बात सुनने का वक्त आता है तो इनमें हमारी वह बात सुनने की कैपेसिटी नहीं है। स्पीकर साहब, आपके सामने अगर कैमरा होता तो आप देख लेते कि डिवैल्पमैंट मिनिस्टर और पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर में हमारी बात सुनने की हिम्मत नहीं है इसलिए वे सदन से बाहर जा रहे हैं। ये एस०सी०, बी०सी० कैटेगरी के लोगों का दम भरते हैं लेकिन यह सरकार उनके लिए कुछ नहीं कर रही है। ये बिना फ्रेम का रबड़ का चश्मा चढ़ा कर ब्यूरोक्रेसी और प्रैस के लोगों को बता देना चाहते हैं कि हम यह कर रहे हैं हम वह कर रहे हैं और यह करेंगे। स्पीकर साहब, मुझे अपने वित्त मंत्री जी के बारे में यह बात नहीं कहनी चाहिए लेकिन मैं मजबूर हूं। स्पीकर साहब, हमने चौटाला साहब से बड़ा सलाह मश्विरा करके और गिड़गिड़ा करके एक एक बात कही थी कि हम ओ०पी० जिंदल का कद कम करना चाहते हैं इसलिए हमने वित्त मंत्री महोदय को उस समय हमारी पार्टी का उपाध्यक्ष बनवाया, इनको पार्लियामैंट्री बोर्ड का चेयरमैन बनवाया उसके बाद इनको हमने अपनी पार्टी का टिकट दे कर एम०एल०ए० बनवाया। स्पीकर साहब, हिन्दू धर्म हुआ करता था कि किसी का नमक हराम नहीं करना चाहिए। लेकिन इन्होंने नमक हराम किया। स्पीकर साहब हमारे नेता के ऊपर, हमारे दूरदर्शी नेता के ऊपर हमारे हिन्दुस्तान के महान वक्ता के ऊपर इन्होंने कहा कि तूं भी बोले तो अपने गिरेबान में देख कर बोल। इनको हम 25 दिन पहले अपनी पार्टी में ले कर आए थे। आज इनको अरबपति होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। स्पीकर साहब, इनको कम से कम अपनी गर्दन नीचे करके बैठना चाहिए। स्पीकर साहब, मैं बता देना चाहता हूं कि सोशल वैल्फेयर डिपार्टमैंट के अन्दर 40-50 हजार रुपए की ग्रांट मिलती है उस ग्रांट के बारे में हरिजनों के साथ बड़ा भद्दा मजाक किया जाता है। कम से कम वह ग्रांट दो या अढ़ाई करोड़ रुपए डिस्ट्रिक्टवाइज होनी चाहिए। स्पीकर साहब, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सरकार हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के साथ भद्दा मजाक न करें। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि जिस प्रकार की हरिजन गर्भवती महिलाओं को सुविधा दी हुई है उसी प्रकार की सुविधा बैकवर्ड क्लासिज की महिलाओं को भी दी जानी चाहिए। आज के मंत्री दोनों हाथों से प्रदेश का पैसा लूट रहे हैं। यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। जगन्नाथ जी मंत्री बने बैठे हैं। ये मुख्य मंत्री के काफी नजदीक हैं। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि इनको हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिए और अधिक सुविधाएं मांगनी चाहिएं। हमारे मुख्यमंत्री का दिमाग जो पहले हुआ करता था, वह अब नहीं रहा। अब के मंत्री व मुख्यमंत्री सरकारी मशीनरी का मिसयूज कर रहे हैं। मैं जगन्नाथ जी से कह रहा हूं कि ताते तवे पर रोटी सेक लेनी चाहिए और कुछ घोषणाएं हरिजन-बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिए करवा लेनी चाहिएं। मेरा रादौर इलाका बहादुर लोगों का इलाका है।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री बन्ता राम वाल्मीकि : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि ******

श्री अध्यक्ष : श्री बन्ता राम जी जो कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाये।

वित्त मंत्री (श्री चरणदास) : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने इन भाईयों को बताना चाहता हूं कि मैं समता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ कर आया था। मैं इनका कोई बौंडिड लेबर नहीं था। पहले ये समता पार्टी में थे, फिर कभी इन्होंने समाजवादी जनता पार्टी बनाई तो कभी हलोदरा या लोकदल बनाया। डिफैक्शन तो इन्होंने किया है, मैंने नहीं किया। मैं समता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था और अब भी उसी में हूं। मैं वहां पर इनकी बोरी ढोने के लिए नहीं गया था। पैसे की मेरे पास कोई कमी नहीं है। मैंने अपने पैसे से चुनाव लड़ा था। भगवान की दया से चरणदास को खरीदने वाला कोई नहीं है क्योंकि भगवान की कृपा से मेरे पास बहुत पैसा है। डिफैक्शन किया अगर मैंने तो ये मेरे खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएं या हाई कोर्ट में जाएं। जो फैसला मेरे बारे में कोर्ट की तरफ से होगा वह मुझे मान्य होगा।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी शोरेवाला जी ने कहा कि मैं इनकी बोरी ढोने के लिए नहीं गया था तो मैं पूछना चाहता हूं कि क्या अब ये वहां पर बोरी भरने के लिए गए हैं ?

श्री चरणदास शोरेवाला : मायना साहब, सभी को पता है कि मेरे पास कितना पैसा है ?

श्री जय सिंह राणा (नीलोखेड़ी) : स्पीकर सर, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे जो बजट पेश किया गया है उस पर बोलने के लिए समय दिया। आपकी नज़र मुझ पर कभी-कभी ही पड़ती है और नर्म नज़र होती है अन्यथा अक्सर ऐसा नहीं होता। अध्यक्ष महोदय, जो बजट वित्त मन्त्री महोदय ने दिनांक 21-07-1998 को सदन में पढ़ कर सुनाया और उस बजट को पढ़ने से पता लगता है कि इस बजट के अन्दर ऐसा कुछ भी नहीं जो कि प्रदेश की जनता के किसी भी वर्ग को राहत पहुंचाता हो। चाहे किसान हों, चाहे कोई मजदूर है, चाहे कोई अनुसूचित जाति के लोग हैं अथवा पिछड़ी हुई जातियों के लोग हैं, चाहे कोई व्यापारी है या कोई कर्मचारी है इस बजट से किसी भी वर्ग को किसी तरह की कोई खुशी नहीं हुई है क्योंकि बजट में वे बातें नहीं हैं जो कि वर्तमान सरकार ने सरकार बनाने से पहले जनता के सामने प्रस्तुत की थीं और वोट हासिल करने के लिए जनता से वायदे किए थे उन वायदों की इस बजट में कहीं कोई चर्चा नहीं की गई है। इस बजट को देख कर ऐसा नहीं लगता कि जो वायदे चुनाव के समय जनता से किए गए थे, वे पूरे हो पाएंगे। स्पीकर सर, इस प्रदेश को अस्तित्व में आए हुए 32 साल हो चुके हैं लेकिन हरियाणा प्रदेश की जनता की समस्याएं ज्यों की त्यों ही हैं। कुछ नेताओं ने यह तरीका अपना लिया है कि चुनाव से पहले जनता के बीच में जाते हैं और जिस क्षेत्र की जो समस्याएं हैं उनको उठा कर और लोगों की दुखती रंग पकड़ कर कहते हैं कि आपकी इन तकलीफों को दूर करेंगे, लोग इनकी बातों में आ कर इनको वोट दे देते हैं लेकिन उसके बाद जनता को कुछ भी हासिल नहीं होता है। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार से इस प्रदेश की जनता को बहुत आशाएं थीं क्योंकि सारे प्रदेश में चुनाव के समय बड़ा भारी प्रचार किया गया था कि बंसी लाल सरकार के समय में पूरे प्रदेश का विकास होगा परन्तु आज वह सारा प्रचार असत्य साबित हुआ है जिससे आज हरियाणा प्रदेश की जनता बुरी तरह से निराश है। जिससे आज हरियाणा प्रदेश की जनता में बड़ा भारी रोष है। जनता के रोष का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है कि यह सरकार उप चुनावों में पराजित हो गई ? इसका अन्दाजा इस बात से हो सकता है कि प्रो० सम्पत सिंह और हमारे भाई कुलदीप जी को जिता कर लोगों ने सरकार के खिलाफ मत दिया है। इससे यह ज़ाहिर होता है कि लोग आज सरकार के खिलाफ हैं और यह सरकार

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

हर कार्य में बुरी तरह से असफल हुई है। अध्यक्ष महोदय, इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान कुछ खास मुद्दों की ओर दिलाना चाहता हूं और जिन बातों का जिक्र इन्होंने चुनाव से पहले किया था उस बारे में बताना चाहता हूं। इन्होंने कहा था कि हम प्रदेश में 24 घंटे बिजली देंगे। (विघ्न)....

श्री अध्यक्ष : आप सब बैठ जाएं। राणा जी आप बोलें। (विघ्न) कैप्टन साहब आप बैठ जाएं। आपको ध्यान रखना चाहिए कि कौन बोल रहा है कौन नहीं ? अभी आपकी ही पार्टी का आदमी बोल रहा है। आप बैठ जाएं। (विघ्न) कैप्टन साहब मैं आपको वार्न करता हूं। आप बैठ जाएं। Why are you interrupting ? This is very bad. Please take your seat, otherwise I will have to name you.

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर साहब, चुनावों से पहले चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा प्रदेश के कोने-कोने में जाकर जनता से जो वायदे किए, उनके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं। उन वायदों में 24 घंटे बिजली देने की बात कही गई है। इसके साथ ही इस बजट में भी कृषि के क्षेत्र में भी सन् 2000 तक 8 घंटे बिजली देने की बात कही गई है। अध्यक्ष महोदय, इससे किसानों का गुजारा नहीं होगा और अगर आज से तीन साल के बाद भी किसानों को इतनी ही बिजली मिलती रही तो उनका बहुत ही बुरा हाल हो जाएगा ? अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही चिन्ता की बात है। दूसरी बात इन्होंने यह कही थी कि प्रदेश को कर मुक्त कर देंगे। आज इस प्रदेश में कितने ही कर लगाए गए हैं। इन करों का किसी एक वर्ग पर प्रभाव नहीं पड़ेगा बल्कि सभी वर्गों पर पड़ेगा। आज अगर व्यापारियों पर टैक्स लगता है तो वह टैक्स अपने घर से नहीं देंगे। वह व्यापारी अपने सामान के जरिए आम आदमी से टैक्स वसूल करेगा। अध्यक्ष महोदय, ये जो बिजली की दरें बढ़ाई गई, बसों के भाड़े बढ़ाए गए इससे इनके इस बारे में किए गए वायदे भी असत्य निकले कि प्रदेश को कर मुक्त कर देंगे।

इसके अलावा इन्होंने स्वच्छ प्रशासन देने की बात भी कही थी। (घंटी) ये कैसे स्वच्छ प्रशासन दे सकते हैं ? जब हम रोजाना सुबह-सुबह अखबार पढ़ते हैं तो पाते हैं कि उसमें लूटपाट, डकैतियां और बलात्कार की घटनाओं का जिक्र ही होता है। सर, मैं आपको बताना चाहता हूं कि जी०टी० रोड पर शाहबाद से समानाबाहू के बीच में एक महीने के अंदर ही चार वारदातें हुई हैं। वहां पर एक बार तो दो ट्रक छीने गए हैं और ड्राईवर को बांधा गया है। इसके अलावा एक टैंकर को और एक सूमो गाड़ी को भी वहां से छीना गया है लेकिन अपराधी आज तक भी नहीं पकड़े गए हैं। इसी तरह से करनाल जेल में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी की आंखों में मिर्च डालकर एक अपराधी को कैद में से छुड़ा लिया गया, लेकिन आज तक कोई नहीं पकड़ा गया। सर, इस प्रदेश की जनता के लिए इससे घटिया बात और क्या हो सकती है ? इसके अलावा तो कुछ बचता ही नहीं है। इसी प्रकार से व्यापारियों को भी पीड़ित किया गया है। टैक्स की वसूली के समय उनको पकड़ा जाता है और जेलों के अंदर डाल दिया जाता है। एक पुरानी नीति चली आ रही थी कि जो पुराने लाईसेंसधारी हैं उनको फिक्स प्राईस पर प्लाट दिए जाते रहे हैं लेकिन इस सरकार ने यह सुविधा भी खत्म कर दी है। जब वे प्लाट मांगने जाते हैं तो उन पर लाठी चार्ज किया जाता है और उनको जेलों में भेजा जाता है। शशिपाल मेहता जी यहां पर बैठे हुए हैं इनकी आत्मा अच्छी तरह से यह बात जानती होगी। ये यहां कह नहीं सकते। लेकिन इनके दिल पर क्या गुजर रही है वह या तो ये जानते हैं या हम जानते हैं। लोगों में इनको क्या-क्या सुनना पड़ता है वह भी हम और ये जानते हैं।

श्री अध्यक्ष : आप अपनी बात जल्दी खत्म करें। आपको बोलते हुए 20 मिनट हो गए हैं।

श्री जय सिंह राणा : सर, 27 जून को इंगलिश के ट्रिब्यून में छपा था कि गुड़गांव और फरीदाबाद में नकली दवाई के इस्तेमाल करने से 38 बच्चों की मौत हो गयी। वह दवाई सरकारी और प्राईवेट डाक्टर्ज रिकमंड कर रहे हैं सरकार को पता नहीं इस बात का ज्ञान भी है या नहीं ? यह बात सदन में बताई जाए कि क्या सरकार ने कोई कार्यवाही की है। इस मामले में सरकार आंखें मूंदे बैठी है और कुछ नहीं कर रही है। ऐसा नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री जी कुरुक्षेत्र में आते थे तो दादूपुर नलवी की बात किया करते थे। गंगा के पानी का मामला दबकर रह गया। उसका कोई जिक्र ही नहीं आया। (विघ्न) स्पीकर सर, मैं ठीक बात कह रहा हूं।

श्री अध्यक्ष : आपका समय हो गया है अब आप बैठ जाइए।

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर सर, मैं सरकार के ध्यान में ये बातें लाना चाह रहा हूं ताकि जहां कोताही हुई है वहां सरकार गौर करे। * * * * * *

श्री अध्यक्ष : राणा साहब, जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए।

(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य, श्री नृपेन्द्र सिंह पदासीन हुए।)

शिक्षा मंत्री (श्री राम विलास शर्मा): मैं भाई नृपेन्द्र सिंह जी को बधाई देता हूं कि वे चेयरमैन के नाते कार्यवाही अटैंड कर रहे हैं।

श्री अशोक कुमार (थानेसर) : सभापति जी, आपने मुझे बजट के ऊपर चर्चा में भाग लेने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए आपका बहुत धन्यवाद। आदरणीय वित्त मंत्री जी ने 21 तारीख को इस सदन में जो बजट पेश किया, उससे पहले लोगों को एक आशा थी कि हरियाणा प्रदेश के वित्त मंत्री जी जो बजट पेश करेंगे वह कर रहित होने के साथ-साथ जो हरियाणा प्रदेश की जनता पर शराबबंदी की आड़ में कर लगाए गए थे, उनको भी माफ करेंगे। सरकार की ओर से बार-बार यह कहा गया था कि हमने शराबबंदी की आड़ में कोई कर नहीं लगाए। सभापति जी, मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि शराबबंदी की आड़ में इस प्रदेश की जनता पर किस तरह से अनेकों टैक्स लगाए गए। यह जो टैक्स व्यापारी वर्ग देता है यह व्यापारी की जेब से नहीं जाता। इस प्रदेश की जनता पर इसका बोझ पड़ता है और जो बोझ पड़ा वह इस प्रकार पड़ा कि ईंट भट्टा लाइसैंस फीस जो पहले 400 रुपये होती थी उसको बढ़ाकर दो हजार रुपये कर दिया। राइस शैलर वालों पर लाइसैंस फीस 200 रुपये से बढ़ाकर 2 हजार रुपये कर दी गई। आढ़ती पर लगने वाली फूड आर्टिकल लाइसैंस फीस 100 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दी गई और मिट्टी के तेल पर लाइसैंस फी 20 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये कर दी गई। इस प्रकार सरकार ने 100 गुना तक टैक्स लगा दिए। अब लोगों को अपेक्षा थी कि शराबबंदी खुलने के बाद सरकार जनता को करों में राहत देगी लेकिन बजट पेश होने के बाद लोगों की यह आशा जाती रही। बिजली के मामले में अभी बताया जा रहा था कि उसके सुधारीकरण के लिए 2400 करोड़ रुपये का कर्ज लिया जा रहा है। अभी मेरे साथ श्री अनिल विज जी कह रहे थे कि किसी भी प्रदेश के विकास की निशानी इस प्रदेश में तारों में बिजली और नहरों में पानी का होना है उनकी यह बात बिल्कुल सत्य है। सभापति जी, आज इस प्रदेश में बिजली कहां है ? आप पिछली 15 मई से 15 जून तक का रिकार्ड मंगाकर देख लें हमारे एरिया कुरुक्षेत्र में और करनाल में जीरी की बिजाई के समय बिजली की बहुत बुरी हालत थी। यह तो परमात्मा ने बरसात कर दी जिसकी वजह से परेशानी कुछ कम हुई वरना तो बहुत बुरा हाल हो जाता। आज इस प्रदेश को बिजली की बहुत जरूरत है। सभापति जी, कुरुक्षेत्र में पिपली के अंदर 132 के०वी० का सब स्टेशन मंजूर हो चुका है लेकिन उसको बनाने की चाल

****चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

बहुत धीमी चल रही है जिसकी वजह से लोगों को बहुत परेशानी हो रही है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस 132 के०वी० के सब स्टेशन की इंस्टालेशन के कार्य को जल्दी से पूरा किया जाये। जहां तक कानून और व्यवस्था का सवाल है उस के बारे में भी विस्तार से चर्चा हुई। आज प्रदेश में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से चरमरा गई है जिसके लक्षण स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। मेरे हल्के के अन्दर पिछले एक महीने में एक सुधीर कुमार नामक वकील को रहस्यमयी परिस्थितियों में गायब कर दिया गया और आज तक उसका कोई पता नहीं लग पाया है। अभी दस दिन पहले कुरुक्षेत्र की गोयल गैस एजेंसी से डाकुओं ने 123 गैस सिलेण्डर उठा लिये और पुलिस उनको पकड़ने में नाकामयाब रही। गैस एजेंसी के गोदाम के चौकीदार से पुलिस ने जबरदस्ती गवाही दिलवाई कि वह अपने मालिक का नाम ले दे क्योंकि वह डकैतों को तो पकड़ नहीं पायी। इसके बारे में मैं एफीडेविट दे सकता हूं, क्योंकि अगले दिन वे डकैत जब दिल्ली में पकड़े गये तो उन्होंने स्वीकार किया कि कुरुक्षेत्र में गैस एजेंसी से उन्होंने चोरी की है। यह हालात आज प्रदेश के अन्दर बने हुए हैं। सभापति जी, जहां तक पी०डब्ल्यू०डी० महकमे की बात है जिसकी कि इस बजट में भी चर्चा की गई है और कहा गया है कि सड़कों की रिपेयर करेंगे। चौधरी बंसी लाल जी विकास पुरुष के नाम से जाने जाते हैं। वे खुद भी यह कहते हैं कि इस प्रदेश का सबसे ज्यादा विकास उन्होंने ही किया है। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : यह आज भी सच है।

श्री अशोक कुमार : मैं वही बताने जा रहा हूं। पिछले साल अम्बाला डिवीजन में जितनी सड़कें बनी थीं, उनको पांच साल के लिए बनाया था जोकि दो साल के अन्दर ही टूट गईं। जो एस०ई० वहां लगाया गया था उस एस०ई० ने उन ठेकेदारों का चैक काट दिया था जिनको इन सड़कों का ठेका दिया गया था। परन्तु जब यमुनानगर के एस०ई० के अण्डर वह काम आया तो उस एस०ई० ने उन ठेकेदारों की पेमेंट रोक दी। वे ठेकेदार मुख्यमंत्री से भी मिले। मेरे पास इस बात का एफीडेविट है कि उस एस०ई० ने ठेकेदारों से कितने पैसे लिये हैं। कुरुक्षेत्र के डिवीजन नं० 2 के अधीन जो भी सड़कें बनायी गयी हैं उनमें जिन लोगों ने टैण्डर दिये, उनके टैण्डर नहीं माने गये और जिन्होंने टैण्डर नहीं दिये थे, उन ठेकेदारों को वह काम दे दिया गया। सभापति महोदय, मैं यह बात कहता हूं कि कोई भी भ्रष्टाचारी है तो सरकार का फर्ज है कि उस के खिलाफ कार्रवाई करे। दूसरी बात मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। इस बजट में केवल नारनौल में एक कालेज खोलने का प्रावधान किया गया है। कुरुक्षेत्र, कैथल, यमुनानगर के अन्दर कोई भी सरकारी कालेज खोलने का प्रावधान इस बजट में नहीं किया गया है। मेरा आपके माध्यम से शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध है कि कुरुक्षेत्र में भी कालेज खोलने की व्यवस्था की जाये (घण्टी) जैसा कि अनिल विज जी ने कहा कि प्राईवेट स्कूलों वाले जिस तरह से बच्चों को ट्यूशन के नाम पर तथा फीस के नाम पर लूट रहे हैं और सालाना तीन हजार और चार हजार रुपये एडमिशन फीस के नाम पर लेने का काम कर रहे हैं। जबकि उन्हें 75 प्रतिशत ग्रान्ट सरकार की तरफ से मिल जाती है, उन प्राईवेट स्कूलों पर भी सरकार का कोई नियन्त्रण होना चाहिये जिससे प्रदेश की जनता लुटने से बच सके। व्यापारियों के बारे में भी बजट में जिक्र किया गया। सभापति जी, व्यापारियों ने ही इस सरकार को बनाने का काम किया है। किसी भी सरकार को बनाने में व्यापारियों का काफी योगदान रहता है। आज व्यापारी आन्दोलन कर रहे हैं, व्यापारियों पर लाठियां चलाई जा रही हैं। जिन व्यापारियों की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है उन्हीं को आज अपनी मांगे मनवाने के लिए आन्दोलन का रास्ता

14.00 बजे

अपनाना पड़ा है। सभापति जी, आपके माध्यम से मेरा अनुरोध है कि व्यापारियों की जो जायज मांगें हैं उनको तो मान लेना चाहिए ताकि व्यापारी वर्ग जो सरकार के लिए अहम भूमिका निभाता

[श्री अशोक कुमार]

है, वह अपना आंदोलन छोड़ दे। सभापति जी, सिंचाई के मामले में मुख्यमंत्री महोदय ने हमारे हल्के के बारे में कई बार कहा है कि दादुपुर-नलवी नहर बनाई जाएगी। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि बजट में कहीं भी दादूपुर-नलवी नहर का जिक्र नहीं किया गया है। मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि दादुपुर-नलवी नहर हमारे हल्के के लिए एक जीवन-रेखा है। कुरुक्षेत्र, अम्बाला व यमुनानगर जिलों के हल्कों के अंदर वाटर लेवल बहुत नीचे चला गया है जिसकी वजह से किसानों को सबमर्सिबल ट्यूबवैल लगवाने पड़ते हैं जिस पर डेढ़-दो लाख रुपए खर्च आ जाता है। अगर यह नहर बना दी जाएगी तो किसानों को बहुत राहत मिलेगी। मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि इस नहर को बनवाएं। नगरपालिकाओं के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि इनके अंदर विकास के नाम पर धांधलेबाजी हुई है। हाईकोर्ट में लोगों ने इसको चेलेंज किया तो फैसला सरकार के खिलाफ हुआ। कुरुक्षेत्र नगरपालिका के अंदर एक 7-बी स्कीम है जिसके अंतर्गत 60 रुपए प्रति वर्ग गज के हिसाब से डिवैल्पमैंट चार्ज किए गए तथा हाई कोर्ट में इस का 20 रुपए प्रति वर्ग गज के हिसाब से फैसला हुआ। इसलिए मेरा अनुरोध है कि जिन लोगों पर 60 रुपए प्रति वर्ग गज डिवैल्पमैंट चार्ज लगाया है, उसको वापिस किया जाए और कोर्ट के फैसले के मुताबिक 20 रुपए प्रति वर्ग गज के हिसाब से ही चार्ज किया जाए। सभापति जी, कर्मचारियों के बारे में काफी जिक्र किया गया है। आज पूरे प्रदेश के कर्मचारी आंदोलन की राह पर हैं। नर्सें भी आंदोलन की राह पर हैं।

श्री राम बिलास शर्मा : सभापति जी, आन ए प्वाएंट आफ आर्डर। मेरे लायक साथी श्री अशोक कुमार की जानकारी के लिए मैं बताना चाहूंगा कि हरियाणा में अध्यापक वर्ग जिसकी लगभग एक लाख से भी ज्यादा संख्या है, यह सबसे बड़ा वर्ग है। पांचवे वेतन आयोग की सिफारिशों के मुताबिक हमारी सरकार ने इन अध्यापकों को इतने अच्छे वेतनमान दिए हैं कि पूरे देश मे जितने भी अध्यापक आज आंदोलन कर रहे हैं उनकी यह मांग है कि उन को भी हरियाणा के अध्यापकों के समान वेतनमान दिए जाएं।सभापति जी, एक जे०बी०टी० अध्यापक जिसकी सेवा 15 साल की हो गई है, वह जब महीने में तनख्वाह लेकर के अपने घर जाता है तो सारे कुनबे को पैसे गिनाने बैठ जाता है। आज डी०एस०पी० के बराबर उन को तनख्वाह मिलती है। जो अध्यापक राष्ट्र के निर्माता हैं, हमारी सरकार ने उन को सबसे अधिक आर्थिक सम्मान दिया है। दूसरी बात जो श्री अशोक कुमार जी नर्सों के बारे में बार-बार कह रहे हैं मैं बताना चाहता हूं कि हरियाणा में नर्सों का आंदोलन समाप्त हो गया है। सारे आंदोलन मेरे विपक्षी मित्र ही करवा रहे हैं। पहले शुगर मिलों में इन्होंने आंदोलन करवाया, फिर नगरपालिकाओं के सफाई कर्मचारियों का आंदोलन इन्होंने करवाया और अब नर्सें जो हमारी बहिन-बेटियां हैं, उनका भी आंदोलन इन्होंने ही करवाया है। सभापति जी, इनको तो सरकार को बधाई देनी चाहिए क्योंकि हरियाणा में नर्सों का आंदोलन समाप्त हो चुका है। उन्होंने सरकार की बात पर विश्वास किया और बिना शर्त अपना आंदोलन वापिस ले लिया। (विघ्न) सभापति जी, श्री ओम प्रकाश महाजन यहां पर विराजमान हैं, उनसे पूछा जा सकता है कि हरियाणा में आज 70 प्रतिशत नर्सें अपने काम पर हैं। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : सभापति महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : कैप्टन साहब, जानबूझकर सुनना नहीं चाहते हैं। (विघ्न) प्वायंट आफ आर्डर पर प्वायंट आफ आर्डर नहीं हो सकता है। (विघ्न) सभापति जी, पंडित भगवद् दयाल मैडिकल कालेज, रोहतक में बीस दिन से नर्सें आंदोलन पर थीं तथा आज 70 प्रतिशत नर्सें वहां डियूटी पर हैं। उन्होंने बिना शर्त अपना आंदोलन वापिस ले लिया है। आज मैडीकल कालेज, रोहतक की कई नर्सें

हड़ताल पर हैं बाकी हरियाणा में 70 प्रतिशत नर्सें आज काम पर आई हैं। सभापति जी, अध्यापकों की जितनी भी "सी" कैटेगरी है, हिन्दी, संस्कृत, पंजाबी के अध्यापक ये सब मास्टर के बराबर वेतनमान ले रहे हैं और इसके लिए वे अध्यापक मेरा और मुख्यमंत्री से मिलकर उनका धन्यवाद करके गए हैं। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : सभापति जी, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री सभापति : सम्पत सिंह जी, आप बैठिए, अशोक कुमार जी, आप बोलिए।

श्री अशोक कुमार : सभापति जी, मंत्री महोदय ने कहा कि नर्सों ने अपनी हड़ताल बापस ले ली है। और फिर अपनी ही बात में कह गए कि नर्सों ने हड़ताल वापिस नहीं ली, 70 प्रतिशत नर्सें काम पर आ गई। मंत्री जी अपने आप पहले कुछ कहते हैं और फिर कुछ कहते हैं। मैं नर्सों की चर्चा कर रहा था उनको बिना महिला पुलिस कर्मचारी के ट्रक में भरकर कुरुक्षेत्र से 15 किलोमीटर दूर ले जाकर जंगलों में छोड़ दिया गया। उसके बाद आज डिवैल्पमैंट के बारे में चर्चा हुई। जहां तक डिवैल्पमैंट की बात है मैं कुरुक्षेत्र जिले की बाबत कह सकता हूं। (घंटी)

श्री सभापति : आपको बोलते हुए 18 मिनट हो गए हैं।

श्री अशोक कुमार : सभापति जी, मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि जो पिछली सरकार डिवैल्पमैंट ग्रांट दिया करती थी वे उस 40 लाख की ग्रांट को दोबारा से लागू करें ताकि जो काम रुके पड़े हैं उन कामों में गति आए और जो अफसरशाही आज पूरे प्रदेश में हावी है, उसको रोका जा सके।

श्री ओम प्रकाश महाजन : सभापति जी, अभी श्री अशोक कुमार ने और रामबिलास शर्मा जी ने नर्सों के बारे में कहा। मैडिकल कालेज, रोहतक की नर्सों ने अनकंडीशनली हड़ताल विदड्रा की। स्टेट की बाकी 70 प्रतिशत नर्सें ईमानदारी से डियूटी पर वापिस आ गई हैं और वे रोजाना आ रही हैं। जो आज काम पर आ रही हैं उन नर्सों को डराया धमकाया जा रहा है। जो नर्सें हड़ताल पर हैं वे हड़ताल करना तो नहीं चाहती लेकिन उनके मनोबल को गिराने के लिए उनके घरों में जाकर जो नर्सें हड़ताल करना चाहती हैं, वे उन्हें डराती और धमकाती हैं। हमें उम्मीद है कि दो चार दिन में 90 प्रतिशत नर्सें काम पर आ जाएंगी।

श्री जगदीश नायर (हसनपुर एस०सी०) : सभापति महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया उसके लिए मैं आपका हृदय से धन्यवाद करता हूं। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) हमारी सरकार ने हरियाणा की जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए बहुत अच्छा बजट पेश किया है। हमारी सरकार ने यह बजट हरियाणा की जनता की भावनाओं को मद्देनजर रखते हुए करमुक्त बजट प्रस्तुत किया है। हरियाणा की जनता के दुख दर्द को ध्यान में रख कर हमारी सरकार ने यह बजट तैयार किया है। अध्यक्ष महोदय, हमारे विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों ने बिजली के बारे में बहुत कुछ कहा है। इन्होंने बिजली के बारे में कहा है कि यह हो गया वह हो गया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि इनके समय में हरियाणा प्रान्त में एक यूनिट बिजली भी अतिरिक्त पैदा नहीं हुआ करती थी। बिजली के बारे में ये शोर मचा कर हरियाणा की जनता को गुमराह करना चाहते हैं। जब इनकी पार्टी की सरकार थी उस समय हम देखा करते थे। (शोर)

एक आवाज : आप उस समय यहां थे ही नहीं, फिर कहां से देखा करते थे।

श्री जगदीश नायर : अध्यक्ष महोदय, यह उस समय का रिकार्ड है जो उस समय की सारी बातें बताता है। हरियाणा में बिजली किसने दी, हरियाणा में बिजली चौधरी बंसी लाल जी ने दी। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के माननीय सदस्य बिजली के मामले में सदन से वाक आउट करते हैं, फिर आ जाते हैं

[श्री जगदीश नैय्यर]

फिर वाकआउट करते हैं फिर आ जाते है इनको शर्म आनी चाहिए। मेरे विरोधी पक्ष के माननीय सदस्य एक ऐसे नेता के नेतृत्व में रहे हैं जिनको किसी बात का कुछ ज्ञान ही नहीं है। मैं इनको कहना चाहूंगा कि आप हमारे मुख्य मंत्री जी से कुछ सीखिए। हमारे मुख्य मंत्री के मार्गदर्शन से बिजली बोर्ड ने बिजली के उत्पादन में बहुत बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है जोकि शायद ही कोई इंजीनियर पैदा कर सके। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्य मंत्री 1999 तक 24 घंटे बिजली हरियाणा की जनता को दे देंगे। हमारी सरकार ने फरीदाबाद में एक 432 मैगावाट का थर्मल प्लांट चालू कर दिया है इसके बारे में मेरे विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों को पता होना चाहिए। उस थर्मल प्लांट का उदघाटन प्रधान मंत्री जी ने हमारे समय में किया था। अध्यक्ष महोदय इनके शासनकाल में हरियाणा प्रान्त में एक यूनिट बिजली पैदा करने के लिए भी कोई थर्मल प्लांट नहीं लगा अगर लगा हो तो ये बताएं। इसके अलावा पानीपत के थर्मल प्लांट में चार 210-210 मैगावाट के प्लांट लगाने का काम चालू हो गया है। जब ये सारे थर्मल प्लांट बिजली का उत्पादन शुरु कर देंगे उसके बाद हरियाणा में बिजली की कोई समस्या नहीं रहेगी। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सिंचाई की बात है हमारी सरकार ने सिंचाई के क्षेत्र में काफी काम किया है। सभी नहरों की सफाई का काम कराया है। मेरे विरोधी पक्ष के माननीय सदस्य कहते हैं कि सिंचाई के क्षेत्र में इस सरकार ने कोई काम नहीं किया इनको पता होना चाहिए कि जो आगरा कैनाल उत्तर प्रदेश से आती है उसके साथ हमारे जो माइनर्ज जुड़े हुए हैं उनके रख रखाव का काम हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश के कंट्रोल से अपने हाथ में ले लिया है पहले उन माइनर्ज का कंट्रोल उत्तर प्रदेश सरकार के हाथ में था। हमारी सरकार ने एक एक नहर की टेल तक पानी पहुंचाया है। हमारी सरकार ने सभी नहरों की सफाई करवाई है। कौन कहता है कि नहरों की टेल पर पानी नहीं पहुंच रहा है। मेरे हल्के में धान की खेती नहीं होती थी आज वहां धान बोया जा रहा है वह इसलिए ही बोया जा रहा है क्योंकि मेरे हल्के में टेल पर पानी पहुंच रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी सरकार का ह्रदय से स्वागत करता हूं कि उसने मेरे हल्के में नहरी पानी पहुंचाया है। अध्यक्ष महोदय, जब हथनी कुण्ड बैराज बन कर तैयार हो जाएगा तो उससे पूरे मेवात क्षेत्र को और उसके नजदीक लगते हल्कों को बहुत फायदा होगा और सारे किसानों के खेतों को पानी मिलेगा। ये किसानों की बातें करते हैं। अध्यक्ष महोदय इन्होंने किसानों के लिए क्या किया ? वह मैं बताता हूं। इन्होंने किसानों को आपस में लड़वाया, जिस कारण उनकी हत्याएं हुई। अध्यक्ष महोदय, ये कैसे किसानों के हमदर्द हो सकते हैं ? जो उनकी दुख-तकलीफों को सुने, उनकी जायज मांगों को माने और किसानों के लिए अच्छे काम करे, वही किसान का असली हमदर्द हो सकता है।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने सिंचाई के क्षेत्र की तरफ भी विशेष ध्यान दिया है और इस बारे में ठोस कदम उठाए हैं। इसी प्रकार से बाढ़ की रोकथाम के लिए भी सरकार ने कदम उठाये हैं। इनके समय में एक बार हमने यह भी सुना था कि रोहतक में बाढ़ आ गई है। वहां पर मदद करने के लिये चलो। अब हमारा समय है कि इन पिछले तीन सालों में एक बार भी रोहतक जिले में या दूसरी जगह बाढ़ नहीं आई। बाढ़ न आने के कारण यह हैं कि हमारी सरकार ने इस तरफ विशेष ध्यान दिया और अपने इंजीनियरों को हिदायतें दी कि ऐसा काम किया जाये जिससे बाढ़ न आये और यही कारण है कि अब बाढ़ नहीं आई। जैसाकि इनके समय में मैं बता रहा था कि जब हम कालेज में पढ़ते थे तो रोहतक में बाढ़ आई तो हमको भी वहां पर जाने के लिए और लोगों की मदद करने लिए कहा गया था। हमारी सरकार ने इस दिशा में पैसे का उचित प्रयोग किया है। विपक्ष का काम तो सिर्फ रौला मचाना है, शोर मचाना है। इनका काम तो चुनाव के दौरान भी पैसा लेने का रहता है जो इनसे टिकट लेना चाहता है। यानि जब टिकट बांटी जाती है तो ये पैसा लेते हैं।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं शिक्षा के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा। हमारी सरकार ने इस दिशा में उचित कदम उठाते हुए सारे प्रदेश में स्कूलों को अपग्रेड किया और साथ ही साथ स्कूलों में टीचर्ज भी भेजे गए हैं जबकि इनके समय में स्कूल अपग्रेड होते थे तो वहां पर टीचर नहीं पहुंच पाते थे। स्कूलों में अध्यापकों की कमी न रहे इसीलिए जे०बी०टी०, बी०एड० व दूसरे टीचरों की भर्ती हमने की है और तभी हम स्कूलों को अपग्रेड करते समय स्टाफ भेजने में कामयाब रहे। हमारी सरकार ने हमारी बहनों के स्कूलों को भी अपग्रेड किया है। इनके समय में कालेजों के अन्दर चुनाव हुआ करते थे, जिस कारण बच्चे पढ़ाई करने की बजाय राजनीति में उलझते रहते थे और जिस कारण उनका आपस में झगड़ा होता था और यहां तक कि इन चुनाव में वे एक दूसरे का कत्ल भी कर देते थे। हमने इस चुनाव कराने की प्रथा को समाप्त किया और उनको समझाया कि इस राजनीति में न पड़ कर अपनी पढ़ाई की तरफ ध्यान दें। क्योंकि हमें पता था कि ऐसे चुनावों में बच्चे एक दूसरे का अपहरण भी करवाते हैं और बहन-बेटियों की इज्जत के साथ भी खिलवाड़ करते हैं इसीलिए इस बुराई को समाप्त करके सरकार ने एक अच्छा काम किया।

अध्यक्ष महोदय अब मैं सड़कों की बात करना चाहता हूं। हमारी सरकार ने पिछले साल 151 करोड़ रुपये सड़कों की रिपेयर व नई सड़कें बनाने पर खर्च किए थे। इस साल सरकार ने इस काम के लिए 245 करोड़ रुपये रखे हैं। यह एक बहुत बड़ा काम है। इससे हमारी सारी सड़कों की रिपेयर हो जायेगी। इनके समय की टूटी हुई सड़कें हमें मिली थीं। हम उन सभी सड़कों की रिपेयर कर देंगे। हमारे द्वारा बनाई गई सड़कें टूटेंगी नहीं। इनके समय में तो सड़कें कागजों के अन्दर ही रिपेयर होकर रह जाती थीं।

अध्यक्ष महोदय, आज ये लोग कानून एवं व्यवस्था की बात करते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जितने भी दंगे हुए, इनकी सरकार के समय में हुए, जितने भी काण्ड हुए इनकी सरकार के समय में हुए। आरक्षण का दंगा इनकी सरकार के समय में हुआ। जितने भी कांड हुए जैसे महम कांड इनकी सरकार के वक्त में हुआ। द्रोपदी कांड के समय में भी हमारी सरकार नहीं थी। सब काण्ड इनकी सरकार के समय में ही हुए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात विधान सभा के अंदर सच्चाई के साथ बता देना चाहता हूं। (विघ्न) एक आदमी मेरे पास आया और मुझे बहकाने लगा, वह मुझे कहने लगा कि आप चाहे कांग्रेस की टिकट ले लें या हरियाणा लोक दल (राष्ट्रीय) की टिकट ले लें। वह मुझे बहकाने, फुसलाने की कोशिश कर रहा था, उसने मुझे कहा कि अगर मुझे चौधरी भजन लाल की पार्टी की टिकट चाहिए तो वे मुझे उनकी पार्टी की टिकट दिलवा देंगे और अगर चौधरी देवी लाल की पार्टी की टिकट चाहिए तो वह भी मिल जायेगी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल और चौधरी भजन लाल ये दोनों मिलकर हरियाणा की जनता को गुमराह कर रहे हैं। इस बात की असलियत तो भाई सम्पत सिंह जी ही बतायेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैहम काण्ड हुआ था, उस समय सरकार हमारी नहीं थी और भाई सम्पत सिंह जी उस वक्त होम मिनिस्टर हुआ करते थे। अध्यक्ष महोदय, बहुत से लोगों को इन्होंने मैहम काण्ड के समय कुचलवाया, बहुत से किसानों के साथ इन्होने अत्याचार किया। हमारी सरकार का कोई एक उदाहरण आप दे दो कि हमारी सरकार ने यह अत्याचार किया। अध्यक्ष महोदय हमारी सरकार ने कोई अत्याचार नहीं किया। ये लोग यहां हाउस के अंदर शोर मचाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने जो बजट पेश किया है वह लोगों के हित का बजट है, कर मुक्त बजट है और लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए पेश किया गया। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं अपने हल्के की कुछ समस्याएं भी यहां पेश करना चाहता हूं। (विघ्न) समस्याएं तो पेश

Haryana Vidhan Sabha Secretariat LIBRARY Chandigarh

[श्री जगदीश नायर]
होती ही रहती हैं, समस्याएं बनती ही रहती हैं और उनके समाधान भी होते ही रहते हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अब मैं आपके माध्यम से मैं अपने हल्के की कुछ अहम समस्याओं के बारे में कहना चाहूंगा। (विघ्न)

वाक आउट

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी बजट पर बोलने का मौका दें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भागी राम जी आप बैठ जाएं। (शोर) भागी राम जी मैं आपको आज भी बोलने का समय दूंगा और कल भी दूंगा। आप बैठ जाएं।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे बोलने का समय नहीं दे रहे हैं इसलिए ऐज ए प्रोटैस्ट मैं सदन से वाक आउट करता हूं।

(इस समय हरियाणा लोक दल (राष्ट्रीय) के एक सदस्य श्री भागी राम सदन से वाक-आउट कर गए।)

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री जगदीश नायर : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के हसनपुर में एक 66 के०वी० का पावर स्टेशन बनाने का मुख्यमंत्री जी ने आदेश दिया था लेकिन उस पर आज तक कुछ काम नहीं हुआ है। मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि उस पावर हाउस को जल्दी से जल्दी बनवाने का आदेश दें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, मेरे पास आपकी पार्टी का सारा हिसाब है। कांग्रेस पार्टी के लिए 72 मिनट का समय निर्धारित किया गया था और कल कांग्रेस पार्टी 89 मिनट बोल चुकी है। आज का हिसाब मैं आपको कल बता दूंगा। (विघ्न) जगदीश जी सत्ता पक्ष के टाईम में से बोल रहे हैं।

श्री जगदीश नायर : अध्यक्ष महोदय, मेरे होडल शहर में जिसमें 25 हजार की आबादी है वहां पर पानी की एक बहुत ही गम्भीर समस्या है। हमारे शहर में से पानी की निकासी का साधन नहीं है जिससे शहर का पानी कहीं बाहर निकाला जा सके। वह पानी शहर में ही खड़ा हुआ है जिस वजह से वहां पर काफी गन्दगी फैल गई है और लोग उस गन्दगी के कारण बीमार पड़ रहे हैं। वहां पर जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि वे इस समस्या पर शीघ्रातिशीघ्र विचार करें। इसके साथ ही हसनपुर में एक पुल की भी समस्या है। मुख्यमंत्री जी उस पुल को बनाने के बारे में विचार करके इसे जल्दी से जल्दी बनवाने की कृपा करें। अगर यह बन जाता है तो वहां के लोगों को काफी सुविधा हो जाएगी। इसके साथ ही मैं इस बजट का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

Mr. Speaker : Now the House is adjourned till 9.30 A.M. tomorrow the 24th July, 1998.

*14.30 hrs.) (The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. tomorrow the 24th July, 1998).